**सुविचार**
पुस्तकें जागृत देवता हैं, उनकी सेवा कर के तत्काल वरदान पाया जा सकता है।
रामनरेश त्रिपाठी

Daily
# THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज *Published from Ranchi*

Ranchi • Tuesday, 12 March 2024 • Year : 02 • Issue : 55 • Ranchi Edition • Page : 12 • Price : ₹3 • www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com



12
नयनतारा परिवार के साथ सऊदी अरब...

**SHARE**

| | | |
|---|---|---|
| सेंसेक्स | : | 73,502.64 |
| निफ्टी | : | 22,332.65 |

**SARAFA**

| | | |
|---|---|---|
| सोना | : | 6,235 |
| चांदी | : | 79.00 |

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

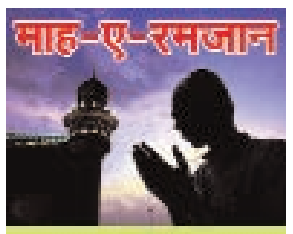




इफ्तार (मंगलवार): 06.01
सेहरी (बुधवार) : 04.47

# देशभर में नागरिकता संशोधन कानून लागू
## गैर मुस्लिम शरणार्थियों को मिलेगी नागरिकता

**नोटिफिकेशन जारी**

**AGENCY NEW DELHI :** केंद्र सरकार ने सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट यानी सीएए का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इसके साथ ही यह कानून देशभर में लागू हो गया है। सीएए को हिंदी में नागरिकता संशोधन कानून कहा जाता है। इससे पाकिस्तान, बांग्लादेश अफगानिस्तान से आए गैर-मुस्लिम शरणार्थियों को नागरिकता मिलने का रास्ता साफ हो गया है। कयास थे कि पीएम मोदी सीएए की अधिसूचना का ऐलान करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। नोटिफिकेशन से पहले पीमए ने सोशल मीडिया एक्स पर अग्नि-5 मिसाइल के सफल परीक्षण पर डीआरडीओ के वैज्ञानिकों को बधाई दी।

**सीएए को लेकर सरकार की तैयारी**

सीएए के ऑनलाइन पोर्टल को रजिस्ट्रेशन के लिए तैयार कर लिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इसका ड्राई रन भी कर लिया है। सूत्रों ने कहा कि सीएए इन पड़ोसी देशों के उन शरणार्थियों की मदद करेगा जिनके पास दस्तावेज नहीं हैं। मंत्रालय को लंबी अवधि के वीजा के लिए सबसे ज्यादा आवेदन पाकिस्तान से मिले हैं। गृह मंत्री अमित शाह दो महीने में दो बार कह चुके थे कि सीएए लोकसभा चुनाव से पहले लागू किया जाएगा। यह देश का कानून है। इसे कोई रोक नहीं सकता। संसद ने सीएए पर 11 दिसंबर 2019 को मुहर लगाई थी। हालांकि, सरकार इस कानून को लागू करने के लिए नियम-कायदे बनाने की समय सीमा 8 बार बढ़ा चुकी है।

- पाकिस्तान, बांग्लादेश अफगानिस्तान से आए गैर-मुस्लिम शरणार्थियों का रास्ता साफ
- तीन मुल्कों के छह प्रवासी समुदायों को मिलेगी नागरिकता, पोर्टल के जरिए आवेदन मांगे जाएंगे
- सीएए के ऑनलाइन पोर्टल रजिस्ट्रेशन के लिए लिया गया है तैयार कर, ड्राई रन भी हुआ




### किसे मिलेगी नागरिकता

31 दिसंबर 2014 से पहले पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश से धार्मिक आधार पर प्रताड़ित होकर भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को नागरिकता दी जाएगी। इन तीन देशों के लोग ही नागरिकता के लिए आवेदन कर सकेंगे। भारतीय नागरिकों से सीएए का कोई सरोकार नहीं है। संविधान के तहत भारतीयों को नागरिकता का अधिकार है। सीएए या कोई कानून इसे नहीं छीन सकता।

### क्या है सीएए कानून?

नागरिकता संशोधन विधेयक से अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई अवैध प्रवासियों को नागरिकता के लिए पात्र बनाने के लिए नागरिकता अधिनियम, 1955 में संशोधन किया गया है। नागरिकता संशोधन विधेयक 9 दिसंबर 2019 को लोकसभा में प्रस्तावित किया गया था। 9 दिसंबर 2019 को ही विधेयक सदन से पारित हो गया। 11 दिसंबर 2019 को यह विधेयक राज्यसभा से पारित हुआ था।

### क्या होगा, क्या नहीं?

नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019, भारत के तीन पड़ोसी देशों से धार्मिक आधार पर प्रताड़ित होकर भारत आए शरणार्थियों को भारत की नागरिकता का अधिकार देने का कानून है। नागरिकता संशोधन कानून के सन्दर्भ में कई गलतफहमियां फैली थीं। यह नागरिकता देने का कानून है, उअअ से किसी भी भारतीय नागरिक के नागरिकता नहीं जाएगी, चाहे वह किसी भी धर्म का हो। यह कानून केवल उन लोगों के लिए है जिन्हें वर्षों से उत्पीड़न सहना पड़ा और जिनके पास दुनिया में भारत के अलावा और कोई जगह नहीं है।

### बीजेपी बोली- जो बोला सो किया, विपक्षी पार्टियों ने उठाए सवाल

कांग्रेस ने विवादास्पद नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए), 2019 को लागू करने से जुड़े नियमों को अधिसूचित किए जाने पर सियासी संग्राम शुरू हो गई है। बीजेपी जहां इसे मोदी की गारंटी बता रही है, तो कांग्रेस सहित विपक्षी पार्टियों ने टाइमिंग पर सवाल उठाया। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तो विरोध का ऐलान कर दिया है। असदुद्दीन ओवैसी ने भी ट्वीट कर अपना विरोध जताया है। आइये देखें सीएए लागू होने पर किसकी क्या प्रतिक्रिया रही। सीएए लागू होने के बाद कांग्रेस ने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव से पहले देश और खासकर पश्चिम बंगाल एवं असम में ध्रुवीकरण का प्रयास किया गया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि चुनावी बॉण्ड पर सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद सरकार ने हेडलाइन मैनेज करने की कोशिश भी की है। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, दिसंबर, 2019 में संसद द्वारा पारित नागरिकता (संशोधन) अधिनियम के नियमों को अधिसूचित करने में मोदी सरकार को चार साल और तीन महीने लग गए। प्रधानमंत्री दावा करते हैं कि उनकी सरकार बिल्कुल पेशेवर और समयबद्ध तरीके से काम करती है। सीएए

### जंग लड़ रहे नेपालियों ने भारत से मांगी मदद

**NEW DELHI :** रूस में फंसे कुछ नेपाली युवकों ने भारत सरकार से मदद मांगी है। इन लोगों का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वो कह रहे हैं कि उन्हें धोखे से रूसी आर्मी में भर्ती कराया गया और फिर जंग लड़ने भेजा गया। वीडियो में युवक भारत सरकार से उन्हें वापस नेपाल पहुंचाने के लिए मदद मांग रहे हैं। उनका कहना है कि नेपाल सरकार मदद नहीं कर पा रही है इसलिए भारत सरकार इस मामले में दखल दे। मिलिट्री यूनिफॉर्म पहने नेपाली युवकों ने वीडियो में कहा- हमें हेल्पर की नौकरी ऑफर हुई थी। रूस पहुंचने पर आर्मी में भर्ती कर लिया गया और यूक्रेन के खिलाफ जंग लड़ने भेजा गया। हमने मॉस्को स्थित नेपाली एम्बेसी से मदद मांगी, लेकिन हमें मदद नहीं मिली। भारत और नेपाल के बीच अच्छे संबंध हैं इसलिए हम भारत सरकार से अपील करते हैं कि वो हमें यहां से रेस्क्यू करे। हमारे साथ तीन भारतीय युवक भी जंग लड़ रहे थे। भारत सरकार ने उन्हें रेस्क्यू कर लिया है। भारत की एम्बेसी पावरफुल है। हम 30 लोग रूस आए थे। अब सिर्फ 5 ही बचे हैं। हमारी मदद करें।

# माह-ए-रमजान का दिखा चांद, पहला रोजा आज से
## इबादतों में जुटे मुस्लिम समुदाय के लोग

**PHOTON NEWS RANCHI :** अल्लाह की इबादत का मुकद्दस महीना रमजान चांद के दीदार के साथ शुरू हो गया। सोमवार को चांद नजर का दीदार हुआ। 12 मार्च को मुसलमान पहला रोजा रखेंगे। इस साल का पहला रोजा सबसे छोटा और आखिरी सबसे लंबा होगा। इस साल पहला रोजा सबसे छोटा करीब 13 घंटे 20 मिनट और आखिरी रोजा सबसे लंबा 14 घंटा 08 मिनट का होगा। रमजान को लेकर मुस्लिम समुदाय में खुशी का माहौल है। रांची सहित पूरे देश में चांद को लेकर लोगों में उत्साह का माहौल रहा। बच्चे इसे लेकर उत्साहित रहे। जहां पुरुष विशेष नमाज तरावीह को लेकर चर्चा करते रहे तो वहीं घरों में महिलाएं भी इबादत के साथ ही सहरी और इफ्तार को लेकर चचाओं में मशगूल रहीं। जबकि मस्जिदों में भी तरावीह की नामाज अदा की गई। तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। दारूल कजा इमारत शरीया रांची के काजी शरीअत मुफ्ती मोहम्मद अनवर कासमी ने कहा कि शबानुल मोअज्जम 1445 हिजरी की 29 तारीख और सोमवार 11 मार्च को रमजान उल मुबारक महीने का चांद रांची व झारखंड समेत देश के विभिन्न स्थानों में आम तौर पर नजर आया है।



- आज सुबह 4.47 बजे लोग करेंगे सेहरी
- शबानुल मोअज्जम 1445 हिजरी की 29 तारीख को दिखता है चांद

## चुनावी बॉन्ड पर सर्वोच्च न्यायालय सख्त, याचिका खारिज
# सुप्रीम कोर्ट का आदेश- एसबीआई आज दे इलेक्टोरल बॉन्ड का डेटा

**AGENCY NEW DELHI :** इलेक्टोरल बॉन्ड की जानकारी देने से जुड़े केस में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की याचिका पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने करीब 40 मिनट में फैसला सुना दिया। एसबीआई ने कोर्ट से कहा- बॉन्ड से जुड़ी जानकारी देने में हमें कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन इसके लिए कुछ समय चाहिए। इस पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने पूछा- पिछली सुनवाई (15 फरवरी) से अब तक 26 दिनों में आपने क्या किया? करीब 40 मिनट की सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की संविधान पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा- एसबीआई 12 मार्च तक सारी जानकारी का खुलासा करे। इलेक्शन कमीशन सारी जानकारी को इकट्ठा कर 15 मार्च शाम 5 बजे तक इसे वेबसाइट पर पब्लिश करे। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की संविधान पीठ ने 15 फरवरी को इलेक्टोरल बॉन्ड की बिक्री पर रोक लगा दी थी। साथ ही एसबीआई को 12 अप्रैल 2019 से अब तक खरीदे गए इलेक्टोरल बॉन्ड की जानकारी 6 मार्च तक इलेक्शन कमीशन को देने का निर्देश दिया था।

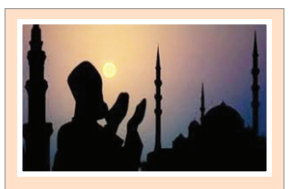



### 26 दिन में आपने क्या कदम उठाए : कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमने अपने निर्णय के तहत आपसे स्पष्ट खुलासा करने के लिए कहा है। पिछले 26 दिन में आपने क्या कदम उठाए? आपकी अर्जी में इसे लेकर कुछ नहीं बताया गया है। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि एसबीआई को सिर्फ सीलबंद लिफाफा खोलने की जरूरत है, विवरण एकत्र करना है और निर्वाचन आयोग को जानकारी देनी है। सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने अहम सुनवाई की शुरूआत की और कहा कि उसने एसबीआई से कोर्ट के निर्णय के तहत स्पष्ट खुलासा करने को कहा था।

## BRIEF NEWS

### हेमंत सोरेन के खिलाफ कोर्ट ने जारी किया समन

**RANCHI :** मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी पूर्व मुख्यमंत्री और बरहेट के विधायक हेमंत सोरेन के विरुद्ध समन जारी हुआ है। रांची सिविल कोर्ट के सीजेएम ने समन जारी करते हुए हेमंत सोरेन को अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है। दरअसल पिछले सोमवार को ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) द्वारा दर्ज शिकायत वाद (कंप्लेन केस) पर अपना फैसला सुनाया था। अपने फैसले में कोर्ट ने प्रथम दृष्टया यह माना है कि हेमंत सोरेन ने ईडी के समन का उल्लंघन किया है। वहीं अदालत ने हेमंत के खिलाफ समन भी जारी करने का निर्देश दिया, उसी आदेश के आलोक में समन जारी हुआ है।

### उग्रवादियों को पुलिस ने दिया करारा जवाब

**HAZARIBAGH :** जिले के बड़कागांव के गुडकुवा पहाड़ी जंगल में रविवार को हुई मुठभेड़ में पुलिस ने टीपीसी उग्रवादियों को करारा जवाब दिया। टीपीसी का एरिया कमांडर दिवाकर उर्फ प्रताप जी पुलिस को भारी पड़ता देख सहयोगियों के साथ भाग निकला। हालांकि, पुलिस ने उग्रवादियों को खदेड़ते हुए उनके पांच मोटरसाइकिल और राइफल सहित कई दस्तावेजों को बरामद कर लिया। इस संबंध में डीआईजी सुनील कुमार प्रभाकर ने सोमवार को पत्रकार वार्ता कर बताया कि रविवार को गुप्त सूचना मिली थी कि प्रताप जी उर्फ दिवाकर गंझू का दस्ता बड़कागांव थाना क्षेत्र अंतर्गत गुडकुआं पहाड़ जंगल में छिपा हुआ है। इसके बाद पुलिस टीम ने उग्रवादियों को घेराबंदी कर ली। इस दौरान एक पहाड़ के टीले से अंधाधुंध फायरिंग होने लगी। पुलिस बल ने जवाबी कार्रवाई की। इस बीच घने जंगल एवं पहाड़ का लाभ उठाकर उग्रवादी भाग गए।

### सुभाष यादव की ₹2.37 करोड़ की संपत्ति जब्त

**PATNA :** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पटना में अवैध रेत खनन और रेत की बिक्री से संबंधित मामले में सुभाष यादव और उनके करीबी सहयोगियों के यहां से लगभग 2.37 करोड़ रुपये बरामद किए हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि पटना में सुभाष यादव और उनके करीबी सहयोगियों से संबंधित छह ठिकानों पर तलाशी के दौरान लगभग

# प्रेमी युगल ने जहर खाकर दी जान, नहर से मिला शव
## रांची के तमाड़ की घटना, घर वाले नहीं थे राजी

**CRIME REPORTER RANCHI :** जिले के तमाड़ थाना क्षेत्र के बरवा नहर के पास सोमवार सुबह प्रेमी युगल का शव बरामद हुआ है। मृतकों की पहचान 22 वर्षीय प्रेमी प्रलाद लोहरा और 18 वर्षीय प्रेमिका संगीता कुमारी के रूप में हुई है। दोनों तमाड़ थाना क्षेत्र के बरवा गांव के निवासी हैं। दोनों ने जहर खाकर आत्महत्या की है। जानकारी के अनुसार, ग्रामीणों ने सोमवार की सुबह बरवा नहर के पास प्रेमी युगल का शव देखा। शव मिलने की खबर से मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गयी। ग्रामीणों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आगे की जांच में जुटी है। बताया जा रहा है युवक और युवती के बीच कई सालों से प्रेम प्रेसंग चल रहा था। दोनों शादी करना चाहते थे, लेकिन दोनों के घरवाले शादी के लिए राजी नहीं थे। इसलिए दोनों ने जहर खा आत्महत्या कर ली।

### लातेहार में ट्रक ने दो सगे भाइयों को रौंदा

**RANCHI :** जिला मुख्यालय में सोमवार को ट्रक के रौंदने से बाइक सवार दो सगे भाइयों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान युगल प्रसाद (42) और संतोष प्रसाद (40) के रूप में हुई है। दोनों सदर थाना क्षेत्र के हेसला गांव के रहने वाले थे। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने रांची-डालटेनगंज मुख्य मार्ग पर जाम लगा दिया। मिली जानकारी के अनुसार दोनों भाई जिला मुख्यालय के ही वार्ड नंबर-वन में मटन की दुकान चलाते थे। सोमवार को दुकान बंद करने के बाद दोनों मोटरसाइकिल पर सवार होकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से आकर उन्हें रौंद दिया, जिससे दोनों की मौत हो गयी।

## पीएम ने दी झारखंड को सौगात, 1717.19 करोड़ की लागत से बनेगी सड़क
# आठ सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास-लोकार्पण

**PHOTON NEWS RANCHI :** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को झारखंडवासियों को 1717.19 करोड़ की आठ सड़क परियोजनाओं की सौगात दी है। राजधानी रांची के सीएमपीडीआई के मयूरी सभागार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये पीएम ने इन परियोजनाओं का शिलान्यास पर लोकार्पण किया। 707 करोड़ की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 33 के रांची बाईपास का चार लेन का निर्माण किया जाएगा। इस बाईपास की लंबाई 26.27 किमी की होगी। रांची में ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिलेगी, रांची से जमशेदपुर के बीच हाई स्पीड कनेक्टिविटी मिलेगी। 300.46 करोड़ की लागत से पोखरिया से गोविंदपुर तक 4 लेन सड़क का निर्माण किया जाएगा। इस सड़क के बन जाने के बाद धनबाद से जामताड़ा, देवघर, दुमका जाने में लगने वाले समय में कमी आएगी। इसकी कुल लंबाई 15 किलोमीटर होगी। 57 करोड़ की लागत से गुमला से कोलेबिरा तक सड़क का निर्माण किया जाएगा। यह राष्ट्रीय राजमार्ग झारखंड के गुमला, सिमडेगा जिला से ओडिशा राज्य के राउरकेला को जोड़ता है। जनजाति क्षेत्र के राजमार्ग में इस समाज के जीवन में सुधार होने की संभावना है। इसकी कुल लंबाई 47.07 किलोमीटर की होगी।

### पीएम बोले- देश बदला, कांग्रेस का चश्मा नहीं

**GURUGRAM :** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के गुरुग्राम से सोमवार को द्वारका एक्सप्रेसवे समेत 112 प्रोजेक्टों का उद्घाटन किया। इससे पहले उन्होंने रोड शो निकाला और द्वारका एक्सप्रेसवे का निरीक्षण किया। उनके साथ केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और हरियाणा सीएम मनोहर लाल समेत अन्य नेता मौजूद रहे। देश कहां से कहा पहुंच गया, लेकिन कांग्रेस और उनके दोस्तों का चश्मा नहीं बदला। उनके चश्मे का नंबर अभी भी वही है ऑल नेगेटिव। उनकी नींद हराम हो गई।

## सीएम चम्पाई सोरेन ने किया शुभारंभ, बोले- अब पढ़ाई के लिए नहीं करें पैसे की चिंता
# छात्रों को गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना की सौगात

**PHOTON NEWS RANCHI :** सीएम चम्पाई सोरेन ने सोमवार को झारखंड के विद्यार्थियों को बड़ी सौगात दी है। उन्होंने गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना व मानकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने रांची के क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र में नवनिर्मित 3-ऊ थिएटर का भी उद्घाटन किया। उन्होंने रांची के खेलगांव स्थित हरिवंश टाना भगत स्टेडियम में आयोजित समारोह में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सिर्फ पढ़ाई की चिंता करें। राज्य सरकार आपकी आर्थिक मदद करेगी। बेहतर शिक्षा व्यवस्था से ही बेहतर समाज और राज्य का निर्माण हो सकेगा। झारखंड के बच्चे-बच्चियों के करियर को सरकार उड़ान देगी। उन्होंने कहा कि पढ़ाई में पैसा बाधक नहीं बनेगा। आप निश्चिंत होकर पढ़ाई कीजिए। राज्य सरकार आपकी आर्थिक मदद करेगी। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि झारखंड के गरीब बच्चे-बच्चियों को पढ़ाई के लिए पैसे की चिंता करने की जरूरत नहीं है। आप अपना भविष्य संवारने की दिशा में आगे बढ़िए। राज्य सरकार आर्थिक मदद करने को तैयार है। सोमवार को सीएम ने विद्यार्थियों को गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना और मानकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना का तोहफा दिया। मुख्यमंत्री ने बच्चों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि अब आपके और आपकी पढ़ाई के बीच में आर्थिक तंगी बाधा नहीं बनेगी। राज्य सरकार आपके करियर को उड़ान देने में जुटी है।

एक लाभुक को योजना का लाभ देते सीएम चंपाई सोरेन।

### राज्य सरकार बनेगी गारंटर, मिलेगा ऋण

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि बच्चों को अब उच्च शिक्षा के लिए गिरवी रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्हें आर्थिक मदद के लिए गारंटी नहीं देनी होगी। अब राज्य सरकार ही गारंटर बनेगी। गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत विद्यार्थियों को 15 लाख रुपए तक का शिक्षा ऋण मिलेगा। इसमें आपको सरकार की ओर से कई रियायतें भी दी जाएंगी। मानकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना के तहत छात्राओं को डिप्लोमा स्तरीय कोर्स के लिए प्रतिवर्ष 15 हजार रुपए एवं बीटेक कोर्स के लिए प्रतिवर्ष 30 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। सीएम ने कहा कि गरीब बच्चों ने अपने भविष्य को लेकर जो सपना देखा है। उसे पूरा करने की दिशा में राज्य सरकार उनके साथ खड़ी है। जो बच्चे इंजीनियर, डॉक्टर और वकील आदि बनने की सोच के साथ आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन पैसे की तंगी बाधा पैदा कर रही है, तो वैसे बच्चों को सरकार आर्थिक सहयोग करेगी।

### कैबिनेट की बैठक आज

**RANCHI :** राज्य में जनजातीय भाषा अकादमी शुरू होगा। इसका प्रस्ताव तैयार किया गया है। अकादमी में जनजातीय भाषाओं की पढ़ाई की जायेगी। सरकार ने जनजातीय भाषाओं के संरक्षण और विकास को देखते हुए अकादमी शुरू करने का फैसला लिया है। इसके अलावा जनजातीय भाषाओं की पढ़ाई कराने वाले शिक्षकों का नाम उत्प्रेरक से बदल कर संथाली में माचेद् यानि मास्टर जी करने का आग्रह किया है। प्राथमिक विद्यालयों के पाठ्यक्रम में भी जनजातीय भाषा की पढ़ाई की जायेगी। 12 मार्च को कैबिनेट की बैठक में इस आशय का प्रस्ताव की स्वीकृति मिल जाये। कैबिनेट में इसके अलावा केंद्र के अनुरूप राज्य कर्मियों को 4 प्रतिशत महंगाई भत्ता देने की स्वीकृति मिल सकती है। वित्त विभाग इसका प्रस्ताव तैयार कर रहा है। एक जनवरी 2024 से इसका लाभ सभी राज्य कर्मी व पेंशनधारी व पारिवारिक पेंशनधारियों को मिल सकता है।

## झारखंड में राज्यसभा चुनाव 21 मार्च को
# डॉ सरफराज और डॉ प्रदीप ने दाखिल किया नामांकन

**PHOTON NEWS RANCHI :** 21 मार्च को होने जा रहे राज्यसभा चुनाव को लेकर सोमवार को सत्ता पक्ष और विपक्ष की ओर से चयनित उम्मीदवार नामांकन दाखिल किया। बीजेपी की ओर से डॉ. प्रदीप वर्मा ने नामांकन पत्र भरा है। वहीं, महागठबंधन की ओर से डॉ सरफराज अहमद ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। डॉ. प्रदीप वर्मा के नामांकन भरने के दौरान बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह, राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, बीजेपी के प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय समेत पार्टी के अधिकतर नेता मौजूद थे। विधानसभा के प्रभारी सचिव सह राज्यसभा चुनाव के निवार्ची पदाधिकारी सैयद जावेद हैदर के सामने दो सेट में नामांकन दाखिल की। एनडीए के सभी विधायक प्रस्तावक बने। नामांकन कर निकले डॉ सरफराज अहमद ने कहा कि मैं चंपाई सोरेन, हेमंत सोरेन सहित गठबंधन के सभी साथियों को धन्यवाद देता हूं।

# सुकून और सुंदरता

## का एक ही नाम सफेद

- विज्ञान ने भी साबित किया है कि गर्मियों में हल्के सुहाने रंग राहत और सुकून पहुंचाते हैं। और यदि तेज, चुभती धूप में कपड़ों का रंग सफेद हो तो... ये बिल्कुल जादू की तरह काम करता है। देखकर सुकून का आभास होता है।
- सफेद लिबास के साथ अवचेतन में इतनी शुभ्रता, शुचिता, सुकून के अहसास जुड़े हैं कि सफेद

गाउन में सजी कोई युवती पहली नजर में परियों-सी लगती है। हम जब भी खूबसूरती, मासूमियत और अलौकिकता की साझी कल्पना करते हैं तो दिलो-दिमाग में सफेद वस्त्रों में सजी परियां थिरक उठती हैं। बहरहाल, जिन देशों में मार्च के कदम रखते ही गर्मी भी दस्तक देने लगती है, वहां चिलचिलाती धूप और बेचैन करने वाली तपिश के दिनों में फैशन और सुकून का एक ही रंग दिखता है, सफेद।

- साल 2012 का प्रतिनिधि रंग कोई भी हो, दहलीज पर गर्मी के कदम पड़ते ही सफेद रंग की हुकूमत चारों तरफ दिखाई देने लगती है। यह महज संयोग नहीं है कि हर साल स्प्रिंग कलेक्शन यानी बसंत ऋतु में होने वाले फैशन सप्ताहों में सफेद रंग की बादशाहत दिखती है। गर्मियों में हल्का-फुल्का, ढीला-ढाला और कैजुअल कुछ भी पहन सकते हैं। चाहे बीच पार्टियां हों, चाहे किसी के जन्मदिन की पार्टी- सफेद हर जगह शानदार लगता है, गरिमामय लगता है। सफेद लिबास के साथ एक और सुविधा है। आप कई तरह की एक्सेसरीज पहन सकते हैं। बहुत कम ऐसे मौसम होते हैं जिनका कोई प्रतिनिधि रंग हो, लेकिन गर्मी का अपना प्रतिनिधि रंग है, सफेद। इन दिनों भड़कीले या बहुत धुंधले (डल) रंग न दिल को भाते हैं न आंखों को। सिर्फ अपने तन में ही नहीं, दूसरों पर भी इन दिनों सफेद रंग के कपड़े अच्छे लगते हैं।
- लड़कियों में सफेद कुर्ते, सफेद टॉप, सफेद गाउन कुछ इस तरह खिलते हैं, जैसे वाकई ये उजली-उजली परियां हों। एक फायदे की बात यह है कि आज सफेद रंग में हर तरह की एक्सेसरीज आसानी से मैच करती है।
- आप सफेद टॉप के साथ नीली जींस का क्लासिक कॉम्बिनेशन इस्तेमाल कर सकते हैं तो आमतौर पर काले को छोड़कर (...और वो भी इसलिए, क्योंकि काला रंग रोशनी को सोखता है, इसलिए इन दिनों बेचैन करता है) कोई भी रंग सफेद के साथ मैच कर जाता है यानी सफेद के साथ कॉम्बिनेशन बनाने में आपको कतई परेशान होने की जरूरत नहीं पड़ती है।
- इसकी रसायनिक विशिष्टता तो यह है कि यह आंखों का सुकून और दिल को ठंडक पहुंचाता है। यह हमारी तमाम उग्रता को ठंडा कर देता है।
- सफेद महज रंग नहीं है, यह पूरी संस्कृति है। यह एक पूरी सभ्यता है इसलिए सफेद रंग जितना चिलचिलाती गर्मी से सुकून देता है, वैसे ही बेचैन करने वाली भावनाओं के मामले में भी सुकून पहुंचाता है। यही कारण है कि दुनियाभर में बच्चों की मासूमियत को उभारने के लिए उन्हें उसके साथ जोड़कर देखने के लिए ज्यादातर स्कूलों की यूनीफॉर्म सफेद होती है।
- सफेद रंग शांति और शुद्धता का प्रतीक है। जब फिजा में आतिशी हवा के झोंके हों, कपड़े बेचैन करते हों, भला उस समय भड़कीले रंग किसे अच्छे लगते हैं यही वजह है कि पश्चिम से लेकर पूरब तक और उत्तर से लेकर दक्षिण तक गर्मियों में सफेद लिबास का जलवा दिखता है।
- डॉक्टर सफेद कोट पहनते हैं, क्योंकि वे यह बताना चाहते हैं कि यह रंग ईमानदारी, पवित्रता और ईश्वरीयता का प्रतिनिधि है।
- सफेद रंग के साथ कई फायदे हैं- भावनात्मक, कुदरती और सामाजिक भी। इसकी सामाजिकता में भी समरसता है। यही कारण है कि सफेद रंग सबको भाता है, सब पर फबता है चाहे सेलिब्रिटीज पहन लें या फिर कोई आम आदमी। सबको यह रंग आकर्षित करता और सब पर यह रंग आकर्षक लगता है। ऐसा नहीं है कि हम सफेद कपड़े कभी भी पहन सकते हैं।
- वाकई सफेद सदाबहार रंग है और इसके इतने विस्तृत आयाम हैं कि अगर आपने कई जोड़ी यानी जरूरत से ज्यादा भी इन दिनों सफेद कपड़े खरीद लिए हैं तो आपको सर्दियों के कपड़ों की तरह संदूक में साल के बाकी महीनों के लिए नहीं रखने पड़ेंगे। आप इन्हें लगातार पहन भी सकते/ सकती हैं। सफेद रंग के साथ आप अपनी चाहतों के सभी रंगों की एक्सेसरीज पहन सकती हैं। सफेद रंग कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होता है। यह हमेशा खूबसूरत और ट्रेंडी लगता है।
- गर्मियों में सफेद टी-शर्ट और टॉप के जलवे देखते ही बनते हैं। मर्लिन मुनरो आज भी चेतन-अवचेतन में अगर किसी परी की तरह कैद हैं तो उसी सफेद ड्रेस में। गर्मियों में तमाम सेलिब्रिटीज सफेद रंग में ही नजर आते हैं तो आप क्यों न नजर आएं। इसलिए अगर सीजन की खरीदारी करने के लिए निकलना है तो अपनी सूची में सफेद कपड़ों के लिए जगह बना लीजिए, आखिर इन गर्मियों में परियों की तरह जो लगना है।

**जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है, अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।**

## कैसे शुरू करें बच्चों की

# बेड टाइम ट्रेनिंग

आज की लाइफ स्टाइल पहले की लाइफ स्टाइल से बहुत अलग है। मोबाइल, टीवी, इंटरनेट ने हमारी जिंदगी में जितनी चीजें आसान बना दी है, उतना ही हम व्यस्त भी हो गए हैं। अगर आपके बच्चे का प्री-स्कूल जाने का समय आ गया है और उसका अभी भी रात में सोने का कोई निर्धारित समय नहीं है तो यह आपके लिए एक समस्या का कारण हो सकता है।

जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है। अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।

नींद पूरी न होने से बच्चे के मस्तिष्क का पूरा विकास नहीं हो पाता। क्या आप अपने बच्चे के स्कूल की शुरुआत ऐसे करना चाहेंगे? इसलिए शुरू से उसे बेड टाइम ट्रेनिंग की आदत डालनी चाहिए।

यह ठीक उसी तरह है जिस तरह हमारी मां हमें सोने से पहले अपनी लोरियां सुनाती थीं। आइए जानें कुछ ऐसी बातें जिससे हम अपने बच्चे को ट्रेंड कर सकते हैं बेड टाइम ट्रेनिंग के लिए-

1. बेड टाइम ट्रेनिंग आप 4 से 5 माह के बच्चे के साथ कर सकते हैं। शुरुआत में आपको थोड़ी समस्या जरूर होगी लेकिन बाद में यह बहुत मददगार साबित होगी। बच्चे को सुलाने से पहले आप उनकी हल्की-हल्की मालिश कीजिए। गुनगुने पानी से उनका मुंह-हाथ धोएं (स्पंज करना)।
2. उनके कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। एक समय पर कमरे की लाइट्स बंद कर दें। ऐसा करके आप उन्हें सिग्नल दे रहे हैं और बेड टाइम के लिए तैयार कर रहे हैं।
3. बच्चों को कोई गाना, सॉफ्ट म्यूजिक सुनाएं। लाइट बंद करने से पहले आप बच्चों को पिक्चर बुक्स भी दिखा सकती हैं। ऐसा करने से बच्चों को बुक्स पड़ने की आदत पड़ती है।
4. सोने से पहले भगवान का कोई सा मंत्र भी सुना सकती हैं। कुछ बच्चों को अपना मनपसंद खिलौना लेकर सोना भी अच्छा लगता है। बच्चों को सोने से पहले सॉफ्ट म्यूजिक सुनना बहुत अच्छा लगता है और उसे सुनने से उनके दिमाग का विकास भी होता है इसीलिए तो बरसों से चलता आ रहा लोरी का एक अपना ही महत्व है।
5. छोटे बच्चे (6 माह से 1 साल के बीच) रात में दूध के लिए जरूर उठते हैं। धीरे-धीरे उसका भी एक समय बनाते जाएं जिससे बच्चा और आप दोनों अच्छे से अपनी नींद पूरी कर सकें।
6. जैसे-जैसे बच्चा धीरे-धीरे बड़ा होता है, आप उसे बेड में जाने से पहले मुंह-हाथ धुलाकर ब्रश करना सिखाएं। कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। सोने से पहले उन्हें दूध जरूर दें। उन्हें उनका मनपसंद खिलौना दें।
7. उन्हें किताब से कहानी सुनाएं। शुरुआत में तो बच्चे को टाइम देना आवश्यक है, लेकिन धीरे-धीरे बच्चे को जब इस टाइम टेबल की आदत हो जाएगी तो आपके और बच्चे दोनों के लिए ही बहुत लाभदायक होगा।
8. शाम को उसे कोई हॉबी क्लास या बगीचे में घूमने के लिए ले जाएं जिससे बच्चा अपना समय टीवी और लैपटॉप में न देकर खेले-कूदे और थक जाए। ऐसा करने से उसे नींद अच्छी आएगी और जल्दी आएगी।

कोशिश करें कि धीरे-धीरे उसे अपने आप टाइम से बेड पर जाने की आदत हो जाए ताकि आप भी अपने आपको कुछ समय दे सकें।

# ऐसे करें अपने बच्चे को प्री-स्कूल भेजने की तैयारी

**अपने बच्चे को प्री-स्कूल या आंगनवाड़ी भेजना बहुत बड़ा कदम है और यह टेंशन भी पैदा करता है। यहां गाइड आपको बताएंगे कि आप क्या उमीद रखें, जब आप अपने बच्चे को पहली बार स्कूल लेकर जाएं।**

1. अपने बच्चे से प्री-स्कूल या आंगनवाड़ी के बारे में बात करें, उन्हें समझाने की कोशिश करें कि आप उसे अपने से दूर नहीं भेज रही है। उनसे उनके व्यहवार के बारे में बात करें और मूल बातें सिखाएं।
2. स्कूल के पहले दिन के लिए क्या-क्या आवश्यक है, इस बारे में पता करें- जैसे पढ़ने का समय, नाश्ते का समय आदि ताकि आप उन्हें समझा सकें कि स्कूल से वे क्या उम्मीद रखें।
3. स्कूल की जरूरत की चीजें खरीदने में मजा लाए जैसे आपके बच्चे के पसंदीदा कार्टून की पेंसिल खरिदें, अपने बजट का ध्यान रखें।
4. एक रात पहले उनसे पूछे कि स्कूल को लेकर उनके मन में क्या सवाल है?
5. उन्हें स्कूल छोडने जाएं और जब स्कूल खत्म हो तब स्कूल के बाहर उनका इंतजार करें।
6. अपने बच्चे की टीचर से हर रोज बातचीत करते रहे, उनसे समय-समय पर मिलकर बच्चे के बारे में जानकारी लें। इससे आपके बच्चे को स्कूल में नई सफलता मिलने लगेंगी। पता करें कि आप ऐसा क्या कर सकती है, जिससे आपके बच्चे और उसकी टीचर को मदद मिले।
7. अपने बच्चे से रोज पूछे कि उसने स्कूल में क्या किया? आपके बच्चे को पता होना चाहिए की स्कूल कितना जरूरी है।

**लगभग 96 प्रतिशत महिलाएं दिन में एक बार किसी-न-किसी बात पर अपराध बोध महसूस करती हैं। वो कौन-सी बातें हैं, जिनके लिए हम खुद को दोषी ठहराती हैं और क्या है इस अपराध बोध से निकलने का तरीका।**

# पछताना छोड़ें

# खुश रहना सीखें

क्या दिन में कम-से-कम एक बार आप इस बात का अफसोस जताती हैं कि मेरा वजन जरूर बढ़ गया है या फिर आज फिर से घर की सफाई को अधूरा छोड़कर मैं ऑफिस आ गई। अगर इन सब सवालों का जवाब हां में है, तो घबराएं नहीं। अधिकांश महिलाओं का यह स्वभाव होता है। पर परेशानी की बात यह है कि हर चीज के लिए खुद को दोषी ठहराने की हमारी आदत धीरे-धीरे हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित होती जाती है। हर बिगड़े हुए काम के लिए खुद को लगातार दोषी ठहराने की आपकी यह आदत आपको अवसाद के घेरे में भी ले सकती है। बेहतर तो यह होगा कि इन अवसादों से उबरने का तरीका आप सीख लें।

### बच्चों के साथ वक्त नहीं बिता पाती

अधिकांश काम-काजी मां का यह मानना होता है कि वे ऑफिस की अपनी जिम्मेदारियों और बच्चों की जिम्मेदारी के बीच सही संतुलन नहीं बना पाई हैं। पर सवाल यह है कि ऑफिस में रहकर बच्चों को वक्त न दे पाने का अफसोस जताने से न तो बच्चों के साथ आप वक्त बिता पा रही हैं और न ही ऑफिस की जिम्मेदारियों को पूरा करने में आप अपना 100 प्रतिशत दे पाएंगी। इस समस्या का एकमात्र हल यह है कि आप जो भी काम वर्तमान में कर रही हैं, उसे अपना 100 प्रतिशत दें। अगर ऑफिस में हैं तो वहां की जिम्मेदारियां पूरी तन्मयता से पूरी करें और अगर घर पर हैं तो बच्चों को पूरा वक्त दें।

### वजन कम ही नहीं कर पा रही

70 प्रतिशत से ज्यादा महिलाएं कभी-न-कभी डाइटिंग करती हैं, बावजूद इसके कि उन्हें वजन कम करने की जरूरत हो या नहीं। अगर आप वाकई स्लिम और खूबसूरत दिखना चाहती हैं तो इस दिशा में आपको गंभीर प्रयास करना होगा। नियमित एक्सरसाइज करें या फिर जिम जाने के लिए वक्त निकालें। साथ ही इस बात को स्वीकारें कि वजन कम करना या फिर बढ़ाना आप पर पूरी तरह से निर्भर करता है, इसलिए खुद को दोष देने की जगह इस दिशा में प्रयास करें।

### शॉपिंग में कुछ ज्यादा ही पैसे खर्च कर दिए

हर महिला को शॉपिंग करने में मजा आता है, पर कई लोग ढेर सारे शॉपिंग बैग के साथ घर लौटने के बाद अपराध बोध से ग्रस्त हो जाते हैं। पर आपको यह समझना होगा कि जब परिवार के अन्य सदस्यों पर खर्च करने से आपको किसी तरह का अपराध बोध नहीं होता, तो फिर खुद पर खर्च करने के बाद पछतावा क्यों? दूसरी बात यह भी है कि अगर आप शॉपिंग के दौरान खरीदे गए सामानों पर गौर करेंगी, तो पाएंगी कि आप सिर्फ उन्हीं चीजों पर खर्च कर रही हैं, जिसकी आपको वाकई जरूरत है।

### कभी टाइम पर नहीं पहुंच पाती

कभी-कभार, स्थिति ऐसी पैदा हो जाती है कि लाख कोशिशों के बावजूद हम वक्त पर नहीं पहुंच पाते हैं। कभी-कभी हमारी इमेज ही लेट-लतीफ वाली बन जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि हम अपराधबोध से ग्रस्त हो जाती हैं। ऑटो या बस में बैठकर और जाम में घंटों फंसे रहकर इस बात का अफसोस करने से कोई फायदा नहीं है कि आप लेट पहुंचने वाली हैं। कभी-कभार अपनी गलती के बिना भी आप किसी मीटिंग में देर से पहुंच सकती हैं। ऐसी घटनाओं के लिए खुद को दोष देना बंद करें।

### खुद के लिए वक्त नहीं मिलता

सुपर वुमेन बनने की चाहत या मजबूरी के चलते महिलाओं को अक्सर खुद के लिए ही वक्त नहीं मिलता। फिर धीरे-धीरे शुरू होता है इस बात का अफसोस कि अपनी मनपसंद किताब पढ़े सालों बीत गए या फिर पार्लर जाने के लिए वक्त ही नहीं मिलता। पर आपको इस बात को समझना होगा कि कभी-कभार कुछ ना करना भी जरूरी है ताकि आप शारीरिक और मानसिक रूप से ऊर्जावान बन सकें।

### महिला का शव मिला, जमीन का चल रहा था विवाद

# परिजनों का आरोप - दूसरे पक्ष के लोगों ने की हत्या

यूचना के बाद घटनास्थल पर जुटी लोगों की भीड़।

CRIME REPORTER RANCHI : मांडर थाना के टांगरबसली पंचायत अंतर्गत परयागो गांव में एक महिला की हत्या गला दबाकर कर दी गई। घटना सोमवार सुबह लगभग पांच बजे की है। मृतक का नाम दुलारी देवी (40) है। वह परयागो गांव की ही रहने वाली थी। दुलारी के परिजनों के अनुसार अन्य दिनों की तरह उसकी मां सुबह लगभग पांच बजे घर से बाहर निकली हुई थी। इसके कुछ देर बाद गांव वालों ने परिजनों को सूचना दी कि घर से थोड़ी दूर स्थित सड़क किनारे दुलारी देवी मरी हुई हालत में पड़ी है। सूचना मिलने पर मांडर पुलिस गांव पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। परिजनों ने बताया कि उनका गांव के गोतिया के साथ 12 एकड़ की जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। कोर्ट से कुछ ही दिनों के अंदर जमीन को लेकर फैसला आना बाकी था। उन्हें आशंका है कि जमीन विवाद में दूसरे पक्ष के लोगों ने ही उनकी हत्या गला दबाकर कर दी है। दुलारी देवी पूर्व में डीलर रह चुकी है। वह स्वयं सहायता महिला समूह से जुड़ी हुई थी, पर 4 साल पहले किसी कारण बस उसे उस समूह से निकाल दिया गया था। जिसकी जांच अभी तक चल रही है। इसके बाद वह अपने पति के साथ घर के निकट ही होटल व्यवसाय से जुड़ गई थी, उसके चार बच्चे भी हैं।

## युवक ने पेड़ से लटक कर की खुदकुशी

RANCHI : डोरंडा थाना क्षेत्र के मेकॉन सैटेलाइट पुल के पास एक युवक ने सोमवार को पेड़ से रस्सी के सहारे लटक कर खुदकुशी कर ली । मृतक की पहचान चंदू कुमार झा के रूप में हुई है। वह मूल रूप से बिहार के मधेपुरा का रहने वाला है। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को स्थानीय लोगों ने पुल के पास एक पेड़ पर युवक का शव लटकता देखा। इसके बाद पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों की सहयोग से युवक के शव को पेड़ से नीचे उतारा। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। थाना प्रभारी आनंद किशोर प्रसाद ने बताया कि युवक के पास से मिले पहचान पत्र के आधार पर युवक की शिनाख़्त हुई है।

### हाईकोर्ट ने पूछा- गर्मी में पेयजल की समस्या से कैसे लड़ेंगे

# जल स्रोतों में पानी संरक्षित रखने के लिए क्या है प्लान?

- कोर्ट ने पूछा- निगम और सरकार क्या योजनाएं बना रही है
- निगम ने बताया- भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग के लिए नियम बनाए गए हैं
- कोर्ट ने मामले के अगली सुनवाई 3 अप्रैल निर्धारित

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के जलस्त्रोतों के अतिक्रमण एवं रांची शहर के बड़ा तालाब की साफ-सफाई को लेकर कोर्ट के स्वतः संज्ञान की सुनवाई झारखंड हाइकोर्ट में सोमवार को हुई। मामले में हाइकोर्ट के न्यायमूर्ति रंगन मुखोपाध्याय की कोर्ट ने अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने राज्य सरकार और रांची नगर निगम से पूछा है कि गर्मी में पेयजल की समस्या से कैसे लड़ेंगे? भविष्य में रांची में पेयजल का संकट ना आए इसके लिए निगम और सरकार क्या योजनाएं बना रही है। शहर के जल स्त्रोतों में पानी संरक्षित रखने के लिए सरकार और निगम का क्या प्लान है? कोर्ट ने मामले के अगली सुनवाई 3 अप्रैल निर्धारित की है।

सुनवाई के दौरान रांची नगर निगम की ओर से बताया गया कि निगम ने भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग के लिए नियम बनाए गए हैं। इसका पालन नहीं करने वाले भवन मालिको एवं अपार्टमेंट के निवासियों से डेढ़ गुना अतिरिक्त होल्डिंग टैक्स वसूला जा रहा है। तीन-चार माह में राजधानी के कांके डैम, हटिया डैम एवं गेतलसूद डैम का झारखंड स्टेट स्पेस एप्लीकेशन सेंटर के माध्यम से सेटेलाइट मैपिंग किया जाएगा। ताकि इन तीन डैम का जल स्रोत, कैचमेंट एरिया, डैम के आसपास के अतिक्रमण आदि की जानकारी हो सके। कोर्ट ने मौखिक कहा कि भविष्य में रांची में पेयजल की संकट ना हो इसे लेकर राज्य सरकार और रांची नगर निगम अपना सुझाव दें। कोर्ट ने यह भी कहा कि एमिकस क्यूरी ने भी रांची में पेयजल संरक्षित रखने के लिए कई सुझाव दिए हैं उसपर राज्य सरकार एवं रांची नगर निगम ने कितना अमल किया गया, इसकी भी जानकारी दी जाए।

## अवैध रूप से संचालित मीट शॉप पर रोक लगाएं डीसी व एसपी, लाइसेंस नहीं रखने वालों पर करें कार्रवाई

RANCHI : राजधानी सहित राज्य में मीट शॉप विक्रेताओं द्वारा दुकान के बाहर कटे हुए बकरा एवं मुर्गियों को खुले में प्रदर्शित किए जाने के खिलाफ दायर जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई। मामले में हाई कोर्ट के जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने अंतरिम आदेश पारित कर रांची एवं झारखंड के अन्य जिलों के उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों को अवैध रूप से मीट शॉप चलने वाले दुकानों पर रोक लगाने का निर्देश दिया। इसके अलावा, रांची नगर निगम और राज्य सरकार से पूछा गया कि मांस की दुकानों में जानवरों के शवों को काले शीशे के दरवाजे और पर्दे से ढके जाने पर जो रेगुलेशन है उसे लागू करने के लिए क्या कार्रवाई की गयी है। कोर्ट ने राज्य के जिलों के डीसी एवं एसपी को निर्देश दिया है कि वह मीट शॉप विक्रेताओं के खिलाफ दो सप्ताह में जांच अभियान चलाएं, यह सुनिश्चित करें कि उनके पास लाइसेंस है या नहीं।जिन मीट शॉप विक्रेताओं के पास लाइसेंस नहीं है उनके खिलाफ कार्रवाई करें। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता शुभम कटारुका ने पक्ष रखा। अगली सुनवाई 3 अप्रैल को होगी। प्रार्थी श्यामानंद पांडे की ओर से दायर जनहित याचिका में कहा गया है की रांची शहर सहित राज्य में मीट विक्रेता बाहर खुले में कटे हुए बकरा एवं मुर्गियों को प्रदर्शित करते हैं, यह एफआईसीसीआई के रूल एंड रेगुलेशन के खिलाफ है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट एवं विभिन्न हाई कोर्ट के गाइडलाइन के विपरीत है। इसलिए इसे रोका जाना चाहिए।

## BRIEF NEWS

### मां इंद्रा महिला समिति ने मनाया महिला दिवस

ROURKELA : शहर के मां इंद्रा महिला समिति द्वारा सोमवार को महिला दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में चिन्मय स्कूल की प्राचार्य सर्मिष्ठा कवि शतपति, सम्मानित अतिथि के रूप में संगीतकार आशालता षडंगी, डॉ. एस शतपती, डॉ. कृष्णा पटेल थीं। समिति की ओर से उन्हें पुष्प गुच्छ से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में ममता साहू, प्रणति परिदा, जया माली को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि शर्मिष्ठा कवि ने कहा कि महिलाएं समाज की दिगदर्शक हैं। वे चाहें तो समाज को दिशा दे सकते हैं, और समाज में बदलाव ला सकते हैं। आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं, चाहे वह राजनीतिक, सामाजिक या अन्य कोई क्षेत्र हो। इस अवसर पर बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। संजूलता दास, संध्यारानी परमानिक, कमला बहादुर, मानसी खडोई, सीता गौड़, जलेश्वरी समासी, पुनम समासी, रीना बाग, मीना मिश्रा, सविता बेहरा, लक्ष्मी और पुष्पा लेंका मौजूद थी।

### राउरकेला में नई परियोजनाओं का उद्घाटन

ROURKELA : ओडिशा सरकार के श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक ने सोमवार को कोयल नगर बी ब्लॉक में गीता आश्रम एवं दुर्गा पूजा पंडाल के जीर्णोद्धार हेतु 4.5 लाख बागुड़ी शरना टोला में ट्राइबल हेरिटेज रिसोर्स सेंटर हेतु विशेष विकास परिषद निधि से 10 लाख रुपये और छेंद कॉलोनी में धामरा संघ कार्यालय के लिए एक नए भवन के निर्माण के लिए 10 लाख रुपये और सड़क चौड़ीकरण के लिए 10 लाख रुपये की परियोजना कार्य का उद्घाटन हुआ। सारा काम आईटीडीए, बिश्रा ब्लॉक और आरएमसी के माध्यम से कराया जाएगा। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्षा रश्मीबाला मिश्रा, जिला अध्यक्ष हालू मुंडारी, जिला प्रवक्ता जयंत कुमार मिश्रा, भगवान राउत, अक्षय दास, नाराण प्रधान, रमेश मोहंती, सुदर्शन मिश्रा, युवनेता रंजन नायक, काबुली प्रतिहारी, अक्षय जेना, भरत मुंडारी, मोहन मुंडारी, सूरज मुंडारी, लिटू पुहान, अनुप सामल, विवेक जेना, सुबाष पांडा, राधा मुंडारी, केशवती मुंडारी, सुमित्रा मुंडारी, चंद्र सिंह, जन्मेजय पसायत, लक्ष्मी रथ, सुषमा मिश्रा, कविता रथ , अजय दास, मृत्युंजय कारा, संगीता मिश्रा प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

### राउरकेला में मतदान अधिकारियों का हुआ प्रशिक्षण

ROURKELA : आगामी आम चुनाव के लिए मतदान प्रक्रिया को सरल और त्रुटि मुक्त बनाने के लिए, जिला प्रशासन ने जिले में मतदान अधिकारियों का प्रशिक्षण आज से शुरू कर दिया है। राउरकेला, बीरमित्रपुर और रघुनाथपल्ली निर्वाचन क्षेत्रों के मतदान अधिकारियों को राउरकेला में मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। सरकारी स्वायत्त कॉलेज, एसके डीएवी पॉली टेक्निकल कॉलेज और म्यूनिसिपल कॉलेज प्रशिक्षण में लगभग 1500 मतदान अधिकारी को प्रशिक्षित किया गया।मतदान के समय ईभीएम भीभीपाट के इस्तेमाल पर मतदान अधिकारियों को महत्वपूर्ण कार्यों के बारे में जानकारी दी गई। राउरकेला के अतिरिक्त जिलापाल और महानगर निगम आयुक्त आशुतोष कुलकर्णी और पानपोस के उप जिलापाल विजय नायक ने प्रशिक्षण केंद्र का दौरा किया और प्रशिक्षण कार्य का निरीक्षण किया।

### सेक्टर 15 में कंक्रीट सड़क कार्य का उद्घाटन

ROURKELA : शहर के सेक्टर 15 क्षेत्र में लंबे समय से मांग कर रही तीन सड़कों के लिए विधायक निधि से 5 लाख रुपये उपलब्ध कराए गए हैं। सोमवार सुबह इस कार्य का शिलान्यास विधायक सुब्रत तराई के हाथों हुआ। इसके लिए इस्पात यूथ अल्पसंख्यक वर्ग की ओर से विधायक का आभार व्यक्त किया गया।

### जमशेदपुर से दौड़ते हुए अयोध्या निकले लौहनगरी के तीन युवा धावक, श्वान भी साथ चला

JAMSHEDPUR : अयोध्या में बने भव्य श्रीराम मंदिर का दर्शन करने के लिए लौहनगरी के 3 युवा धावक सोमवार को निकले। ये दौड़ते हुए 820 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। इनका उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित यूपी सरकार के प्रति आभार जताना और देशभर के युवाओं को खेल के प्रति जागरूक करना भी है। इसी उद्देश्य के साथ तीनों युवा धावक दौड़कर 820 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करेंगे। पारडीह काली मंदिर से युवकों के साथ एक श्वान भी साथ चल दिया है। युवा धावक सन्नी तिवारी, विशाल तिवारी और अमन कुमार सिंह के इस जागरूकता दौड़ में उनके तीन मित्र क्रमशः अनुराग कुमार, पीयूष सोनी और मनीष कुमार झा सहयोगी की भूमिका में पूरी यात्रा में साथ चलेंगे। इसके लिए सनातन उत्सव समिति के सौजन्य से यात्रा के लिए एक कार उपलब्ध कराई गई है, जिसमें भोजन, कपड़े, दवा सहित अन्य जरूरी सामान साथ होंगे। सोमवार सुबह आठ बजे साकची के बसंत सेंट्रल (टॉकीज) स्थित हनुमान मंदिर में पूजा के उपरांत सनातन उत्सव समिति के संस्थापक चिंटू सिंह, वीर सिंह, अंकित आनंद एवं अन्य सदस्यों ने युवा धावकों पर पुष्प वर्षा कर उनका उत्साहवर्धन करते हुए यात्रा के लिए रवाना किया गया। यह यात्रा संभवतः 26 से 27 मार्च तक अयोध्या पहुंचकर संपन्न होगी।

### बुजर्गों के लिए वोट फ्रॉम होम की मांग

JAMSHEDPUR : लोकसभा चुनाव की घोषणा होने ही वाली है। ऐसे में झारखंड मानवाधिकार संगठन (जेएचआरसी) ने मतदाताओं को जागरूक करने का निर्णय लिया है। इस विषय पर बागुननगर मे सोमवार को बैठक की गई, जिसमें केंद्रीय अध्यक्ष मनोज मिश्रा ने निर्वाचन आयोग से मांग की कि इस बार के चुनाव मे बुजुर्गो एवं दिव्यांगो के लिए वोट फ्रॉम होम की व्यवस्था होनी चाहिए। इसके लिए आयोग को अभी से तैयारी करनी चाहिए, जिससे बुजुर्ग एवं दिव्यांग को अपने घरों से वोट देने की सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि चुनाव में एक-एक वोट अनमोल होता है। मतदाताओं को अपने जनप्रतिनिधियों से क्षेत्र के विकास के मुद्दे पर सवाल करना चाहिए। शिक्षा, स्वास्थ्य एवं बेरोजगारी जैसे मुद्दे को आधार मान कर ही मतदान किया जाना चाहिए। बैठक में किशोर वर्मा एवं सलावत महतो ने कहा कि झारखंड मे शिक्षा एवं स्वास्थ्य की स्थिति अत्यंत दयनीय है। रेणु सिंह ने कहा कि बेरोजगारी को नारा बना कर युवाओं को ठगा जा रहा है। बैठक में डीएन शर्मा, निखिल झा, शंकर दत्ता, मंजू शर्मा आदि भी उपस्थित थे।

### इंडियन पावर लिफ्टिंग फेडरेशन के अध्यक्ष चुने गए सत्यप्रकाश मसीह, महासचिव बने कौस्तुभ दत्ता

JAMSHEDPUR : इंडियन पावर लिफ्टिंग फेडरेशन की वार्षिक आमसभा सोमवार को बिष्टुपुर स्थित मिलानी प्रेक्षागृह में हुई, जिसमें अध्यक्ष सत्यप्रकाश मसीह व महासचिव कौस्तुभ दत्ता चुने गए। सत्र 2024 से 2028 की कार्यकारिणी समिति में संरक्षक राजेश कुमार शुक्ला, उपाध्यक्ष अनवर हुसैन, माणिक तोसरे, एस भगवती, संयुक्त सचिव राहुल शुक्ला, संपा गुहा, कोषाध्यक्ष निश्चल खेरकेड, जोनल सचिव-पश्चिम दीपाली कुलकर्णी, जोनल सचिव-दक्षिण एम रमेश पालरिया, जोनल सचिव-उत्तर धीरेंद्र सिंह व जोनल सचिव-पूर्व के. गुप्ता चुने गए। सभा में विभिन्न राज्यों से ललित कुंअर, एमडी राजा, संगीता सिंह, रूप सिंह, श्याम सिंह राणा, जेडी राणा, राजेंद्र पाटिल, दीपायन दास, राणा हर्षवीर आदि उपस्थित थे। सभा की शुरूआत भारत माता व पूर्व अध्यक्ष सह अर्जुन अवार्डी सुब्रत दत्ता के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। सभा का संचालन राजेश कुमार शुक्ला व धन्यवाद ज्ञापन सत्य प्रकाश मसीह ने किया।

# रांची एयरपोर्ट कंट्रोलर की हत्या मामले में दोषी अमन चंद्र को 10 साल की कैद

### ₹25000 जुर्माना भी, कार बैक करने के मामूली विवाद में हुई थी हत्या

CRIME REPORTER RANCHI : रांची एयरपोर्ट कंट्रोलर सोनू मरांडी की हत्या मामले में अपर न्यायायुक्त एमसी झा की कोर्ट ने दोषी करार अमन चंद्र को 10 साल कैद की सजा सुनाई है। साथी उसे पर 25000 रुपए का जुमार्ना भी लगाया है, जुर्माना की राशि अदा नहीं करने पर उसे 1 साल की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। दरअसल, कार बैक करने की मामूली विवाद में रांची एयरपोर्ट कंट्रोलर सोनू मरांडी की हत्या कर दी गई थी। हत्या किया घटना 28 मई 2022 की है, जब सोनू मरांडी अपनी कार से घर लौट रहा था। उसी दौरान चार पहिया वाहन सवार हजारीबाग निवासी अमन चंद्र की कार से उसका आमना सामना हो गया था। इसी दौरान कार बैक करने को लेकर दोनो के बीच जमकर विवाद हुआ। आरोपी ने गाली गलौज करते हुए सोनू मरांडी को लात घूंसो से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था और वहां से फरार हो गया था। रांची एयरपोर्ट के बीच सड़क पर अचेत पड़े सोनू मरांडी के परिजन सूचना पाकर वहां पहुंचे और घायल अवस्था में उसे अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां इलाज के दौरान 31 मई 2022 को सोनू मरांडी की मौत हो गई थी। रांची एयरपोर्ट थाना की पुलिस 3 जून 2022 को आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।मामले में पहले मारपीट का केस दर्ज हुआ था। लेकिन सोनू मरांडी की मौत के बाद हत्या का प्राथमिकी दर्ज हुई थी।

# कोर्ट की सुरक्षा-व्यवस्था करें चाक-चौबंद खामियों को जल्द से जल्द करें दूर : डीजीपी

वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक करते डीजीपी।

CRIME REPORTER RANCHI : कोर्ट की सुरक्षा-व्यवस्था की खामियों को तुरंत करने का डीजीपी अजय कुमार सिंह ने निर्देश दिया है। डीजीपी ने सोमवार को यह बात समीक्षा बैठक के दौरान कही। झारखंड पुलिस मुख्यालय में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के सभी न्यायालय परिसरों, न्यायाधीशों और उनके आवासीय कॉलोनियों की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए समीक्षा बैठक की गयी। बैठक में डीजीपी ने सभी जोनल आईजी, रेंज के डीआईजी, एसएसपी, एसपी से उनके क्षेत्राधीन न्यायालय परिसर, माननीय न्यायाधीशों और उनके आवासीय कॉलोनियों की सुरक्षा बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा की। साथ ही सुरक्षा-व्यवस्था की खामियों को अविलम्ब दूर करने का निर्देश दिया। समीक्षा के क्रम में डीजीपी झारखंड ने न्यायालय परिसरों, न्यायाधीशों और उनके आवासीय परिसरों, कॉलोनियों में प्रतिनियुक्त पदाधिकारी और बलों की वरीय पुलिस पदाधिकारियों द्वारा लगातार औचक निरीक्षण करने और पाए गए त्रुटियों का तत्काल निवारण करने का निर्देश दिया। साथ ही प्रतिनियुक्त पदाधिकारी व बलों को कर्तव्य पर मुस्तैद रहने के लिए उनके प्रशिक्षण, ड्यूटी से पूर्व ब्रीफिंग और लगातार मॉनिटरिंग करते रहने पर जोर दिया गया।

# चेक बाउंस मामले में अमीषा ने दी ₹20 लाख की पहली किस्त

CRIME REPORTER RANCHI : फिल्म अभिनेत्री अमीषा पटेल से जुड़े चेक बाउंस मामले में सोमवार को शिकायतकर्ता अजय कुमार सिंह को प्रथम किस्त की राशि 20 लाख रुपए आरटीजीएस के माध्यम से अकाउंट में जमा करवा दी गयी है। इससे पूर्व नौ मार्च को सिविल कोर्ट में लगी राष्ट्रीय लोक अदालत में अमीषा पटेल एवं शिकायतकर्ता के बीच दो करोड़ 75 लाख रुपए में सहमति बनी थी। इसमें पांच किस्तों में पूरी राशि लौटाने है । किस्त की पहली राशि सोमवार को शिकायतकर्ता को मिल गई। चेक बाउंस की पूरी राशि शिकायतकर्ता के खाते में आने के बाद ही केस बंद होगा। इससे पूर्व झालसा के कार्यपालक अध्यक्ष सह हाई कोर्ट के जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद ने भी शिकायतकर्ता और अभिनेत्री अमीषा पटेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बात की थी । दोनों पक्षों के बीच दो करोड़ 75 लाख देने का समझौता हुआ है।

# रांची विश्वविद्यालय की लापरवाही के कारण 75% से अधिक छात्र-छात्राएं यूजी सेम-4 की परीक्षा में फेल : अभिषेक शुक्ला

PHOTON NEWS RANCHI : रांची विश्वविद्यालय के अध्यक्ष अभिषेक शुक्ला एवं विशाल कुमार के नेतृत्व में सोमवार का अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) के सदस्य ने छात्र-छात्राओं की समस्याओं को लेकर रांची विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में तालाबंदी की। 6 घंटे की तालाबंदी में जमकर हंगामा हुआ। विवि प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई।

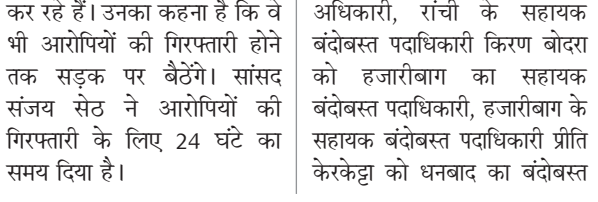

अभिषेक शुक्ला ने कहा कि हाल में यूजी सेमेस्टर 4 परीक्षा फल प्रकाशित किया गया था, जिसमें रांची विवि के सभी कॉलेजों के लगभग 75% से अधिक छात्र-छात्राओं को फेल या प्रमोट किया गया है। राम लखन सिंह यादव महाविद्यालय में गणित के कुल 54 छात्र छात्राओं में से 40 छात्र छात्राओं को फेल या प्रमोट किया गया है। डोरंडा महाविद्यालय में रसायन शास्त्र के 25 छात्र-छात्राओं में से 15 छात्र छात्राओं को फेल या प्रमोट किया गया है। गणित में कुल 72 छात्र-छात्राओं में से 56 छात्र छात्राओं को फेल या प्रमोट किया गया है फिजिक्स में कुल 48 छात्र छात्राओं में से 40 छात्र छात्राओं को फेल या प्रमोट किया गया है जूलॉजी में 46 छात्र-छात्राओं में से 42 छात्र-छात्राओं को फेल या प्रमोट किया गया है। एसएस मेमोरियल महाविद्यालय में गणित के कुल 60 छात्र छात्राओं में से 50 छात्र छात्राओं को फेल या प्रमोट किया गया है।

### बुढ़मू थाना क्षेत्र के उमेडंडा में तीन मंदिरों में मूर्तियों को किया खंडित

# रांची में असामाजिक तत्वों ने फिर की मंदिरों में तोड़फोड़, ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

CRIME REPORTER RANCHI : रांची जिले के बुढ़मू थाना क्षेत्र के उमेडंडा में रविवार रात असामाजिक तत्वों ने तीन मंदिरों में तोड़फोड़ कर मूर्तियों को खंडित कर दिया। उमेडंडा स्थित प्रसिद्ध प्राचीन आस्था एवं भक्ति स्थल पर जब सोमवार सुबह श्रद्धालु मंदिर में पूजा करने पहुंचे तब देखा कि शिव मंदिर का शिवलिंग, नंदी, बंजरग बली की मूर्ति एवं भगवती मंदिर में पिंडी एवं भगवती त्रिशुल को अज्ञात अपराधियों ने खंडित कर दिया है। ये जानकारी आस-पास के इलाके में आग की तरह फैल गयी। इसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए बुढ़मू छापर मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद डीएसपी राम नारायण चौधरी, बुढ़मू पुलिस मौके पर पहुंची और वास्तुस्थिति का जायजा लिया। फिलहाल पुलिस पूरी स्थिति पर नजर बनायी हुई है। सूचना मिलने के बाद सांसद संजय सेठ, विधायक समरीलाल व अन्य जनप्रतिनिधि भी मौके पर पहुंचे।

**गिरफ्तारी की मांग पर अडिग :** ग्रामीण घटना में संलिप्त सभी आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग पर अडिग हैं और आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद ही जाम समाप्त करने की बात कर रहे हैं। तो वहीं सांसद संजय सेठ और विधायक समरीलाल भी ग्रामीणों की इस मांग का समर्थन कर रहे हैं। उनका कहना है कि वे भी आरोपियों की गिरफ्तारी होने तक सड़क पर बैठेंगे। सांसद संजय सेठ ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 24 घंटे का समय दिया है।

# झारखंड प्रशासनिक सेवा के 11 अधिकारियों का तबादला

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य सरकार ने झारखंड प्रशासनिक सेवा के 11 अधिकारियों के तबादले किए हैं। इस संबंध में राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग ने सोमवार को अधिसूचना जारी की है। जारी अधिसूचना के अनुसार गुमला जिले के बिशनपुर की अंचल अधिकारी दिनेश कुमार गुप्ता को स्थानांतरित करते हुए गढ़वा जिले के चिनिया का अंचल अधिकारी बनाया गया है। गढ़वा के चिनिया के अंचल अधिकारी शेखर वर्मा को गुमला के बिशुनपुर का अंचल अधिकारी, रांची के सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी किरण बोदरा को हजारीबाग का सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी, हजारीबाग के सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी प्रीति केरकेट्टा को धनबाद का बंदोबस्त पदाधिकारी बनाया गया है। इसी प्रकार अमृता खाखा को रांची का सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी, शादा नुसरत को हजारीबाग का बंदोबस्त पदाधिकारी, निर्मल सोरेन को धनबाद का सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी, राजेश कुमार को पलामू का सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी, मिथिलेश कुमार चौधरी को दुमका का सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी, मोजाहिद अंसारी को जमशेदपुर का सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी, मधु श्री मिश्रा को लोहरदगा के कुडू का अंचल अधिकारी बनाया गया है। जारी अधिसूचना में कहा गया है कि वैसे पदाधिकारी जिनके स्थान पर किसी अन्य का पदस्थापन हो गया है और उनका पदस्थापना कहीं नहीं किया गया है वह विभाग में योगदान देना सुनिश्चित करेंगे।

# आरा में एक साल पहले चोरी हुआ बच्चा भी बरामद



**भोजपुर।** पुलिस ने बच्चा चुराकर निःसंतानों को बेचने वाले गैंग का खुलासा किया है। साथ ही पुलिस ने दो बच्चों को भी बरामद किया है। बरामद बच्चों में जगदीशपुर नगर पंचायत के वार्ड नंबर 15 के जागा के पीपल मुहल्ला के पास से गायब 4 साल की अर्पिता और बिहिया से एक साल पहले चोरी हुआ 3 साल का अंकुश कुमार है। इसके अलावा गैंग की लीडर पूजा देवी समेत पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी पूजा ने बीते बुधवार को चोरी हुई बच्ची को डेढ़ लाख रुपए में बेचा था। इसके अलावा गैंग की लीडर पूजा देवी समेत पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी पूजा ने बीते बुधवार को चोरी हुई बच्ची को डेढ़ लाख रुपए में बेचा था। इसके अलावा गैंग की लीडर पूजा देवी समेत पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी पूजा ने बीते बुधवार को चोरी हुई बच्ची को डेढ़ लाख रुपए में बेचा था। एसडीपीओ ने बताया कि आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण सभी पैसे के लालच में बच्चा चुराने का काम करते थे। गैंग की मास्टरमाइंड पूजा देवी है। जगदीशपुर एसडीपीओ राजीव चंद्र सिंह ने बताया कि बीते बुधवार को अंतिम पांडे की 4 साल की बेटी अर्पित पांडे उर्फ मौसी गायब हुई थी। जिसके बाद परिजनों ने स्थानीय थाना में लापता होने का आवेदन दिया था। इसके बाद डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई थी। जिसने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच करते हुए जगदीशपुर के मीट मार्केट वार्ड नंबर 16 निवासी सुरेंद्र यादव की पत्नी पूजा देवी, शिवधारी गोंड की पत्नी पूनम देवी, शाहपुर थाना के बरीसवन गांव निवासी संतोष गोंड की पत्नी पचरत्न देवी, वार्ड नंबर 15 निवासी शिवधारी गोंड और ऑटो चालक अजय केसरी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों की निशानदेही पर अर्पिता की सकुशल बरामद हो सकी। पूजा देवी ने अर्पिता को चुराकर निसंतान पंचरत्न देवी को डेढ़ लाख रुपए में बेचा था। सभी की गिरफ्तारी के बाद एक साल पूर्व बिहिया से गायब हुए दूसरे बच्चे अंकुश को पुलिस ने बरामद कर लिया है। आरोपियों की निशानदेही पर अर्पिता की सकुशल बरामद हो सकी। पूजा देवी ने अर्पिता को चुराकर निसंतान पंचरत्न देवी को डेढ़ लाख रुपए में बेचा था। सभी की गिरफ्तारी के बाद एक साल पूर्व बिहिया से गायब हुए दूसरे बच्चे अंकुश को पुलिस ने बरामद कर लिया है। बढ़िया के जज बाजार स्थित सूर्य मंदिर से एक साल पहले बच्चा चोरी के मामले में पुलिस ने पूजा देवी और खरीदार बनाया है।

## संक्षिप्त डायरी

### जदयू जिलाध्यक्ष के बेटे को गोली मारी मोबाइल छीनने से रोकने पर अपराधियों ने दिया घटना को अंजाम



**मधेपुरा।** अपराधियों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी (जदयू) के नेता के बेटे को गोली मारकर घायल कर दिया। घटना गम्हरिया थाना क्षेत्र के इटवा जीवछपुर गांव की है। घायल युवक का इलाज जननायक कपूर्री ठाकुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और छानबीन में जुट गई। बताया जा रहा है कि गम्हरिया थाना क्षेत्र के इटवा गांव वार्ड-3 निवासी व जनता दल यूनाईटेड के जिला उपाध्यक्ष करमलाल मेहता के बेटे दीपक कुमार (23) के ऊपर गोली चलाई गई है। परिजनों ने बताया कि रविवार की देर रात दीपक घर से पश्चिम नहर की ओर मोबाइल से बात करते हुए जा रहा था। नहर के समीप पहुंचते ही पीछे से दो बाइक पर सवार चार की संख्या में अज्ञात अपराधियों के द्वारा मोबाइल छीनने का प्रयास किया गया। छिनतई विरोध करने पर अपराधियों ने पीछे से गोली मार दी। गोली युवक के जांघ और कमर के बीच में लगी है। गोली लगने से युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे, जहां से जख्मी को इलाज के लिए मधेपुरा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। गम्हरिया थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि युवक को अपराधियों ने गोली मार दी है। घायल युवक का मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

### 500 रुपए में 5 घंटे तक नारे लगवाइए



**बिहार।** भीड़ पर पॉलिटिक्स हो रही है। बड़ी-बड़ी पार्टियां भीड़ से जनाधार का दावा कर रही हैं। ट्रैफिक जाम और खाली कुर्सियां भीड़ का पैमाना बन गई हैं। भीड़ को लेकर चल रहे पॉलिटिकल वार के बीच दैनिक भास्कर की पड़ताल में बड़ा खुलासा हुआ है। रैली और सभा में भीड़ का गणित चौंकाने वाला है। एक हजार रुपए में बाइकर्स और 3 हजार रुपए में कार वाली भीड़ 5 घंटे तक जिंदाबाद का नारा लगाती है। इतना ही नहीं सभा में किसानों और गरीबों की भीड़ के लिए 500 रुपए प्रति व्यक्ति के हिसाब से 5 घंटे वाली भीड़ मिल जाती है।बिहार में एनडीए और महागठबंधन की रैली हुई। दोनों दलों की पार्टियां एक दूसरे पर भीड़ को लेकर वार करने लगीं। कहीं कुर्सी खाली होने का हवाला देकर सभा को फेल होना बताया गया तो कहीं घंटों ट्रैफिक जाम होने से जनसभा को पूरी तरह से सफल होने का दावा किया गया। दैनिक भास्कर ने भीड़ के पीछे की कहानी जानने के लिए इंवेस्टिगेशन शुरू की। इसे लेकर राजनीतिक पार्टियों के लिए इवेंट मैनेजमेंट कराने वाले 6 से ज्यादा लोगों से बात की गई। इसके लिए हमने प्लान किया और खुद एक निर्दलीय प्रत्याशी का रिश्तेदार बनकर सभा और रैली को सफल बनाने की पूरा प्लान समझा। गोपालगंज में रैली और सभा को सफल बनाने के लिए भीड़ जुटाने वालों ने डमी भीड़ का पूरा मैनेजमेंट समझाया। निर्दलीय प्रत्याशी हैं तो खर्च अधिक पड़ेगा। क्योंकि लोग आपको जानते नहीं हैं। जितना बुलाएंगे उस मुताबिक उनको खाने के साथ दिहाड़ी देनी पड़ेगी।

### समस्तीपुर में अमन हजारी की स्कॉर्पियो को ट्रक ने उड़ाया



**समस्तीपुर।** रविवार रात करीब डेढ़ बजे ट्रक और जदयू विधायक की स्कार्पियो में सीधी टक्कर हो गई। हादसे में दरभंगा के कुशेश्वर स्थान विधानसभा से विधायक अमन हजारी घायल हुए हैं। उनके साथ ही ड्राइवर रौशन कुमार, 2 बॉडीगार्ड पिंकी कुमार-मुकेश कुमार और उनके निजी सचिव गंभीर रूप से घायल हो गए। समस्तीपुर में रविवार रात करीब डेढ़ बजे ट्रक और जदयू विधायक की स्कार्पियो में सीधी टक्कर हो गई। हादसे में दरभंगा के कुशेश्वर स्थान विधानसभा से विधायक अमन हजारी घायल हुए हैं। उनके साथ ही ड्राइवर रौशन कुमार, 2 बॉडीगार्ड पिंकी कुमार-मुकेश कुमार और उनके निजी सचिव गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से रात में मुसरीघरारी के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उन्हें पटना रेफर कर दिया गया। हादसा ठल-28 मुसरीघरारी थाने के मुसरीघरारी चौक के पास हुआ। घटना के संबंध में बताया गया है।

## पीड़िता बोली-दुकान और घर पर अंकल करते थे गंदा काम



**बिहार।** सहरसा में 10 रुपए का लालच देकर नाबालिग के साथ एक शख्स ने 15 दिनों तक रेप किया। बच्ची को आरोपी की पत्नी किसी बहाने से अपने पति के पास कभी दुकान तो कभी घर पर भेजा करती थी। पीड़िता का कहना है कि अंकल मेरे साथ गंदा काम करते थे। विरोध करने पर मां-पिता को जान से मारने की धमकी दी जाती थी। जब लड़की की तबीयत बिगड़ी तो उसने सारी बात अपने घर वालों को बताई। मामला सदर थाना इलाके का है। रेप का आरोप पड़ोसी पर लगा है। पीड़ित बच्ची की मां का कहना है कि उसकी बेटी 5वीं क्लास में पढ़ती है। उसके पड़ोस की महिला भी उसी स्कूल में रसोइया है। वो लड़की को स्कूल से अपने पति की मेडिकल दुकान पर भेजती थी और गंदा काम करवाती थी। महिला का पति के 10- 20 रुपए का लालच देकर दुकान पर ही उसके साथ गंदा काम करता था। रविवार को पीड़ित महिला थाने में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने आरोपी पत्नी को हिरासत में लिया है। पति फरार है। पीड़ित बच्ची का कहना है कि स्कूल जाने पर रसोइया साफ-सफाई के बहाने डेली अपने पति के मेडिकल की दुकान पर भेज देती थी। वहां जाने पर रसोइया का पति 10 रुपए का लालच देकर मेरे साथ गलत काम करता था। पीड़ित बच्ची का कहना है कि स्कूल की रसोइया अपने पति को खाना देने के लिए घर भी भेजती थी। घर पर खाना ले जाने पर अंकल जबरन गंदा काम करते थे और धमकी देते थे कि किसी को बताने पर मां-पापा को मार देंगे। इस मामले में आवेदन के बाद महिला थाना अध्यक्ष डोली कुमारी ने पीड़ित लड़की को मेडिकल के लिए सदर अस्पताल भेजा। वो कैमरे पर बोलने से इनकार कर रही हैं। के बाद कार्रवाई की जाएगी।

## ग्रामीणों ने दिया कांधा सीतामढ़ी से प्रयागराज जा रहे थे सभी



**सीतामढ़ी।** एक ही परिवार के 7 लोगों की यूपी में रविवार को सड़क हादसे में मौत हो गई। सोमवार को सभी के शव गांव पहुंचे। रीगा गांव में 7 शव जैसे ही एक साथ पहुंचे तो पूरे गांव में मातम पसर गया। सभी की जुबान पर एक ही बात रही, भगवान ऐसा अनर्थ किसी के साथ न करें। बता दें कि रविवार को उत्तर प्रदेश के जौनपुर में सड़क हादसे में सीतामढ़ी के 7 लोगों की मौत हो गई थी। सोमवार सुबह शव गांव पहुंचा है। इसके बाद परिजनों को सांत्वना देने के लिए नेताओं का तांता लगा हुआ है। बताया जा रहा है कि परिजन बजरंगी शर्मा अपने पिता, भाई और पत्नी को मुखाग्नि देंगे। वहीं, चचेरा छोटा भाई रिशु अपने पिता के साथ भाई और भतीजे को मुखाग्नि देगा। शव को जलाने के लिए श्मशान में देर रात से ही तैयारी की जा रही थी। सुबह तक लकड़ियां काटी गईं। एक साथ घर के 7 लोगों की हुई मौत के कारण गांव के लोग गम में डूबे हैं। मृतक के परिजन भी जिंदा लाश बने हुए हैं। शव को जलाने के लिए श्मशान में देर रात से ही तैयारी की जा रही थी। सुबह तक लकड़ियां काटी गईं। एक साथ घर के 7 लोगों की हुई मौत के कारण गांव के लोग गम में डूबे हैं। मृतक के परिजन भी जिंदा लाश बने हुए हैं। सभी शवों को कांधा देने के लिए 28 लोग चाहिए थे, लेकिन परिवार के इतने सदस्य मौके पर नहीं हैं। ऐसे में गांव के लोगों ने अर्थी को कंधा दिया। शवों का दाह संस्कार रीगा मिल चौक से सटे बखरी गांव के पास श्मशान में किया जा रहा है। बता दें कि पहले लड़के और लड़की की दोस्ती इंस्टाग्राम पर हुई थी। दोस्ती प्यार में बदली, बात शादी तक जा पहुंची। पहले घर वालों ने मना किया, लेकिन बच्चों की जिद के आगे मान गए। इसके बाद दोनों परिवार ने आपस में बात की और शादी के लिए राजी हो गए। 10 मार्च को लड़की का छेका तय हुआ था। सभी सीतामढ़ी से प्रयागराज के लिए निकले, लेकिन इसी दौरान हादसा हो गया। चंदन कुमार की शादी होने वाली थी।

## साली की शादी में दिल्ली से बेगूसराय आया दोनों को कमरे में देख लिया था



**बेगूसराय।** साली की शादी में शामिल होने आए जीजा की साले ने ही गोली मारकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि आज शादी होनी है। रविवार को मटकोर का कार्यक्रम चल रहा था। जितेंद्र (जीजा) शादी में शामिल होने के लिए पत्नी के साथ नहीं, बल्कि साले सोनू की पत्नी के साथ दिल्ली से आया था। रात में जब सब लोग मटकोर में गए थे तो जितेंद्र अपनी सरहज (साले की पत्नी) के साथ घर में था। सोनू ने दोनों को मटकोर में नहीं देखा, इसके बाद उन्हें खोजते हुए घर पहुंचा, जहां दोनों को आपत्तिजनक हालत में साथ देखा। उसने जीजा को गोली मार दी। घटना बखरी थाना क्षेत्र के छोटी मौजी गांव की है। मृतक चेरिया बरियारपुर थाना क्षेत्र के सकरबासा निवासी नंदकिशोर चौधरी का बेटा जितेंद्र कुमार रोशन (30) है। वो परिवार के साथ दिल्ली में रहता था। जितेंद्र दिल्ली में एसआईएस सिक्योरिटी कंपनी में गार्ड की नौकरी करता था। कुछ लोग ये भी बता रहे हैं कि शादी समारोह से पहले हर्ष फायरिंग के दौरान गोली लगने से जीजा की मौत हुई है। मटकोर के दौरान साला हर्ष फायरिंग कर रहा था। इतने में जीजा ने कहा कि पहले हम फायरिंग करेंगे। पहले हम..पहले हम में गोली चल गई और जीजा को लगी। गोली लगने के बाद उसे बखरी के अस्पताल ले जाया गया। जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जितेंद्र कुमार रोशन अपनी चचेरी साली (संजय कुमार चौधरी की बेटी) की शादी में शामिल होने के लिए 9 मार्च को अकेला ही दिल्ली से ससुराल पहुंचा था। कल रात मटकोर के लिए सभी लोग जा रहे थे, इसी दौरान उसके गले में गोली लग गई। इसी दौरान किसी ने बखरी थाना को सूचना दे दी।

## परिवार में आग देने वाले दो और एक साथ आईं लाशें सात



**सीतामढ़ी।** जिले के रीगा इलाके के रहने वाले एक ही परिवार के सात लोगों की मौत से पूरे गांव में मातम पसर गया है। सात-सात लाशें जब एक साथ गांव पहुंची तो सभी दंग रह गए। पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया। सभी की जुबां पर एक ही बात रही कि भगवान ऐसा अनर्थ किसी के साथ न करें। परिजनों को सांत्वना देने के लिए जन प्रतिनिधियों और ग्रामीणों तांता लगा हुआ है। परिजन बजरंगी शर्मा ने अपने पिता भाई व पत्नी को मुखाग्नि दिया। वहीं, चचेरे छोटे भाई रिशु ने अपने पिता के साथ भाई और भतीजे को मुखाग्नि दी। शव को जलाने के लिए शमशान में देर रात तक तैयारी की गई। परिजन ने तो अपना सुध खो ही दिया है। लोगों को यह भी समझ नहीं आ रहा है कि कौन किसे मुखाग्नि देगा। परिवार में केवल दो लोग ही मुखाग्नि देने के लिए बचे हैं। वहीं इन सात लाशों को कंधा देने के लिए 28 लोगों की जरूरत थी। लेकिन, परिवार के इतने सदस्य भी नहीं हैं। ऐसे में गांव के लोग आगे आए और परिवार के साथ खड़े हुए। ग्रामीणों ने अर्थी को कंधा दिया। सभी शवों का दाह संस्कार रीगा मिल चौक से सटे बखरी गांव के समीप श्मशान में किया गया। इससे पहले यहां रविवार की रात जेसीबी लगाकर ग्रामीणों द्वारा कार्य कराया गया था। ताकि, सभी शवों का एक साथ दाह संस्कार में दिक्कत नहीं हो।

ग्रामीणों के अनुसार, मृतक गजाधर शर्मा के बेटे चंदन का प्रयागराज निवासी एक युवती से इंस्टाग्राम पर संपर्क हुआ था। घायल बताई जा रही हैं।

## मंगुराहा पर्यटन केंद्र का नजारा विशाल रॉयल बंगाल टाइगर सफारी रूट पर कर रहा था



**बगहा।** वीटीआर के मंगुराहा पर्यटन केंद्र में जंगल सफारी के दौरान रविवार की शाम पर्यटकों ने बाघ का दीदार किया। सफारी के दौरान विशाल रॉयल बंगाल टाइगर सफारी रूट पर ही गटर-मस्ती करते दिखा। नए सफारी रुट पर निकले पर्यटक बाघों को देखकर आनंदित हुए। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के वाल्मीकिनगर के बाद अब मंगूराहा सफारी के लिए पहली पसंद बनते जा रहा है। इन दिनों जंगल सफारी के दौरान अक्सर जानवरों को बड़ी संख्या में देखा जा रहा है। ऐसा बहुत कम होता है कि जब बाघ को इतना नजदीक से देखने की हसरत पूरी हो। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में यूं तो लगातार जानवरों की संख्या बढ़ रही है। लेकिन श्ळफ के मंगुराहा वन क्षेत्र में जानवरों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। इस क्षेत्र में जहां बेतहाशा शाकाहारी जानवर बढ़ रहे हैं। शाकाहारी जानवरों के कारण मांसाहारी जानवरों के भी कुनबे में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। लिए पसंदीदा स्पॉट बनता जा रहा है।

## बेगूसराय में युवक की गोली मार कर हत्या



**बेगूसराय।** एक युवक की हत्या कर दी गई। वह शादी समारोह में शामिल होने के लिए आया था, इसी दौरान अपराधियों ने गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। घटना बखरी थाना क्षेत्र के मौजी गांव की है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। बखरी थाना के एसआई हरेंद्र कुमार ने बताया कि रविवार मध्य रात्रि रात उन्हें सूचना मिली थी कि एक युवक को गोली मारी गई है। जब वह लोग मौके पर पहुंचे तो जितेंद्र कुमार को सड़क किनारे झाड़ी में पड़ा हुआ देखा और उसके ऊपर एक कपड़ा देकर ढंका गया था। हत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है। मृत युवक की पहचान चेरिया बरियारपुर थाना क्षेत्र के सकरवासा गांव के रहने वाले नंदकिशोर चौधरी का 32 वर्षीय निवासी जितेंद्र कुमार के रूप में की गई है। परिजनों का कहना है कि जितेंद्र कुमार के ससुराल पक्ष के रिश्तेदारों ने ही इसकी गोली मार कर हत्या की है। जितेंद्र कुमार दिल्ली में एक प्राइवेट कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड का काम करता था। इसके ससुराल पक्ष में चचेरी साली की शादी थी। इस शादी समारोह में वह नौ मार्च को मौजी गांव पहुंचा था। रविवार देर रात तकरीबन एक बजे के आसपास जितेंद्र कुमार की हत्या की सूचना मिली। परिजनों का यह भी आरोप है कि पुलिस द्वारा हमलोगों को बरगलाने की कोशिश की गई।

# पटना में डिवाइडर से टकराई आर-पार हुई 4 इंच की रॉड



**पटना।** अटल पथ पर महेशनगर के पास रविवार की रात भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें एक युवक की मौत हो गई। उसके शरीर में लोहे की रॉड घुस गई थी। वहीं, चार युवक गंभीर रूप से घायल हैं। गाड़ी (एंडेवर) के अंदर 5 लोग सवार थे। गाड़ी की स्पीड 150 से ज्यादा थी। लोगों ने बताया कि राहगीर को बचाने के चक्कर में ड्राइवर संतुलन खो बैठा। और गाड़ी डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर के बाद गाड़ी हवा में 10 फीट तक उछली। 3-4 पलटी मारने के बाद रगड़ाते हुए गाड़ी फुटओवर ब्रिज के पिलर से टकरा कर रुकी। हादसे में सीतामढ़ी के रहनेवाले हर्ष कुमार (21) की मौत हो गई है। फिलहाल वो पटना के इंद्रपुरी में रहता था। कार नंबर इफ-01-ऋ 5050 है। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि रविवार रात गाड़ी दीघा की तरफ से आ रही थी और आर ब्लॉक की तरफ जा रही थी। गाड़ी की स्पीड बहुत ही ज्यादा थी। महेश नगर के पास पहुंचते ही अचानक गाड़ी बीच के डिवाइडर से जा टकराई और जोरदार आवाज हुई। इसके बाद करीब 10 फीट ऊपर हवा में गाड़ी उठ गई। फिर रोड पर गिरते ही पलट गई और 3-4 बार पलटी। फिर रोड पर घसीटते हुए फुटओवर ब्रिज तक गई। पिलर से टकराने के बाद रुक गई। इसके बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। महेशनगर में गुमटी चलाने वाले सूरज राय ने बताया कि मैं दुकान के बाहर ही टहल रहा था। करीब रात के 8:45 बज रहे होंगे। तभी मेरी दुकान से होकर एक युवक अटल पथ पर गया। वह रेलिंग पारकर महेशनगर की तरफ जाने वाला था। वह अटलपथ पार कर ही रहा था कि दीघा की तरफ से तेज रफ्तार में एक कार आती हुई दिखी। रफ्तार अधिक थी। कार सड़क पार कर रहे व्यक्ति को बचाने के चक्कर में अटलपथ के रेलिंग से टकराई और उसे तोड़ते हुए हवा में उछल गई। कार फ्लाईओवर के पिलर से टकराई और तेज आवाज के साथ पलट गई। आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग डर से सहम गए। मैंने भागकर हल्ला किया और लोगों को जमा किया। एक युवक को रॉड घुस गई थी। बाकी लड़के भी गंभीर थे। सब लहूलुहान थे। हम लोगों ने पुलिस का इंतजार किए बिना सनरूफ तोड़कर लड़कों को निकालना शुरू किया। तब तक पुलिस भी आ गई और सभी को अस्पताल पहुंचाया गया। गाड़ी में फंसे युवकों को निकालने की कोशिश में लोग जुट गए।

# मोदी कल करेंगे रेलवे की परियोजनाओं का लोकार्पण

**अनूप कुमार**

**बरेली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 12 मार्च को रेलवे की विभिन्न परियोजनाओं जैसे नई ट्रेने, वन्दे भारत का संचालन, वर्कशाप, कोचिंग डिपो का निर्माण, जन औषधि केन्द्रों एवं एक स्टेशन एक उत्पाद के अन्तर्गत स्टॉल ट्राली आदि का राष्ट्र को समर्पण एवं लोकार्पण किया जा रहा है। इसी के तहतं इज्जतनगर मंडल के 08 लोकेशनों पर 12 मार्च को स्थानीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। यह जानकारी पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर की मण्डल रेल प्रबंधक रेखा यादव ने आज सोमवार को पत्रकारो से वार्ता के दौरान दी। उन्होंने बताया कि मालगोदाम एवं गति शक्ति टर्मिनल का लोकार्पण के तहत व्यापारियों की सुविधा के लिए विकसित किए गए बीसलपुर में नवीन माल गोदाम एवं जसोदा में अडानी एग्रो गति शक्ति टर्मिनल का लोकार्पण किया जायेगा। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र का लोकार्पण : भारत सरकार के औषधि मंत्रालय द्वारा सभी भारतीय नागरिकों के लिए गुणवत्तापूर्ण औषधि एवं स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जन औषधि नामक पहल की गई है, जिसके अन्तर्गत भारतीय रेल के विभिन्न स्टेशनों पर प्रधानमन्त्री भारतीय जन औषधि केन्द्री की स्थापना की जा रही है। इसी क्रम में काशीपुर स्टेशन क्षेत्र में यात्रियों की सुविधा के लिए प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र खोला गया है। जिसका भी लोकार्पण प्रधानमंत्री द्वारा किया जायेगा। एक स्टेशन एक उत्पाद स्टॉल ट्राली का लोकार्पण रेल मंत्रालय ने भारत सरकार के बोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने एवं स्थानीय स्वदेशी उत्पादों के लिए बाजार प्रदान करने और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले बुनकर कलाकार, शिल्पकार, स्वय सहायता समूह, सीमान्त कमजोर वर्ग हेतु अतिरिक्त आय के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से रेलवे स्टेशन पर एक स्टेशन एक उत्पाद योजना प्रारम्भ की है। इसी योजना के अर्न्तगत मंडल के 20 स्टेशनों पर 21 एक स्टेशन एक उत्पाद स्टॉल ट्राली का संचालन किया जा रहा है। जिनके लोकार्पण के लिए मडल की छः रेलवे स्टेशनों काशीपुर, कन्नौज कासगंज, इज्जतनगर, पीलीभीत एंव काठगोदाम पर समारोह का आयोजन किया जा रहा है। जिससे समाज के बुनकर कलाकार शिल्पकार, स्वयं सहायता समूह, सीमान्त कमजोर वर्ग द्वारा संचालित एक स्टेशन एक उत्पाद स्टॉल ट्राली का लोकार्पण होगा।

## पूर्व जज मनोज कुमार को नगीना लोकसभा क्षेत्रवासियों का मिल रहा है भरपूर समर्थन

**धामपुर।** नगीना लोकसभा क्षेत्र की विधानसभा नहटौर क्षेत्र के ग्राम खजुरा जट, सीकरी,शाहनगर एवं शेरकोट नगर में पहुंचकर पूर्व जज मनोज कुमार द्वारा ग्राम वासियों को संविधान के बारे मे जागरुक किया गया । प्राप्त समाचार के अनुसार आपको बता दें जैसे-जैसे लोकसभा का चुनाव नजदीक आता जा रहा है वैसे सभी पार्टियों के तथा निर्दलीय प्रत्याशी जनता के बीच में पहुंचकर अपनी अपनी बात रख रहे हैं इसी दौरान पूर्व जज मनोज कुमार द्वारा नगीना लोकसभा क्षेत्र की नहटौर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम खजुरा जट, सीकरी ,शाहनगर, एवं शेरकोट नगर में संविधान विचार गोष्ठी बैठक में पहुंचने पर ग्राम वासियों द्वारा पूर्व जज मनोज कुमार का ढोल नगाड़ा एवं फुल मालाएं डालकर भव्य स्वागत किया गया ।बैठक में सभी वक्ताओं ने संविधान को लेकर अपने-अपने विचार रखें वहीं पूर्व जज मनोज कुमार ने बैठक में लोगों को संबोधित करते हुए संविधान के बारे में बताया गया उन्होंने कहा कि इस समय संविधान को खत्म करने का काम चल रहा है सर्व प्रथम हम सबका कर्तव्य है कि हम अपने संविधान को बचाएं इसी संविधान से हमें बैठने का बोलने का पढ़ने का नौकरी करने का हक मिला है अगर संविधान ना होता तो आज हम किसी भी पद पर नहीं होते। 26 जनवरी 1950 से पहले हमारे समाज के लिए अलग व्यवस्था थी हमारे समाज को बोलने का भी अधिकार नहीं था हम अपने हक की लड़ाई भी नहीं लड़ सकते थे। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने हमारे लिए जो बलिदान दिया है उसे व्यर्थ न जाने दें बाबा साहब एक समाज के नेता नहीं थे उन्होंने जो संविधान बनाया था उस संविधान से सभी लोगों को लाभ हुआ है। अब समय आ गया है हम सबको एकजुट होकर संविधान को बचाना है और यह संविधान को हम अपने वोट से बचा सकते हैं। इसलिए आने वाले लोकसभा के चुनाव में हमें गठबंधन के प्रत्याशी को ही अपना वोट करना है। इस दौरान अवनीश कुमार, राजेश कुमार, नरेश फौजी, सतपाल सिंह, गजेंद्र सिंह, हरपाल सिंह, सुरेश कुमार ,घनश्याम सिंह ,वीरेंद्र कुमार, रोहित कुमार ,ओमप्रकाश सिंह, गजराज सिंह ,मुकेश कुमार, प्रीतम सिंह, सोनू कुमार ,प्रताप सिंह ,रोहित कुमार ,दुष्यंत काजी शमीम, नफीस अहमद, फुरकान,जावेद, नौशाद अहमद,रफीक अहमद, शाकिर अहमद,कुमार ,सरवन सिंह, महेश कुमार ,जगपाल सैनी ,अनूप सैनी, तेजपाल सैनी ,गजेंद्र सैनी ,केशव सैनी, मोनू सैनी ,इंद्रलोक सिंह, चंदन सिंह, सोमपाल सिंह ,सुमन देवी, रीता देवी ,कमला देवी ,मुन्नी देवी ,रीता देवी, संतोष देवी ,ओमवती देवी ,सोमवती प्रेमलता, रेखा देवी ,आदि ग्रामीण उपस्थित रहे

## संक्षिप्त डायरी

### जे एस हिंदू इंटर कॉलेज पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

**अमरोहा।** अमरोहा शहर के जे एस हिंदू इंटर कॉलेज अमरोहा में स्वीप कोऑर्डिनेटर और प्रधानाचार्य डॉ. गजेंद्र पाल सिंह के नेतृत्व में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के छात्र-छात्राओं तथा अन्य के द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्र छात्राओं ने मतदाता जागरूकता के कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। मतदाता जागरूकता पर बच्चों के बीच संबोधन के दौरान प्रधानाचार्य डॉ.जी.पी. सिंह ने बताया कि सभी छात्र-छात्राएं जिनका वोट बन चुका है वह आने वाले लोकसभा चुनाव में अपने वोट जरूर बूथ पर डालने जरूर जायें तथा परिवार में मम्मी, पापा, भाई, बहन, रिश्तेदार जहां तक हो सके सभी को वोट डालने के लिए प्रेरित करें जिससे एक मजबूत सरकार बन सके। देश में लोकतंत्र मजबूत हो और सभी के अधिकारों का सरकार ध्यान रखें। 18 वर्ष पूर्ण कर बने युवा मतदाता पूरे जोश और खरोश के साथ अपने साथी वोटर्स मित्रो के साथ प्राथमिकता पर मतदान करें। आपका एक एक वोट बहुत कीमती है। इस अवसर पर डॉ राजवीर सिंह यादव, अनिल कुमार, शैलेश कुमार पंकज, सुधीर कुमार गुप्ता, राजा इमाम ,अंकित कुमार ,पुष्पेंद्र यादव, डॉ वीरेंद्र कुमार शुक्ला, लल्लू सिंह, करतार सिंह ,मधुलिका गुप्ता ,सावित्री वर्मा, प्रमोद कुमार, डॉ राजेश राजपूत राधेश्याम , अवधेश कुमार, आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ शिव शंकर यादव कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने किया।

### भाजपा सरकार में महिलाएं आत्मनिर्भर बनी ब्लॉक प्रमुख क्षमा हेमलता चौहान

**नीरज कुमार**

**धामपुर।** विकास खण्ड अल्हैपुर धामपुर के डलवाकर हाल में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रधानमंत्री द्वारा एनआरएलएम के अंतर्गत देश भर के लखपति दीदीयों के साथ संवाद का सजीव प्रसारण बड़ी स्क्रीन पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख क्षमा हेमलता चौहान की उपस्थिति में दिखाया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमल द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर एन आर एल एम के अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूह को रिवाल्विंग फण्ड/ सामुदायिक निवेश निधि एवं बैंक क्रेडिट लिंकेज का वितरण किया गया। तथा लखपति दीदीयो के साथ संवाद किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड धामपुर में 242 समूह को बैंक क्रेडिट लिंकेज 462 समूहों को रिवाल्विंग फण्ड 463 समूहों को सामूहिक निवेश निधि की धनराशि उपलब्ध कराई गई ।कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख द्वारा अपने संबोधन में एन,आर,एल,एम, के अंतर्गत केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा विकास खण्ड धामपुर की ग्राम पंचायत के समूहों में कार्यकत महिलाओं को स्वयं सहायता समूह के अंतर्गत रिवाल्विंग फण्ड /सामुदायिक निवेश निधि एवं बैंक क्रेडिट लिकेंज के बारे में विस्तार से बताया गया। तथा केंद्र व राज्य सरकार महिलाओं के उद्यान के लिए उनको अपनी ग्राम पंचायत की सीमा में स्वयं सहायता समूह के अंतर्गत स्वरोजगार को बढ़ावा देना है। जिससे समाज में महिलाएं अपने पैरों पर खड़े होकर देश को विकसित भारत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं ।कार्यक्रम में समरपाल सिंह एडीओ, अनिल कुमार ए,डी,ओ, सोमपाल सिंह ए,डी,ओ, सानुमति, पूनम सागर, विवेक त्रिवेदी, सोमपाल सिंह ,विकासखंड में संचालित स्वयं सहायता समूह की लखपति दीदी शिखा राजपूत, संगीता, प्रीति, रूबी, बबीता, संध्या, अंजलि, रश्मी ,आशा, सुनीता ,आदि एवं ग्राम पंचायत सचिव नीरज कुमार, हिमांशु चौहान, सहदेव सिंह,मनोज कुमार, दिव्यांशु कुमार ,आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन खण्ड विकास अधिकारी ऋषिपाल सिंह द्वारा किया गया।

### लूट के मामले में फरार आरोपी पुलिस मुठभेड़ में घायल/ गिरफ्तार

**मथुरा।** थाना छाता पुलिस ने थाना छाता क्षेत्रांतर्गत हुसैनी से पैगांव रोड़ पर लूट के मामले में फरार एक अभियुक्त को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान हुआ घायल/गिरफ्तार किया है अभियुक्त के कब्जे से लूट की एक मोटर साइकिल एक अवैध तमंचा .315 बोर व 2 जिन्दा व 1 खोखा कारतूस .315 बोर बरामद किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, के कुशल निर्देशन में रोकथाम जुर्म जरायम, चैकिंग, देखरेख शान्ति व्यवस्था क्षेत्र के अभियान के क्रम में थाना छाता पुलिस द्वारा दिनांक 10.03.2024 को मुखबिर की सूचना पर छाता से पैगांव रोड सेवलगढ तिराहा से लूट के फरार अभियुक्त मोहन श्याम पुत्र नन्नू निवासी शिवाल थाना बरसाना जनपद मथुरा उम्र करीब 26 वर्ष को छाता से पैगांव रोड सेवलगढ तिराहा के पास से पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गया। वादी श्री हरी सिंह पुत्र शिव सिंह उर्फ शिब्बो निवासी तरौली जनूबी थाना छाता मथुरा की तहरीर के आधार पर 03 अज्ञात व्यक्तियों द्वारा वादी की मोटर साइकिल हीरो स्पलेन्डर रंग काला रजि0 नं0 वढ85अश7604 व एक मोबाइल रियलमी को लूटकर ले जाने के सम्बन्ध में थाना छाता पर मु0अ0सं0 47/2024 धारा 392 भादवि पंजीकृत किया गया था । दिनांक 14.02.2024 को मुखबिर खास की सूचना पर पुलिस मुठभेड़ में शेरगढ़ रोड टयूब बेल की ओर जाने वाले चकरोड के पास से अभियुक्त लाल सिंह पुत्र भिखो गुर्जर निवासी ग्राम मुरार थाना कामा जिला डींग राजस्थान उम्र 32 वर्ष को गिरफ्तार किया गया था । जबकि अभियुक्त मोहनश्याम पुलिस मुठभेड़ के दौरान मौके से भाग गया था जो मु0अ0सं0 47/2024 धारा 392 भादवि व मु0अ0सं0 53/2024 धारा 307(पु0मु0) भादवि व 3/25/27 शस्त्र अधिनियम मे वांछित था । विधिक कार्यवाही हेतु गिरफ्तारशुदा अभियुक्त को जेल भेजा गया है ।

## फाल्गुन की फुहार में भीगे तन मन -रिद्धिमा में गायन के विद्यार्थियों और उनके गुरुओं ने होली गीतों को गाकर छेड़ी मस्ती की तान

अनूप कुमार

बरेली। श्रीराम मूर्ति स्मारक रिद्धिमा में गायन गुरुओं और उनके विद्यार्थियों ने ह्वफाल्गुन की फुहारह्व के रंग बिखेरे। सभी ने होली गीतों को अपनी आवाज दी और श्रोताओं को होली के रंगों से सराबोर किया। कार्यक्रम का आरंभ ब्रज की होली को याद करते हुए आज ब्रज में होली रे गाकर गायन के विद्यार्थी अशुंमा, शालिनी पांडेय, सताक्षी अग्रवाल और श्रेया ने किया। विद्यार्थी डा. अनुज कुमार ने होली खेले मसाने में गीत

को अपनी आवाज दी तो डा.वंदना दुग्गल खन्ना ने सकल ब्रज धूम मची को गाकर कार्यक्रम को होलीमय बना दिया। अतिथि गायक डा.रीता शर्मा ने होली खेलो जी राधे संभाल के और इंदू परडल ने रंग देख जिया ललचाये को अपने स्वर से सजाया। गायन गुरु स्नेह आशीष दुबे ने रंग डारूंगी नंद के लालन पे और गायन गुरु प्रियंका ग्वाल ने जब फाल्गुन रंग झमकते हैं को अपनी आवाज से सजाया। दोनों गायन गुरुओं ने होली कनक भवन में को भी एक साथ स्वर दिए। गायन के विद्यार्थियों के गाये रंग दे रंग दे रंग दे मोहे अपने ही रंग में गाने से फाल्गुन की फुहार थमी और कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में उमेश मिश्रा (सारंगी), कुंवर पाल (सितार), सूर्यकांत चौधरी (वायलिन), आशीष सिंह (कीबोर्ड), टुकु मनी सेन (हारमोनियम), हिमांश चंद्र (गिटार), सूरज पांडेय (बांसुरी), अमर नाथ (तबला) और सुमन बिस्वास (ढोलक) ने अपने वाद्ययंत्रों की संगत से स्वर साधकों का साथ निभाया। इस मौके पर ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी, आशा मूर्ति जी, आदित्य मूर्ति जी, ऋचा मूर्ति जी, सुभाष मेहरा, डा. प्रभाकर गुप्ता सहित शहर के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

## पहले दिन 200 लोगों को बरेली से लखनऊ लेकर जाएगी वंदेभारत

**बरेली।** देहरादून-लखनऊ वंदेभारत एक्सप्रेस 12 मार्च से शुरू होगी। बरेली जंक्शन पर मंगलवार को ट्रेन पहुंचेगी। इसकी तैयारी में अधिकारी जुटे हुए हैं। जंक्शन से करीब दो सौ लोगों को वंदेभारत का सफर कराने की तैयारी है। पहले दिन देहरादून से लखनऊ जाने वाली ट्रेन में स्काउट और स्कूली बच्चों के अलावा सामाजिक कार्यकताओं, जनप्रतिनिधियों को सफर कराया जाएगा। इसमें करीब 70 स्काउट गाइड हैं।

## दिल्ली हाईवे से एक किमी दूर बन रहा रोडवेज बस अड्डा एक साल में भी अधूरा

**बरेली ।** परिवहन की सुविधा बढ़ाने के लिए मीरगंज विधानसभा क्षेत्र के फतेहगंज पश्चिमी कस्बे में दो करोड़ 59 लाख की लागत से रोडवेज बस अड्डा का निर्माण कराया जा रहा है। दिल्ली हाईवे से करीब एक किलोमीटर दूर बन रहा बस अड्डा एक साल बाद भी अधूरा है। निर्माण में देरी की वजह से धनराशि जारी न होना बताया गया है। अब 7 मार्च को दूसरी किस्त के रूप में 1 करोड़ 29 लाख की धनराशि जारी की गई है। बस अड्डे के बनने के बाद भी लोगों को दिक्कतें झेलनी होंगी, क्योंकि यह बरेली-दिल्ली हाईवे से करीब एक किमी दूर शाही रोड पर भिटौरा क्षेत्र में बन रहा है। बस अड्डा सिंचाई विभाग की करीब डेढ़ एकड़ भूमि पर बनाया जा रहा है, हालांकि बस अड्डे के नजदीक ही भिटौरा रेलवे स्टेशन भी है। मीरगंज

विधायक डॉ. डीसी वर्मा से फतेहगंज पश्चिमी वासियों ने कई बार बस अड्डे की मांग रखी और बसें नहीं होने की शिकायतें भी कीं। ग्रामीणों की शिकायतों पर ध्यान देते हुए विधायक ने शासन को नगर में बस अड्डे का प्रस्ताव भेजा था। उसी में रोडवेज बस स्टेशन को मंजूरी मिली। पहले बस अड्डा मीरगंज में प्रस्तावित था, लेकिन यहां जगह न मिलने के चलते इसे फतेहगंज पश्चिमी में सिंचाई विभाग की जमीन पर बनाए जाने की संस्तुति शासन से मिली थी। सिंचाई विभाग की जमीन पर प्रस्तावित बस अड्डे के लिए जमीन राज्य सड़क परिवहन निगम को स्थानांतरित की गई थी। राजस्व कर्मियों ने शाही मार्ग पर स्थित भिटौरा में सिंचाई विभाग की करीब डेढ़ एकड़ भूमि चयनित की। इसके बाद निर्माण शुरू हुआ। बरेली-दिल्ली हाईवे से मीरगंज से आएं या फिर बरेली से दोनों ही ओर कस्बा के अंदर होकर निकलने पर करीब एक किलोमीटर की दूरी पर बस अड्डा आएगा। रविवार को अमृत विचार की टीम ने निमार्णाधीन बस अड्डे की स्थिति देखी तो निर्माण कार्य रुका मिला। हालांकि चारदीवारी के अंदर कर्मचारी व यात्रियों के बैठने की जगह पर निर्माण पूरा मिला। मेन गेट, फर्श, आदि कार्य अधूरा है। कार्यदायी संस्था कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेज उप्र जल निगम के अधिकारियों के अनुसार पांच माह में बस अड्डे का निर्माण कार्य पूरा हो जायेगा। इधर, विशेष सचिव केपी सिंह ने 7 मार्च को परिवहन आयुक्त को पत्र जारी कर 1 करोड़ 29 लाख रुपये की धनराशि आवंटित करने की जानकारी दी है।

## दीपक अग्रवाल की पुस्तक प्रेरणा-पुंज का विमोचन

**अमरोहा।** श्रीराम सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी, एसपी कुँवर अनुपम सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक वीपी सिंह, नगर पालिका अमरोहा के अधिशासी अधिकारी डॉ. बृजेश कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मोनिका, ट्रस्ट के संरक्षक अवनीश कुमार गुप्ता, कार्यक्रम संयोजक वंश गुप्ता ने डॉ. दीपक अग्रवाल की पुस्तक ह्यप्रेरणा-पुंजह्य का विमोचन तालियों की गूंज के बीच किया। इस कार्यक्रम का आयोजन श्रीराम सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में श्रीराम कॉम्प्लेक्स में हुआ। इसका शुभारंभ अतिथियों ने भगवान गणेश की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर और माल्यापर्ण कर किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी ने कहा कि इस पुस्तक प्रेरणा-पुंज में शामिल व्यक्तियों के संघर्ष की कहानी से नई पीढ़ी को निश्चित रूप से फायदा होगा। छात्र-छात्राएं इस पुस्तक को पढ़कर जान सकेंगे कि कैसे एक व्यक्ति ठेले पर फलों को बेचकर कोषाधिकारी बना। पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह ने बताया कि पुस्तक की भाषा शैली सरल और सादगी पूर्ण है। इसमें कहानी के रूप में शामिल साक्षात्कार को पढ़कर लगता है कि ऐसे संघर्षों को पढ़कर अवश्य प्रेरणा मिलेगी है। ऐसा साहित्य निरंतर लिखा जाना चाहिए। संचार क्रांति के इस युग में भी किताबों के महत्व को नकारा नहीं जा सकता है। लेखक डॉ. दीपक अग्रवाल ने बताया कि हर व्यक्ति संघर्ष कर ही सफलता पाता हैं जिस प्रकार आत्म-निर्भर भारत के लिए ह्यवोकल फार लोकलह्य पर ध्यान दिया जा रहा है, उसी थीम को प्रेरणा-पुंज में साकार करने का प्रयास किया गया है। इस पुस्तक में स्थानीय 45 प्रतिभाओं को शामिल किया गया है। श्रीराम सेवा ट्रस्ट के संरक्षक अवनीश कुमार गुप्ता और कार्यक्रम संयोजक वंश गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त किया। इससे पूर्व राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त पूर्व शिक्षक श्योनाथ सिंह, राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित पूर्व प्रधानाचार्य खुरशीद हैदर जैदी, लेखक भुवनेश कुमार शर्मा भुवन, डॉ.जीपी सिंह, डॉ. वीके शुक्ल आदि ने विचार व्यक्त किए। सतेंद्र धारीवाल ने काव्य पाठ से समां बांध दिया। संचालन राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक यतींद्र कटारिया ने किया। इस मौके पर गिरीश बंसल, पवन त्यागी, पवन चौहान, डॉ. सुधांश शर्मा, रीना गुप्ता, डॉ. बीना रुस्तगी, विशाल गोयल, अभय आर्य, कुंवर विनीत अग्रवाल, डॉ. महताब अमरोही, मदन पाल सिंह, मनोनीत सैनी, वरन सिंह, नत्थू सिंह, राजेश मिश्रा, शैलेष अग्रवाल, रोहताश्व विद्यार्थी, दिनेश गुप्ता, डॉ. संजय अग्रवाल, आनंद पाल यादव, अनिल कुमार समेत पुस्तक में शामिल टीचर्स आदि मौजूद रहे।

## रेलवे ग्राउंड की दीपू और खुशबू ने जीती अयोध्या मैराथन

**अनूप कुमार**

अयोध्या में आयोजित अयोध्या मैराथन का आयोजन किया गया।जिसमें कोच अजय कश्यप से प्रशिक्षण ले रहीं रेलवे ग्राउंड की दो लड़कियां दीपू और खुशबू ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है दीपू ने 10 किलोमीटर में प्रतिभाग कर प्रथम स्थान प्राप्त कर 11000 का नगद पुरस्कार जीता और खुशबू ने 3 किलोमीटर में प्रतिभा कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। दोनों ही की आर्थिक स्थिति बेहद नाजुक है।

दीपों के पिता एक हलवाई है।उनका सपना है उनकी बेटी खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर उनका और देश का

नाम करें और अच्छी नौकरी कर घर की जिम्मेदारियां को संभाले।वही खुशबू के पिता एक किसान है जो लंबे समय से बीमार हैं उनकी बीमारी में काफी पैसा खर्च हो रहा है जिसके कारण खुशबू उचित खानपान लेने में असमर्थ है परंतु कोच अजय कश्यप के द्वारा चलाई जा रही पिछले 26 सालों से फ्री कोचिंग एकादमी में इस प्रकार के बच्चों को आगे बढ़ाया जा रहा है।और उनका ख्याल रखा जा रहा है इसमें कुछ लोग उनकी मदद भी कर रहे हैं। दोनों ही ने अपनी जीत का जीत का श्रेय अपने कोच अजय प्रशिक्षण और उचित मार्गदर्शन को दिया।दोनों की इस जीत पर सभी वरिष्ठ खिलाड़ी संजय,पंकज, बलवंत,संजय त्यागी आदि सभी ने इनको शुभकामनाएं और बधाई दी।

# मौलाना तौकीर का गैर जमानती वारंट जारी, सीओ कराएंगे तामील, इंस्पेक्टर फेल, कार्रवाई करें एसएसपी

**बरेली।** बरेली दंगे के मुख्य मास्टरमाइंड मौलाना तौकीर रजा के खिलाफ एडीजे प्रथम फास्ट ट्रैक रवि कुमार दिवाकर की कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी कर दिया है। कोर्ट ने अब सीओ प्रथम संदीप सिंह को 13 मार्च तक नोटिस तामील करवाकर मौलाना को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया है। नोटिस तामीन कराने में फेल रहे प्रेमनगर इंस्पेक्टर आशुतोष रघुवंशी के खिलाफ दंडात्मक और विभागीय कार्रवाई के लिए कोर्ट ने एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान को आदेश दिया है। आदेश की कॉपी आईजी रेंज बरेली डा. राकेश सिंह को भी भेजी है। कोर्ट में पेश नहीं हुए मौलाना, प्रेमनगर पुलिस तामील नहीं करा पाई नोटिस आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा को वर्ष 2010 के बरेली दंगे का मुख्य आरोपी मानते हुए एडीजे प्रथम कोर्ट ने सोमवार 11 मार्च को तलब किया था। समन तामील कराने का आदेश इंस्पेक्टर प्रेमनगर आशुतोष रघुवंशी को दिया था। प्रेमनगर इंस्पेक्टर ने मौलाना तौकीर के न मिलने की वजह से समन तामील नहीं कराया।

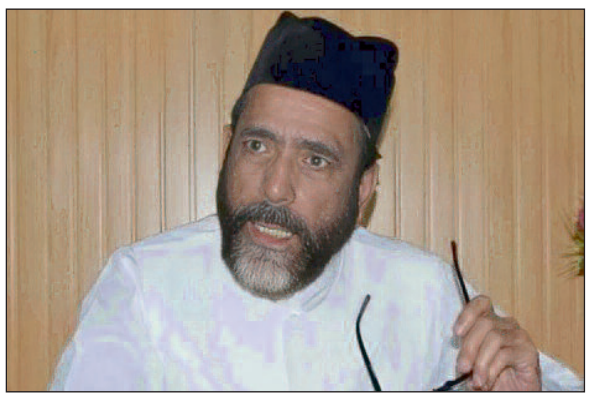

समन को उनके घर पर चस्पा नहीं किया। इस तरह की आख्या इंस्पेक्टर ने कोर्ट में भेज दी। जिस पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि दस दिन पहले तक मौलाना तौकीर रजा खां बरेली पुलिस के लिए चुनौती बने हुए थे। पांच मार्च को समन जारी कर उन्हें 11 मार्च को तलब किया था। अब पुलिस मौलाना को ढूंढ नहीं पा रही है। पुलिस पर मौलाना तौकीर का सहयोग करने का आरोप, कार्रवाई के आदेश कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि दंगे के मुख्य मास्टर माइंड तौकीर को पुलिस के द्वारा ढूंढ न पाने से साफ जाहिर है कि पुलिस मौलाना का सहयोग कर रही है। इसी वजह से उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं की जा रही है। कोर्ट ने लापरवाही बरतने वाले इंस्पेक्टर प्रेमनगर आशुतोष रघुवंशी के खिलाफ सीआरपीसी 1860 की धारा 173 के अंतर्गत विभागीय कार्रवाई कर दंडात्मक कार्रवाई का आदेश जारी किया है। कोर्ट ने मौलाना तौकीर के खिलाफ एनबीडब्ल्यू वारंट जारी कर 13 मार्च तक गिरफ्तारी के आदेश सीओ प्रथम संदीप सिंह को दिए हैं। साथ ही समन रिसीव न कराने पर प्रेमनगर इंस्पेक्टर के खिलाफ कार्रवाई के लिए एसएसपी को भी आदेश भेजा है।

## कैसे देखते-देखते बदलने लगा कश्मीर

अगर किसी ने फैसला ही कर लिया है कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विरोध करना नहीं छोड़ेगा तो बात अलग है, पर हाल ही में उनकी (मोदी जी) श्रीनगर यात्रा के समय जिस तरह का उमंग और उत्साह के साथ स्वागत हुआ उससे सारा देश आश्वस्त महसूस कर रहा है। एक यकीन होने लगा है कि अब कश्मीर देश की मुख्यधारा से जुड़ गया है। प्रधानमंत्री मोदी की जनसभा में उमड़ा जनसैलाब अविश्वसनीय था। सभास्थल बख्शी स्टेडियम में मोदी जी का भाषण सुनने के लिए हजारों लोगों की वक्त से बहुत पहले से ही लाइनें लग गई थीं। इनमें कश्मीरी औरतें भी भारी संख्या में थीं। याद नहीं आता कि जब किसी प्रधानमंत्री का घाटी में इतना गर्मजोशी से स्वागत किया गया हो। इसके पहले लगभग चालीस वर्ष पहले पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का लगभग ऐसा ही स्वागत हुआ था श्रीनगर में। प्रधानमंत्री की सभा की समाप्ति के बाद लोगों के चेहरों पर प्रसन्नता और आशा की मिली-जुली रेखाओं को पढ़ा जा सकता था। एक खबरिया टीवी चैनल पर स्थानीय निवासी गुलाम भट्ट कह रहे थे, मुझे यकीन है कि पीएम मोदी हमारी सेवाओं को नियमित कराएंगे। वह अकेले ही इसे पूरा कर सकते हैं। जम्मू-कश्मीर में अब तक सभी सरकारों ने हमसे केवल खोखले वादे किए हैं। रैली में इतनी बड़ी संख्या में आए लोगों की सुरक्षा के प्रबंधन में स्थानीय पुलिस सबसे आगे थी। जनता ने पुलिस द्वारा बताए गए हर सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया। जम्मू-कश्मीर पुलिस के उप-निरीक्षक सुलेमान खान ने कहा, यह पीएम मोदी की वजह से हुआ है। अब हमारी वर्दी का सम्मान है। हमने कश्मीर में वह दौर भी देखा है, जब पुलिसकर्मी पत्थरबाजों और राष्ट्र-विरोधी तत्वों के डर से अपना पहचान पत्र नहीं रखते थे। कश्मीर में यह परिवर्तन किसने संभव किया? यह मोदीजी और उनका दृढ़ संकल्प है कि कश्मीर में कानून का शासन वापस आया। मुझे मेरे कश्मीर में रहने वाले कई मित्रों ने बताया कि रैली के बाद लोग कश्मीर में अपने परिवार और दोस्तों के साथ रैली के बारे में जिस तरह से बातें कर रहे हैं, उससे यह स्पष्ट है कि लोग स्वेच्छा से वहां पहुंचे थे। हजारों लोग गर्व से बता रहे हैं कि उन्होंने बख्शी स्टेडियम में मोदी जी का भाषण सुना। प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस अनुपम अवसर का भरपूर फायदा उठाया। उन्होंने जम्मू-कश्मीर को देश का मुकुट बताते हुए प्रदेश का डवलपमेंट प्लान सबके सामने रख दिया। उन्होंने कहा कि एक विकसित जम्मू-कश्मीर विकसित भारत की प्राथमिकता है। जम्मू-कश्मीर आज विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है क्योंकि वह खुलकर सांस ले रहा है। ये वो नया जम्मू कश्मीर है, जिसका इंतजार हम सभी को कई दशकों से था। इस नए जम्मू कश्मीर की आंखों में भविष्य की चमक है, इस नए जम्मू कश्मीर के इरादों में चुनौतियों को पार करने का हौसला है। अगर बात प्रधानमंत्री मोदी की रैली से हटकर करें तो कश्मीर की जनता देख रही है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में कितने बदतर हालात हैं। वहां दिन में कम से कम दसेक घंटे तक बिजली नहीं आती। वहां रोजगार नाम की कोई चीज नहीं है। सोशल मीडिया के दौर में अब कुछ भी छिपा नहीं है। कश्मीर घाटी की जनता यह भी देख रही है कि पीओके में पाकिस्तान सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ उग्र प्रदर्शन हो रहे हैं। पिछले छह महीनों से महंगाई, अप्रत्याशित बिजली बिल और अन्य करों के विरोध में प्रदर्शन जारी है। इतना ही नहीं, वहां पर प्रशासन के खिलाफ सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू हो गया है। बिजली के भारी बिलों और करों को लेकर लोगों का आंदोलन शुरू किया था। इस बीच, अब बहुत साफ है कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 का कोई मसला ही नहीं रहा। एक तरह से आप कह सकते हैं कि राज्य की जनता अब अनुच्छेद 370 से आगे निकल चुकी है। जैसी उम्मीद थी कि इसे हटाए जाने के बाद राज्य का सर्वांगीण विकास और रफ्तार पकड़ लेगा, अब वही हो रहा है। केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर में सबको विश्वास में लेकर ही आगे बढ़ना चाहती है। इसका प्रमाण है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राज्य के 14 शिखर नेताओं से मिल भी चुके हैं। हालांकि अफसोस होता है कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को हटाने के सवाल पर कांग्रेस का रवैया बेहद खराब रहा है। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह कहते रहे हैं कि केन्द्र में उनकी पार्टी की सरकार आएगी तो वे संविधान के अनुच्छेद 370 को दोबारा बहाल कर देंगे। देखिए, आपको कश्मीर घाटी के बदले हुए मिजाज को देखने-समझने के लिए राजधानी के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट में गोवा जाने वाली फ्लाइट के मुसाफिरों को देख लेना चाहिए। यकीन मानिए कि हरेक फ्लाइट में कई कश्मीरी परिवार भी यात्रा कर रहे होते हैं। चूंकि श्रीनगर से गोवा की कोई डायरेक्ट नहीं है तो ये दिल्ली से गोवा मौज-मस्ती के लिए जा रहे होते हैं। यानी जिस कश्मीर में शेष भारत से लोग पहुंचते हैं, वहां के लोग गोवा छुट्टियां मनाने के लिए जाते हैं। यह कश्मीरी गोवा जाने से पहले कुछ दिन दिल्ली में अपने रिश्तेदारों के साथ रहते हैं। यह उसके बाद गोवा जाते हैं। गोवा से वापसी के बाद भी दिल्ली में रुकते हैं। मुझे कुछ कश्मीरियों ने बताया कि उन्हें गोवा का खुला माहौल पसंद आने लगा है। जब कश्मीर जाड़ों में ठिठुर रहा होता है तो सैकड़ों कश्मीरी गोवा का रुख कर लेते हैं। कश्मीरियों के दिल में बसने लगे हैं गोवा के बीच (समुद्र का किनारा), वहां की डिशेज और समावेशी समाज। आपको साऊथ और नॉर्थ गोवा के होटलों में हर सीजन में बहुत सारे कश्मीरी परिवार मिलेंगे। जम्मू-कश्मीर बदलता जा रहा है। वहां अब पृथकतावादी ताकतों के लिए जगह नहीं है। संविधान के दायरे में रहकर आप सरकार से जो चाहें मांग करें, यह आपका हक है।

# नमाज या परेशानी!

ANALYSIS



डॉ. मयंक चतुर्वेदी

**आप सोचिए, यदि इस तरह से देश में सभी को छूट मिलेगी तब क्या होगा? क्या कोई देश की इन सड़कों पर चल पाएगा? क्या कोई बीमार, जरूरतमंद जिसे अपने एक निश्चित समय पर कार्य निष्पादित करने हैं, वे सभी अपने कार्यों को पूरा कर पाएंगे? यदि इन प्रश्नों का उत्तर नहीं है, तब फिर क्यों और किस कानून के अंतर्गत इस्लामिक नमाजियों को सड़क पर प्रार्थना की छूट दी जानी चाहिए? अव्वल तो दिल्ली के इंद्रलोक इलाके में जुमे की नमाज के दौरान जो हुआ, वह नहीं होना चाहिए था। किसी भी पुलिस कर्मी को नमाज पढ़ते समय किसी को भी लात मारकर अपमानित नहीं करना चाहिए । जो हुआ वह बहुत दुखद है। किसी भी सभ्य समाज में इसका कोई समर्थन नहीं करेगा, किंतु यह हुआ क्यों? बार-बार इस तरह की परिस्थितियां बनती ही क्यों हैं, क्या इस पर विचार नहीं होना चाहिए? वस्तुतः यह पहली बार नहीं है कि दिल्ली में सड़क पर सामूहिक नमाज पढ़ी जा रही थी। देश भर में कई स्थानों पर अक्सर इस तरह से नमाज पढ़कर भारत के आम नागरिकों को परेशान करने का प्रयास होता है।**

आज ये प्रश्न बार-बार मतिष्क में कौंध रहा है कि यदि भारत की सड़कों पर नमाज अदा करते मुसलमानों की तरह देश का बहुसंख्यक हिन्दू समाज और अन्य मत-पंथ को माननेवाले भी सड़कों पर प्रार्थना के लिए उतर आएं, तब देश में क्या स्थिति बनेगी? क्योंकि भारत में विविध मत, पंथ और दर्शन इतने अधिक हैं कि यदि प्रति दिवस एक निश्चित समय देकर सभी को सड़कों पर उनके हिसाब से प्रार्थना का अवसर दिया जाएगा तो भी 24 घण्टे उन्हें अपनी ईश्वर आराधना के लिए कम पड़ेंगे। आप सोचिए, यदि इस तरह से देश में सभी को छूट मिलेगी तब क्या होगा? क्या कोई देश की इन सड़कों पर चल पाएगा? क्या कोई बीमार, जरूरतमंद जिसे अपने एक निश्चित समय पर कार्य निष्पादित करने हैं, वे सभी अपने कार्यों को पूरा कर पाएंगे? यदि इन प्रश्नों का उत्तर नहीं है, तब फिर क्यों और किस कानून के अंतर्गत इस्लामिक नमाजियों को सड़क पर प्रार्थना की छूट दी जानी चाहिए? अव्वल तो दिल्ली के इंद्रलोक इलाके में जुमे की नमाज के दौरान जो हुआ, वह नहीं होना चाहिए था। किसी भी पुलिस कर्मी को नमाज पढ़ते समय किसी को भी लात मारकर अपमानित नहीं करना चाहिए । जो हुआ वह बहुत दुखद है। किसी भी सभ्य समाज में इसका कोई समर्थन नहीं करेगा, किंतु यह हुआ क्यों? बार-बार इस तरह की परिस्थितियां बनती ही क्यों हैं, क्या इस पर विचार नहीं होना चाहिए? वस्तुतः यह पहली बार नहीं है कि दिल्ली में सड़क पर सामूहिक नमाज पढ़ी जा रही थी। देश भर में कई स्थानों पर अक्सर इस तरह से नमाज पढ़कर भारत के आम नागरिकों को परेशान करने का प्रयास होता है। अस्पताल जानेवाला समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाता। इस कारण से वक्त पर इलाज नहीं मिलने से कई लोगों की मौत भी हो जाती है। जिस सड़क पर नमाज अदा हो रही है, गलती से भी कोई यदि उस रास्ते पर आ जाए तो वह तय समय पर अपने ऑफिस नहीं पहुंच पाता है, जिसे मिलने के लिए समय दिया हुआ है, उससे तय समय पर नहीं मिल पाता और इस स्थिति में कई बार उसका बड़ा आर्थिक, सामाजिक नुकसान तो होता ही है। नौकरी तक गंवानी पड़ जाती है। बॉस, यही कहता है कि ऑफिस के लिए और पहले क्यों नहीं निकले? उसी रास्ते पर (जहां नमाज पढ़ी जा रही थी) क्यों गए? कोई दूसरा रास्ता चुनते! बार-बार देखा यही जा रहा है कि अचानक से खेल के मैदानों, सार्वजनिक स्थलों पर चारों दिशाओं से भीड़ आने लगती है, खेलते हुए बच्चों और अन्य लोग जो वहां कुछ देर के विश्राम के लिए आए हैं। दौड़-भाग भरी जिंदगी में शांति पाने आए हैं। कोई अपने प्रेमी से एकान्त में बातचीत करने आया है। ऐसे सभी लोगों को इस अचानक से आई इस्लामिक भीड़ के कारण से तत्काल अपना खेल और स्थान छोड़ देना पड़ता है। फिर भले ही उनका इस्लाम में कोई विश्वास न हो। वस्तुतः यहां जबरन उन्हें मजबूर किया जाता है एक सार्वजनिक स्थान से पलायन करने के लिए। जिनका कि संविधानिक हक उन्हें यह अनुमति देता है कि वे जब तक उस स्थान पर बैठने का समय सुनिश्चित किया गया है बिना किसी रोकटोक के बैठ सकेंगे। क्या इन लोगों के साथ हो रहे अन्याय पर इनके संवैधानिक अधिकारों के बारे में भी कोई सोचेगा? ऐसे में यदि कोई अपना स्थान छोड़ने का विरोध करे तो उसे बिना किसी देरी के इस्लाम विरोधी और मुसलमान द्रोही ठहरा दिया जाता है। इस आंकड़े पर भी गौर किया जाना चाहिए कि इंडोनेशिया की आठ लाख मस्जिदों के बाद भारत में सबसे ज्यादा तीन लाख से अधिक मस्जिदें हैं। हालांकि भारत में बनी इन तीन लाख की मस्जिद संख्या पर कई लोगों को एतराज है। क्योंकि कुछ रिपोर्ट यह बताती हैं कि दुनिया में सबसे ज्यादा मस्जिदें भारत में ही हैं, न कि इंडोनेशिया में। लेकिन यहां जो सोचनेवाली बात ये है कि भारत में लाखों मस्जिदें होते हुए भी आखिर यहां के मुसलमान खुले में नमाज क्यों पढ़ते हैं? पूरी दुनिया में जिनका राष्ट्र धर्म इस्लाम है, जबकि वहां भी इतने बड़े पैमाने पर खुले में नमाज नहीं पढ़ी जाती ! क्या यह अप्रत्यक्ष प्रार्थना के नाम पर हर शुक्रवार देश भर में इस्लामिक शक्ति प्रदर्शन तो नहीं किया जा रहा है? भारत तो लोकतांत्रिक देश है, सभी मत, पंथ, धर्म के लोग यहां रहते हैं, लेकिन दुनिया के 57 इस्लामिक देश जो कि पूरी तरह से मजहबी आधार पर प्रोफेट मोहम्मद के बताए रास्ते पर चलने का दावा करते हैं और कुरान पर अपना विश्वास व्यक्त करते हैं, यहां तक कि पूरी दुनिया में इस्लाम जहां से फैला, उन मुस्लिम देशों तक पर सड़कों पर अल्लाह की इबादत करना जुर्म घोषित किया गया है। यहां यदि कोई कानून का पालन करता हुआ नहीं पाया जाता तो उससे बहुत बड़ी राशि सजा के रूप में वसूली जाती है। संयुक्त अरब इमारात (यूएई) इसका एक बड़ा और सशक्त उदाहरण है। इस इस्लामिक देश में सड़क के किनारे बाइक या कार रोककर नमाज पढ़ना अपराध है। ट्रैफिक लॉ नंबर 178 के तहत यह जुर्म है। यहां की पुलिस का कहना है कि सड़क किनारे गाड़ी रोककर नमाज पढ़ने की वजह से सड़क पर चलने वाले बाकी लोगों के लिए खतरा पैदा होता है। इसलिए सड़क किनारे नमाज पढ़ने पर 500 दिरहम यानी 8800 रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। इबादत किसी को परेशान करते हुए नहीं की जानी चाहिए, कुरान भी इसका हक नहीं देता है। अबू धाबी (यूएई) ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के उप निदेशक लेफ्टिनेंट कर्नल सलाह अब्दुल्ला अल हमैरी का कहना है कि मुसलमान सड़क के किनारे नमाज पढ़ने की जगह पेट्रोलिंग स्टेशन, आवासीय क्षेत्रों और श्रमिक शिविरों में बने विश्राम कक्षों और मस्जिदों का उपयोग करें, नहीं तो जुमार्ना देने के लिए तैयार रहें। वे कहते हैं, भले ही उनका देश एक इस्लामिक कंट्री हो, लेकिन राज्य की व्यवस्था में सुशासन रहे और किसी को कोई परेशानी न हो, इसके लिए ही राज्य का कानून है। कहना होगा कि इसलिए ही इस इस्लामिक देश की पुलिस सार्वजनिक स्थलों पर नमाज पढ़ने वालों पर आज जुमार्ना भी लगाती है और जरूरत पड़ने पर सख्ती से पेश आते हुए लाठी भी मारती है। किंतु इस (यूएई) देश की तुलना में भारत में आप ऐसा कुछ भी नहीं कर सकते। यदि थोड़ी भी कोशिश की तो आपको कम्युनल करार कर दिया जाएगा। बार-बार समझाने के बाद भी यदि आप नहीं मानते, सड़क पर ही नमाज अदा करते हैं, तब ऐसे में यदि आपके खिलाफ सांकेतिक ही सही सख्ती बरत दी गई तो समझलीजिए आपका सस्पेंड होना या नौकरी से जाना तय है। आखिर हम ये कौन सा भारत बना रहे हैं ? इबादत के किसी के लिए नियम कुछ और किसी के लिए अन्य कुछ? देश की राजधानी दिल्ली के पास गुरुग्राम से एक वर्ष पूर्व इस तरह की कई खबरें आई थीं, जिसमें कि स्थानीय लोग खुले में नमाज पढ़ने वालों का विरोध कर रहे थे । स्थानीय लोगों का कहना था, अकेले इसी शहर में कुल 22 बड़ी मस्जिदें हैं, फिर भी बड़ी संख्या में मुस्लिम सड़कों और पार्कों को घेर कर नमाज पढ़ते हैं, जिससे उन्हें काफी परेशानी होती है। गुरुग्राम में इस मुद्दे पर कई दिनों तक जबरदस्त हंगामा देखा गया। नमाज के विरोध में अन्य मत, पंथ ने भी सड़कों पर उतर कर अपने धार्मिक आयोजन शुरू कर दिए थे। जिसके बाद हरियाणा सरकार को सख्त निर्णय लेना पड़ा। पश्चिम बंगाल से भी इसी प्रकार की तस्वीरें सामने आती रहती हैं। केरल, तमिलनाड़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों से सड़कों पर सामूहिक नमाज पढ़ते मुसलमानों की तस्वीरें आए दिन सामने आ रही हैं। फिलहाल योगी आदित्यनाथ सरकार ने उत्तर प्रदेश में सड़कों पर होने वाली जुमे की ह्लनमाजह्ल पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया हुआ है। 2019 में जारी एक आदेश को लेकर तत्कालीन पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओ.पी सिंह ने कहा भी था कि ह्लविशेष अवसरों पर जब ज्यादा भीड़ एकत्र होती है, तो जिला प्रशासन द्वारा इसकी अनुमति दी जा सकती है, लेकिन हर जुमे की नमाज के दौरान इस प्रथा को नियमित रूप से करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।ह्ल सभी जिला पुलिस प्रमुखों और अन्य अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सड़कों को अवरुद्ध करके नमाज अदा नहीं की जाए। उत्तर प्रदेश में तो कई मौलवीयों तक ने अपील जारी कर कहा है कि मुसलमान यातायात को बाधित न करें, सड़कों पर नमाज न पढ़ें।

**लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।**

# वायु प्रदूषण का मूल कारण आधुनिक

वायु से आयु है। स्वच्छ वायु आयुवर्धक है। प्रदूषित वायु प्राणलेवा है। ये सब जानते हुए भी वायु प्रदूषण बढ़ाने वाले तमाम अपकृत्य जारी हैं। द्द लेसैंट प्लैनेटरी हेल्थ जर्नल के अध्ययन में चौकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। वायु प्रदूषण के कारण 2000 से 2019 तक प्रतिवर्ष 10 लाख लोगों की जान गई है। सांस सम्बंधी बीमारियां बढ़ी हैं और बीमारियों के कारण लाखों लोगों की मौत हुई है। ऑस्ट्रेलिया की एक यूनिवर्सिटी के शोधकताओं ने दुनिया के लगभग 13000 नगरों में प्रदूषण का विश्लेषण किया है। इस अध्ययन की रिपोर्ट के अनुसार एशिया में मृत्युदर का आंकड़ा काफी चिन्ताजनक है। बताया गया है कि प्रदूषण के कारण मौतों के आंकड़ों में चीन पहले स्थान पर है। भारत में भी वायु प्रदूषण की स्थिति भयावह है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हर साल वायु प्रदूषण के कारण धूल भरा कोहरा दिखाई पड़ता है। वायु प्रदूषण का मूल कारण आधुनिक जीवनशैली है। भारत की परम्परा में वायु को देवता कहा गया है। संस्कृति आधारित जीवन मूल्यों से विचलन वायु प्रदूषण बढ़ाता है। वायु प्राण हैं। प्राण नहीं तो जीवन नहीं। वैदिक परम्परा में वायु अमर देव हैं। वैदिक ऋषि वायु की प्रीति में सराबोर हैं। वे प्राणशक्ति के संचालक हैं लेकिन दिखाई नहीं पड़ते। वायु का रूप नहीं होता। वायु की तीव्र गति आंधी है। आंधी का शोर सुनाई पड़ता है लेकिन वायु का रूप नहीं। कहते हैं, "तीव्र गति अनुभव में आती है लेकिन रूप नहीं। ऋषि वायु का रूप देखने के अभिलाषी हैं। वायु का मानवीकरण रम्य है। ऋषि उन्हें सोम पीने का निमंत्रण देते हैं "वायवा याहि दर्शतेमे सोमा अरंकृता"-दर्शनीय वायु! आओ सोम रस सजाकर रखा गया है।" (ऋग्वेद 1.2.1) प्राण जीवन है। प्राण से प्राणी है। वायु हरेक प्राणी का प्राण हैं लेकिन देवों का प्राण भी वायु ही है "आत्मा देवानां।" (10.10.168.4) बड़ी बात है देवों को भी मनुष्य जैसा बताना। वायु देवों के भी प्राण हैं इसलिए वही विश्व के राजा हैं। (10.168.2) लेकिन हम पटाखा फोड़कर वायु को प्राणलेवा बनाते हैं। सृष्टि में पांच महाभूत हैं। पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। इनमें "वायु" प्रत्यक्ष देव हैं और प्रत्यक्ष ब्रह्म भी। ऋग्वेद (1.90.9) में स्तुति है "नमस्ते वायो, त्वमेव प्रत्यक्ष ब्रहमासि, त्वामेव प्रत्यक्षं ब्रह्म वदिष्यामि। तन्मामवतु-वायु को नमस्कार है, आप प्रत्यक्ष ब्रह्म है, मैं तुमको ही प्रत्यक्ष ब्रह्म कहूंगा। आप हमारी रक्षा करें।" यही मन्त्र यजुर्वेद (36.9) अथर्ववेद (19.9.6) व तैत्तिरीय उपनिषद् (1) में भी जस का तस आया है। ब्रह्म सम्पूर्णता है। आधुनिक ब्रह्माण्ड विज्ञानी भी ब्रह्म में उत्सुक हैं। भारतीय अनुभूति का ब्रह्म अनुभूत है। प्रयोग सिद्ध है। कहते हैं, 'वायु ही सभी भुवनों में प्रवेश करता हुआ हरेक रूप रूप में प्रतिरूप होता है। सभी जीवों में प्राण की सत्ता है, प्राण नहीं तो जीवन नहीं। ऋषि सूर्य आदित्य को देखते हैं। वे भी प्रत्यक्ष देव हैं। प्रश्नोपनिषद में कहते हैं "आदित्य ह वै प्राणौ"- जो आदित्य है, सूर्य है, वही प्राण है। वैदिक पूर्वज वायु को बहुवचन "मरूद्गण" कहते हैं। वे सम्पूर्ण विश्व के प्रति मधु दृष्टि रखते है। ऋग्वेद के एक मंत्र में वे वायु को भी मधुरस से भरा पूरा पाना चाहते हैं-मधुवाता ऋतायते। वृहदारण्यक उपनिषद् के सुन्दर मंत्र में पृथ्वी और अग्नि के प्रति मधुदृष्टि बताने के बाद वायु के लिए कहते हैं "अयं वायुः सर्वेषां भूतानां मध्वस्य"-यह वायु सभी भूतों का मधु (सभी भूतों के पुष्पों से प्राप्त रस) है और सभी भूत इस वायु के मधु है-वायोः सर्वाणि भूतानि मधु। सृष्टि निर्माण के सभी घटक एक दूसरे से अन्तर्सम्बंधित है। वे एक दूसरे के मधु हैं। वे वायु हैं, प्राण हैं, मरूत भी हैं। मरूद्गण धनी, दरिद्र सबको एक समान संरक्षण देते हैं। वैदिक सूक्तों में इन्हें अति प्राचीन भी बताया गया है "हे मरूतो आपने हमारे पूर्वजों पर भी बड़ी कृपा थी" ऋग्वेद के एक और ऋषि अगस्त्य मैत्रवरूणि अतिरिक्त जिज्ञासु है। पूछते हैं "मरूद्गण किस शुभ तत्व से सिंचन करते हैं? कहां से आते हैं? किस बुद्धि से प्रेरित हैं? किसकी स्तुतियां स्वीकार करते हैं?" (1.165.1-2) फिर मरूतों का स्वभाव बताते हैं "वे वर्षणशील मेघों के भीतर गर्जनशील हैं। (1.166.1) वे पर्वतों को भी अपनी शब्द ध्वनि से गुंजित करते हैं, तेज आंधी और पानी का ऐसा काव्य चित्रण अनूठा है।" कहते हैं, "वे गतिशील मरूद्गण भूमि पर दूर-दूर तक जल बरसाते हैं। वे सबके मित्र हैं।" (1.167.4) यहां मरूद्गण वर्षा के भी देवता हैं। ऋग्वेद में मरूतों की स्तुतियां हैं। कहते हैं "आपके आगमन पर हम हर्षित होते हैं, स्तुतियां करते हैं।" (5.53.5) लेकिन कभी-कभी वायु नहीं चलती, उमस हो जाती है। प्रार्थना है "हे मरूतो आप दूरस्थ क्षेत्रो में न रुकें, द्युलोक अंतरिक्ष लोक से यहां आयें।" (5.53.8) ऋषि कहते हैं "रसा, अनितमा कुभा सिंध आदि नदियां वायु वेग को न रोकें।" (वही 10) वे "नदी के साथ पर्वतों से भी यही अपेक्षा करते हैं।" (5.55.7) वायु प्रवाह का थमना ऋषियों को अच्छा नहीं लगता। हम सबको भी वायु का प्रवाह अच्छा लगता है। वायु रुकी तो उमस बढ़ती है। कहते हैं "हे मरूतो आप रात दिन लगातार चलें, सभी क्षेत्रों में भ्रमण करें।" (5.54.4) वायु जगत का स्पंदन है। वे देवता हैं इसीलिए वायु का प्रदूषण नहीं करना चाहिए। वे जीवन हैं, जीवनदाता भी हैं। वाुय से वर्षा है, वायु से वाणी है। गीत-संगीत गंध-सुगंध और मानुष गंध के संचरण का उपकरण भी वायु देव हैं। वायु नमस्कारों के योग्य हैं। भारतीय दृष्टि में वायु प्रकृति की शक्ति है। उनका अध्ययन जरूरी है लेकिन दिव्य शक्ति की तरह उनको प्रणाम भी किया जाना चाहिए। चरक संहिता आयुर्विज्ञान का महाग्रन्थ है। इसके 28वें अध्याय (श्लोक 3) में बताया है "वायुरायुर्बलं वायुवार्यु धार्ता शरीरिणाम"-वायु ही आयु है।

## Social Media Corner

**सच के हक में...**



नए भारत की नमो ड्रोन दीदियों पर हर देशवासी को गर्व है! आज पूरा देश हमारी ड्रोन दीदियों के कौशल का साक्षी बना। जिन्हें हमारी बहन-बेटियों के कौशल पर भरोसा नहीं था, उन्हें देश की सशक्त होती नारीशक्ति की इन तस्वीरों को जरूर देखना चाहिए।

**(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)**



गरीब छात्रों की शिक्षा को लेकर हमारी सरकार शुरू से ही गंभीर रही है। परिवार की आर्थिक स्थिति प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की शिक्षा की राह में रोड़ा ना बने, इसके लिए कई कदम उठाये गए हैं। विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने हेतु छात्रवृत्ति की रकम बढ़ाई गई, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना की शुरूआत हुई तथा सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में विद्यार्थियों को अंग्रेजी माध्यम से मुफ्त शिक्षा का इंतजाम किया गया। इसी क्रम में आज गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड की शुरूआत की गई है, जिसमें प्रतिभाशाली युवा विद्यार्थी, आसानी से 15 लाख तक का शिक्षा ऋण ले सकेंगे। इसके साथ ही, तकनीकी शिक्षा (डिप्लोमा/ बी.टेक/ बी.ई) में किशोरियों की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु मांकी मुण्डा छात्रवृत्ति योजना का शुभारंभ किया गया है। पढ़ेगा झारखंड, आगे बढ़ेगा झारखंड !

**(सीएम चम्पाई सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)**

# विपक्ष को भारी पड़ेगा 'मोदी का परिवार'

20 सितंबर 2018 को कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने राजस्थान में आदिवासी जिले डूंगरपुर के सागवाड़ा में एक जनसभा में एक कहावत का उपयोग करते हुए राफेल मामले में प्रधानमंत्री पर अमर्यादित टिप्पणी की। इस दौरान उन्होंने पीएम पद की गरिमा का खयाल भी नहीं रखा। राहुल गांधी की चौकीदार चोर की टिप्पणी के बाद पूरे देश में इस शब्द को लेकर ही आंदोलन शुरू हो गया था। भाजपा के तमाम नेताओं ने अपने नाम के आगे ह्यमैं भी चौकीदारह्ण जैसे शब्द लिखने शुरू कर दिए थे। बाद में, अपने इस बयान को लेकर राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में बिना शर्त माफी मांगी थी। 3 मार्च 2024 को बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में जन विश्वास महारैली में इंडी अलायंस की रैली में बोलते हुए राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने प्रधानमंत्री मोदी पीएम मोदी के परिवारवाद वाली टिप्पणी का जवाब देते हुए कहा था कि उनकी कोई संतान नहीं है। वो पत्नी के साथ नहीं रहते। कैसे जानेंगे कि परिवार क्या होता है? लालू प्रसाद की आपत्तिजनक टिप्पणी के अगले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तेलंगाना के अदिलाबाद में जनसभा को संबोधित कर रहे थे तो उन्होंने विपक्ष की ओर से उनके परिवार को लेकर किए गए हमले का परोक्ष रूप से जवाब दिया। पीएम ने कहा, ह्यमैं इनके परिवारवाद पर सवाल उठाता हूं, तो इन लोगों ने अब बोलना शुरू कर दिया है कि मोदी का कोई परिवार नहीं है। मैं इनसे कहना चाहता हूं कि 140 करोड़ देशवासी मेरा परिवार हैं। जिनका कोई नहीं है, वो भी मोदी के हैं और मोदी उनका है। मेरा भारत ही मेरा परिवार है। पीएम मोदी की ओर से पूरे देश को अपना परिवार बताए जाने के कुछ देर बाद ही भाजपा ने नए अभियान की शुरूआत कर दी। अभियान का नाम दिया गया ह्यमोदी का परिवार ह्ण फिर क्या था बीजेपी के तमाम आला नेताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपना बॉयो बदल दिए। वास्तव में, लालू के हमले को ही मोदी ने हथियार बनाते हुए अपने चुनावी अभियान में शामिल कर लिया। साल 2019 में भी पीएम मोदी ने विपक्ष के हमले से ही एक ऐसा हथियार निकाला और इस तरह अभियान चलाया कि राहुल गांधी और कांग्रेस की सारी कोशिशें ध्वस्त हो गई थीं और भारतीय जनता पार्टी 2014 की तुलना में बड़ी जीत के साथ सत्ता में वापसी की थी। 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान पीएम मोदी ने एक्स पर अपने बॉयो में ह्यमैं भी चौकीदारह्ण लिखकर इस अभियान की शुरूआत की थी। यह अभियान तेजी से वायरल हो गया और बड़ी संख्या में बीजेपी के छोटे-बड़े नेताओं ने अपनी बॉयो में ह्यमैं भी चौकीदारह्ण लिखना शुरू कर दिया। गली-गली पोस्टर लग गए। सिर पर टोपी आई जिस पर लिखा था- मैं भी चौकीदार। हर बड़ी हस्ती खुद को चौकीदार बताने लगी थी। चायवाला बनकर अगर पीएम रिक्शा, रेहड़ी-पटरी वाले तबके से जुड़ते हैं तो ह्यमैं भी चौकीदारह्ण से उन्होंने एक बड़े तबके को खुद से जोड़ने की कोशिश की। वो प्रयोग सफल रहा। यह अभियान चुनाव खत्म होने तक जारी रहा। 2019 में जहां मैं भी चौकीदार नारा चर्चा में आया था तो वहीं अबकी बार मोदी का परिवार सुर्खियों में है। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले इस बार विपक्ष ने फिर से वही गलती कर दी है। 2014 के चुनाव में कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने पीएम मोदी पर एक और हमला किया था। अय्यर ने कहा था कि वो चायवाला क्या प्रधानमंत्री बनेगा। इस बयान पर भाजपा कांग्रेस पर लगातार हमलावर रही थी। पीएम ने अय्यर की टिप्पणी पर जवाब अपने ही अंदाज में दिया था। मोदी ने चुनावी कैंपेन के दौरान खुद को चायवाला बताकर कांग्रेस पर तीखे प्रहार किए थे। इस बयान को मुद्दा बनाया गया था और चाय पर चर्चा कार्यक्रम रखे गए थे।

## कोशिका संवाद

हमारा शरीर कोशिकाओं का समूह है और कोशिकाएं परस्पर संवाद करती हैं, यह धारणा पुरानी है और अब वैज्ञानिक इस धारणा का वैज्ञानिक आधार भी सुनिश्चित करने की दिशा में पुख्ता तौर पर आगे बढ़ चले हैं। नेचर में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, हमारे शरीर में मौजूद प्रतिरक्षा और स्ट्रोमल कोशिकाओं के बीच परस्पर संवाद होता है, जिसे समझने की विधि का और विकास हुआ है। प्रतिरक्षा कोशिकाएं स्ट्रोमल कोशिकाओं का सहयोग करती हैं और स्ट्रोमल कोशिकाएं भी प्रतिरक्षा या इम्यून कोशिकाओं के साथ मिलकर काम करती हैं। इम्यून कोशिकाएं, मतलब रोग प्रतिरोधक कोशिकाओं के बारे में हम ज्यादा जानते हैं, पर स्ट्रोमल कोशिकाओं के बारे में जानना दिलचस्प है। ये ऐसी कोशिकाएं हैं, जो सहज शब्दों में अगर समझें, तो ये शरीर में मरम्मत के काम करती हैं। ये अंग संयोजक कोशिकाएं हैं और पूरे शरीर में पाई जाती हैं और कुछ ऐसे अंगों में, जहां कोशिकाओं के निर्माण की लगातार जरूरत है, ये ज्यादा रहती हैं। स्ट्रोमल कोशिकाओं के काम को हम समझें, तो त्वचा को देखना उपयोगी होगा। नई त्वचा नीचे से स्वतः ही ऊपर आकर ऊपरी त्वचा का स्थान लेती है, यह कार्य मुख्यतः स्ट्रोमल कोशिकाओं के मार्फत होता है। अनेक अमेरिकी विश्वविद्यालयों के संयुक्त प्रयास से यह शोध संभव हुआ है और इसमें सबसे प्रमुख भूमिका रॉकफेलर यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञों की है। वैज्ञानिकों का एक पूरा समूह कोशिकाओं के बीच संवाद को समझने की कोशिश में लगातार जुटा हुआ है और नित नए रहस्योद्घाटन हो रहे हैं। बहरहाल, इम्यून और स्ट्रोमल कोशिकाओं के संवाद से शरीर में जरूरी कोशिकाओं के निर्माण को बल मिलता है। विशेष रूप से सूजन या जलन होने पर इनका संवाद बहुत बढ़ जाता है और स्ट्रोमल कोशिकाएं कुछ ज्यादा ही सक्रियता से अपने काम को अंजाम देने लगती हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

# दुनिया की सबसे व्यस्त एयरलाइंस में से 4 अमेरिकी एयरलाइंस

## - रोजाना फ्लाइट्स के हिसाब से इंडिगो आठवें नंबर पर

**नई दिल्ली ।** भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो है। यह रोजाना 1,900 से ज्यादा उड़ानें संचो लित करती है लेकिन दुनिया में रोजाना फ्लाइट्स के हिसाब से देखें तो इंडिगो आठवें नंबर पर है। दुनिया की सबसे बिजी एयरलाइंस में से 4 अमेरिका की हैं। हाल ही में वर्ल्ड ऑफ स्टेटिस्टिक्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दुनिया में सबसे ज्यादा एक्टिव एयरलाइंस की एक सूची जारी की है। रेडर बॉक्स के हवाले से वर्ल्ड ऑफ स्टेटिस्टिक्स ने बताया है कि अमेरिकन एयरलाइन दुनिया की सबसे बिजी एयरलाइन है। इस सूची में अमेरिकन एयरलाइन, डेल्टा एयरलाइंस, यूनाइटेड एयरलाइंस, साउथवेस्ट एयरलाइंस, चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस, चाइना साउदर्न एयरलाइंस, रायनएयर, इंडिगो, बीजिंग एयरलाइंस और टर्किश एयरलाइंस शामिल हैं। डेली फ्लाइट्स के हिसाब से एक्टिव एयरलाइंस की इस लिस्ट में पहले नंबर पर अमेरिकन एयरलाइन है। यह कंपनी रोज 5,648 फ्लाइट्स ऑपरेट करती है। दुनिया की दूसरी सबसे बिजी एयरलाइन अमेरिका की डेल्टा एयरलाइंस है। यह कंपनी रोजाना 4,288 फ्लाइट ऑपरेट करती है। तीसरे पायदान पर अमेरिका की ही यूनाइटेड एयरलाइंस रोजाना 4,042 ऑपरेट करती है। अमेरिका की साउथवेस्ट एयरलाइंस रोजाना 3,717 फ्लाइट्स ऑपरेट करती हैं। इस तरह प्रमुख -4 में अमेरिका की एयरलाइन कंपनियां हैं। इस सूची में पांचवें और छठे नंबर पर क्रमशः चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस रोजाना 2,379 फ्लाइट्स और चाइना साउदर्न एयरलाइंस रोजाना 2,326 फ्लाइट्स है। रोजाना 2,227 फ्लाइट्स के साथ एक्टिव एयरलाइंस की सूची में आयरलैंड की रायनएयर सातवें स्थान पर है। इस सूची में आठवें पायदान पर इंडिगो है। यह भारत की इकलौती

एविएशन कंपनी है जो प्रमुख -10 सूची में शामिल है। यह प्रतिदिन 1,940 फ्लाइट्स का संचालन करती है। एक्टिव एयरलाइंस की सूची में बीजिंग एयरलाइंस नौवें नंबर पर है। यह रोजाना 1,657 फ्लाइट्स को संचालित करती हैं। रोजाना 1,446 फ्लाइट्स के साथ एक्टिव एयरलाइंस की सूची में टर्किश एयरलाइंस दसवें स्थान पर है।

# कमजोर मांग और सप्लाई घटने से चढ़ेगा बिटकॉइन

**नई दिल्ली ।**

पिछले एक साल में बिटकॉइन की कीमत 24,327 डॉलर से चढ़कर लगभग 52,088 डॉलर तक पहुंच गई है। इस क्रिप्टोकरेंसी में निवेश से अब भी मुनाफा मिल सकता है। बिटकॉइन के दाम बढ़ने की सबसे बड़ी वजह इसके हाजिर एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) को मंजूरी मिली है। इन्हें अमेरिका में मंजूरी मिली है और संस्थागत निवेश भी अच्छा-खासा हो रहा है। बाजार के जानकार कहते हैं कि ब्लैकरॉक और फिडेलिटी जैसी संस्थाओं को हाजिर ईटीएफ के लिए वास्तविक बिटकॉइन खरीदने पड़ रहे हैं। इतने बड़े फंड रोजाना खरीद कर रहे हैं, इसलिए कीमतें चढ़ती जा रही हैं। अप्रैल में उत्पादन में कटौती भी होने जा रही है, जिसकी वजह से बिटकॉइन महंगा हो रहा है। आम तौर पर एक-दो साल तक मंदी रहने के बाद हाविंग इवेंट का इंतजार होने लगता है। इसमें बिटकॉइन के उत्पादन की दर घटाकर आधी कर दी जाती है और सप्लाई एक झटके में कम हो जाती है। फिलहाल रोजाना करीब 900 नए बिटकॉइन तैयार किए जाते हैं और हाविंग के बाद इनकी संख्या घटकर 450 रोजाना ही रह जाएगी। हाजिर बिटकॉइन ईटीएफ से अभी हर हफ्ते औसतन 5,000 बिटकॉइन की मांग आ रही है। सप्लाई घटेगी और मांग बढ़ेगी तो बिटकॉइन की कीमत में और भी उछाल आना स्वाभाविक है। यह भी माना जा रहा है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व इस साल ब्याज दरों में कटौती कर सकता है।

# अडाणी समूह की 60 हजार करोड़ निवेश की योजना

## 10 साल में 7 हवाई अड्डों की क्षमता में होगा विस्तार

**नई दिल्ली ।**

अदाणी समूह अगले 5 से 10 सालों के बीच 7 हवाई अड्डों के विस्तार के लिए 60,000 करोड़ रुपये के निवेश की योजना बना रहा है। समूह की योजना इन हवाई अड्डों की क्षमता में विस्तार कर कंपनी की आय बढ़ाना है। अदाणी एयरपोर्ट्स होल्डिंग्स के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि अगले पांच सालों में एयरसाइड पर 30,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जबकि उसके अगले पांच से 10 सालों में सिटीसाइड के लिए 30,000 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे। मौजूदा समय में अदाणी एयरपोर्ट्स होल्डिंग्स के पास 7 एयरपोर्ट्स हैं- जिसमें मुंबई, अहमदाबाद, लखनऊ, मंगलुरु, गुवाहाटी, जयपुर और तिरुवनंतपुरम शामिल हैं। बता दें कि एयरपोर्ट के दो साइड होते हैं- एयरसाइड और सिटीसाइड। एयरसाइड में एयरक्रॉफ्ट्स का आना-जाना यानी अराइवल और डिपॉर्चर होता है, जिसमें रनवे, कंट्रोल टॉवर्स, एयरक्रॉफ्ट मेंटिनेंस और रिफ्यूलिंग जैसी सभी सुविधाएं शामिल होती हैं।

वहीं सिटीसाइड एयरपोर्ट कमर्शियल बेनिफिट के लिए बनाए जाते हैं। इसके तहत पैसेंजर्स के फायदे के लिए हवाई अड्डे के चारों ओर कमर्शियल फैसिलिटीज बनाई गई हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो एयरसाइड हवाई अड्डे का वह सुरक्षित क्षेत्र है जहां केवल बोर्डिंग पास वाले यात्री पहुंच पाते हैं, जबकि सिटीसाइड या लैंडसाइड हवाई अड्डे का सार्वजनिक क्षेत्र है जो किसी के लिए भी पहुंच योग्य है।

# सरकार ने चीनी स्मार्टफोन कंपनियों पर कुछ सख्त नियम लागू किए

**नई दिल्ली ।**

पिछले कुछ सालों में भारत में चीनी स्मार्टफोन कंपनियों की बढ़ती शक्ति और प्रभाव को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं।

इन कंपनियों पर मनी लॉन्ड्रिंग, सीमा शुल्क चोरी और आयकर चोरी जैसे कई गंभीर आरोप लगे हैं। इन आरोपों के परिणामस्वरूप सरकार ने इन कंपनियों पर छापेमारी की है और उनके बैंक खातों को सील कर दिया है। इन चिंताओं को दूर करने के लिए सरकार ने चीनी स्मार्टफोन कंपनियों पर कुछ सख्त नियम लागू किए हैं, जिनमें सरकार की सबसे पहली और महत्वपूर्ण मांग यह है कि चीनी स्मार्टफोन ब्रांडों का प्रबंधन भारतीय हो।

इसका मतलब है कि कंपनी के प्रमुख अधिकारियों, जैसे कि सीईओ, सीओओ, सीएफओ और सीटीओ, भारतीय नागरिक होने चाहिए। दूसरा है भारतीय वितरक होना।

इसके जरिए सरकार का उद्देश्य भारत में वितरण संरचना को लोकल बनाना है। ईटी की रिपोर्ट के अनुसार पहले चीनी स्मार्टफोन कंपनियों के पास प्रत्येक राज्य में एक या दो चीनी स्वामित्व वाली और प्रबंधित वितरण कंपनियां थीं, जिन्हें एजेंट कहा जाता था। एजेंट स्थानीय वितरकों के माध्यम से खुदरा विक्रेताओं तक सामान पहुंचाते थे।

अब वीवो ने दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में अपने एजेंटों को खत्म कर दिया है और इन राज्यों के लिए भारतीय वितरकों को नियुक्त किया है। कंपनी की ओर से यह बदलाव अन्य राज्यों में भी किया जाएगा।

# चीन की बराबरी पर आया भारत, शेयर बाजार में ट्रेड के दिन ही होगा सेटलमेंट

## सेबी की चेयरमैन माधवी पुरी बुच ने किया ऐलान

**मुंबई ।**

मार्केट रेगुलेटर सेबी की चेयरमैन माधवी पुरी बुच ने 11 मार्च को टी+0 सेटलमेंट को लेकर बड़ा ऐलान किया है। एक कायर्क्रम में शिरकत करते हुए उन्होंने कहा कि भारत में 28 मार्च से टी+0 ट्रेड साइकिल सेटलमेंट ऑप्शनल तौर पर शुरू हो जाएगा। टी+0 सेटलमेंट का मतलब सौदे का उसी दिन निपटारा यानी ट्रेड के दिन ही सेटलमेंट होगा है।

गौरतलब है कि अभी भारत में टी+1 सेटलमेंट लागू है। इसके तहत जब आप शेयर बाजार में कोई चीज खरीदते या बेचते हैं, तब सब कुछ कंपलीट होने में एक दिन का समय लगता है। यानी अगर आपने आज शेयर खरीदा या बेचा है, तब उसका सेटलमेंट कल तक होगा। लेकिन जब टी+0 सेटलमेंट लागू हो जाएगा तब सारा सेटलमेंट उसी दिन होगा।

बुच ने कहा कि तत्काल निपटान ट्रेड साइकल भी 2025 तक पूरा हो जाएगा। इसके पूरा होते ही बाद से जैसे ही शेयरों की खरीदारी या बिक्री होगी, वैसे ही उसका सेटलमेंट भी हो जाएगा।सेबी चेयरमैन पुरी ने कहा कि मार्केट रेगुलेटर की तेजी का सबसे बड़ा कारण क्रिप्टोकरेंसी जैसे विकल्पों के बढ़ने की वजह से है। बता दें कि क्रिप्टोकरेंसी में सौद का निपटान हर घंटे हो जाता है, जिससे निवेशक बिना रिस्क की परवाह किए उसकी ओर ज्यादा भागने लगे हैं। अभी तक पूरी दुनिया के शेयर बाजारों में कम से कम टी+2 सेटलमेंट साइकल को फॉलो किया जाता है। लेकिन एशिया के दो देश हैं, जो इससे भी फास्ट हो चुके है। और वे हैं भारत और चीन। चीन इस समय टी+0 सेटलमेंट साइकल को फॉलो कर रहा है जबकि भारत टी +1 अगर भारत में टी +0 सेटलमेंट साइकल लागू होती है, तब यह सिर्फ चीन के बराबर पहुंच जाएगा।

## कच्चा तेल 82 डॉलर, पेट्रोल-डीजल स्थिर

**नई दिल्ली ।** वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत में कुछ गिरावट देखी जा रही है। ब्रेंट क्रूड 82 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने सोमवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। वै श्विक बाजार में हफ्ते के पहले दिन ब्रेंड क्रूड 0.51 डॉलर की गिरावट के साथ 81.57 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.54 डॉलर फिसलकर 77.47 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

## बायजू ने 25 फीसदी कर्मचारियों को दिया पूरा वेतन

**मुंबई ।** एडटेक कंपनी बायजू ने कम 25 फीसदी कर्मचारियों को पूरा वेतन जारी कर दिया है। सूत्रों ने यह कहा कि बाकी कर्मचारियों को आंशिक भुगतान किया गया है। बायजू के प्रबंधन ने कर्मचारियों को भेजे पत्र में कहा कि वैकल्पिक कोष व्यवस्था के जरिए वेतन भुगतान किया गया है। इससे पहले बायजू के संस्थापक बायजू रवींद्रन ने कहा था कि बायजू अपने कर्मचारियों को वेतन नहीं दे पा रहा है। राइट्स इश्यू से हमने जो पैसा जुटाया था, वह निवेशकों के साथ विवाद के चलते एक अलग अकाउंट में लॉक है। बायजू अपने कर्मचारियों को अब तक फरवरी की सैलरी नहीं दे पाई है। एनसीएलटी की बेंगलुरु बेंच ने बायजू को आदेश दिया था कि जब तक निवेशकों के साथ विवाद का समाधान नहीं हो जाता है जब तक कंपनी को राइट्स इश्यू से जुटाए गए फंड को एक अलग अकाउंट में रखना होगा। रवींद्रन ने कर्मचारियों को लिखे एक पत्र में कहा था कि हमने इस बारे में कई प्रयास किए, लेकिन हमारे पास कोई विकल्प नहीं है। हम प्रयास कर रहे हैं कि 10 मार्च तक कर्मचारियों को उनका वेतन मिल जाए। कभी देश की सबसे वैल्यूएबल स्टार्टअप में शामिल एडटेक कंपनी बायजू की मुश्किलें काफी बढ़ चुकी हैं।

## कई देशों ने भारत से रुपये में व्यापार करने की इच्छा जताईः गोयल

**नई दिल्ली ।** बांग्लादेश, श्रीलंका और खाड़ी क्षेत्र के देशों सहित कई विकसित और विकासशील देशों ने कहा है कि वह भारत के साथ रुपये में व्यापार करने के इच्छुक है। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत के साथ साझेदारी करने से कारोबार के लिए लेनदेन की लागत में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि इस कदम से भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार की दिशा में एक बड़ा बदलाव हो सकता है। उन्होंने एक साक्षात्कार में बताया कि बांग्लादेश, श्रीलंका पहले ही इस विषय में हमसे बात कर रहे हैं। खाड़ी क्षेत्र के दूसरे देश भी इस पर विचार कर रहे हैं। मुझे लगता है कि समय के साथ लोगों को इसके लाभ की जानकारी मिलेगी। गोयल ने कहा कि इस पहल में विकसित देश और सुदूर पूर्व के देश भी शामिल हो रहे हैं। सिंगापुर पहले ही कुछ हद तक इसमें शामिल है। मंत्री ने कहा कि धीरे-धीरे देशों को यह एहसास हो रहा है कि घरेलू मुद्रा में व्यापार करने के कई फायदे हैं। इसलिए कई देश अब अपनी स्थानीय मुद्रा और रुपये के बीच सीधा लेनदेन शुरू करना चाहेंगे। गोयल ने कहा कि धीरे-धीरे यह बात समझ में आ रही है कि सभी लेनदेन को तीसरी मुद्रा में बदलने से उसकी लागत में काफी वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि हमने यूएई से शुरुआत की। यूएई इसे स्वीकार करने वाले पहले देशों में से एक था। अब इसमें तेजी आ रही है। कई देश हैं, जो हमसे स्थानीय मुद्रा और रुपये में सीधे लेनदेन शुरू करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यह ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें समय लगता है। इसमें एक ढांचा तैयार करने के लिए दोनों देशों के केंद्रीय बैंकों को शामिल किया जाता है और फिर इसे आयातक और निर्यातक मंजूरी देते हैं।

# शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

## सेंसेक्स 616, निफ्टी 160 अंक गिरा

**मुम्बई ।**

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही रिलायंस, टाटा मोटर्स और बैंकिंग शेयरों में बिकवाली हावी होने से आयी है। भारत और अमेरिका में महंगाई और आईआईपी के आंकड़ें आने हैं। इस कारण भी निवेशकों ने आज खरीददारी में सतर्कता बरती। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सूचकांक 616.75 अंक करीब 0.83 फीसदी नीचे आकर 73,502.64 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 160.90 अंक तकरीबन 0.72 फीसदी टूटा। निफ्टी दिन के अंत में 22,332.65 अंक पर बंद हुआ। इस दौरान आपोलो अस्पताल , नेस्टले इंडिया , सिप्ला, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस और बजाज फिनसर्व के शेयर सबसे अधिक ऊपर आये। .

वहीं दूसरी ओर टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट , पावर ग्रिड कारपोरेशन , टाटा स्टील , बजाज ऑटो और एसबीआई के शेयर सबसे नीचे रहे।

वहीं अधिकर लार्जकैप शेयर लाल नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए, इसमें टाटा स्टील, पावर ग्रिड, एसबीआई, एचयूएल, टाटा कंज्यूमर, बजाज ऑटो, इंडसइंड बैंक, टाटा मोटर्स और एनटीपीसी के शेयर 1 से 3 फीसदी नीचे आये।

वहीं एसबीआई के शेयर नीचे आये। आज के कारोबार में एसबीआई के 788.65 रुपये के भाव पर खु खुलने के बाद इंट्राडे में बैंक का करीब 2 फीसदी नीचे आया। वहीं विदेशी पोर्टफोलियो

निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च में अब तक भारतीय शेयर बाजारों में 6,139 करोड़ रुपये का निवेश किया है। मजबूत आर्थिक वृद्धि, बाजार की मजबूती तथा अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट के चलते एफपीआई के बीच भारतीय शेयरों का आकर्षण बना हुआ है।

इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजार से मिले कमजोर संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन घरेलू बाजार में गिरावट रही। सेंसेक्स 100 अंक से ज्यादा लुढ़क गया। वहीं निफ्टी में भी 21 अंक की मामूली गिरावट देखी गयी।` फिलहाल बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 102.80 अंक की गिरावट के साथ 74,016.59 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 21.20 अंक की मामूली गिरावट देखी जा रही है। निफ्टी 22,472.35 अंक पर कारोबार कर रहा है।

## मिड कैप, स्मॉल कैप फंडों में निवेश जारी रहने का अनुमानः विशेषज्ञ

**नई दिल्ली ।** विशेषज्ञों ने कहा है कि स्मॉल-कैप और मिड-कैप फंडों में में निकासी का कोई चिंताजनक संकेत नहीं दिख रहा है। उन्होंने कहा कि चिंताओं के बावजूद बेहतर प्रतिफल की चाहत में इन फंडों में निवेश जारी रहने का अनुमान है। सेबी ने पिछले महीने के ओ खिरी अंत में म्यूचुअल फंड कंपनियों से कहा था कि वे उन निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए एक रूपरेखा बनाए, जिन्होंने स्मॉल कैप और मिड कैप फंडों में निवेश किया है। पिछली कुछ तिमाहियों में इन योजनाओं में भारी निवेश के कारण सेबी ने यह कदम उठाया। मिड कैप म्यूचुअल फंड ने कुल मिलाकर 2023 में लगभग 23,000 करोड़ रुपये जुटाए, जबकि स्मॉल कैप योजनाओं के लिए यह आंकड़ा 41,000 करोड़ रुपये से अधिक था। इससे पहले 2022 में मिड कैप फंडों ने 20,550 करोड़ रुपये और स्मॉल कैप फंडों ने 19,795 करोड़ रुपये जुटाए थे। दूसरी ओर लार्ज कैप म्यूचुअल फंडों में 2023 के दौरान लगभग 3,000 करोड़ रुपये की निकासी हुई। बाजार` विशेषज्ञों ने कहा कि चेतावनियों के बावजूद मिड कैप और स्मॉल कैप फंडों में निवेश जारी रहने का अनुमान है। फिलहाल निकासी का कोई चिंताजनक संकेत नहीं है। अल्पावधि में स्मॉल कैप और मिड कैप खंड में कुछ गिरावट हो सकती है, लेकिन इन योजनाओं में निवेशकों की दिलचस्पी बनी रहेगी।

# नेपाल में भारतीय पर्यटकों को नहीं करना होगा करेंसी एक्सचेंज

## - नेपाली मर्चेंट को यूपीआई के जरिए किया जा सकेगा भुगतान

**मुंबई ।**

नेपाल जाने वाले भारतीय पर्यटकों को अब पड़ोसी देश नेपाल में करेंसी एक्सचेंज की जरूरत नहीं होगी। दरअसल, नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने हाल ही में कहा कि यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) अब पड़ोसी देश नेपाल में भी उपलब्ध है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि यूपीआई यूजर्स नेपाली मर्चेंट को क्यूआर कोड स्कैन करके पेमेंट कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले साल सितंबर में एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स (एनआईपीएल) और नेपाल के सबसे बड़े पेमेंट नेटवर्क फोनेपे पेमेंट सर्विस के बीच एक समझौता हुआ था। इसके तहत ही पड़ोसी देश में यूपीआई से पेमेंट शुरू हुआ है। बयान में कहा गया कि अपने पहले चरण में भारतीय यूजर्स यूपीआई-इनेबल ऐप का इस्तेमाल करके नेपाल के विभिन्न व्यावसायिक दुकानों में तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक यूपीआई पेमेंट कर सकेंगे। फोनपे नेटवर्क में शामिल मर्चेंट भारतीय ग्राहकों से यूपीआई पेमेंट ले सकते हैं। एनआईपीएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह पहल न केवल डिजिटल पेमेंट सेक्टर में इनोवेशन करने की हमारी प्रतिबद्धता को, बल्कि ट्रेड के लिए नए रास्ते बनाने और दोनों देशों के बीच संबंधों को

मजबूत करने के लिए हमारे समर्पण को भी दर्शाती है। अधिकारी ने कहा कि मुझे भरोसा है कि यह क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट सॉल्यूशन दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों, कॉमर्स और टूरिज्म में उल्लेखनीय सुधार करेगा।

## एफपीआई ने 5 साल में शेयर बाजार से निकाले 3.5 लाख करोड़

**मुंबई ।** भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशक जितने पैसा निवेश करते हैं, उससे ज्यादा निकाल लेते हैं। फिर भी बाजार में रौनक बरकरार है। इसकी वजह घरेलू निवेशक हैं, 2023 में विदेशी निवेशकों ने रोज औसतन 45 करोड़ रुपए निकाले लेकिन घरेलू निवेशकों ने करीब नौ गुना ज्यादा 397 करोड़ रुपए डाले। 2018 में विदेशी निवेशक रोज औसतन 201 करोड़ रुपए निकाल रहे थे और हम 300 करोड़ रुपए निवेश रहे थे। पांच सालों में विदेशी निवेशकों ने कुल 3.5 लाख करोड़ रुपए शेयर बाजार से निकाले और इसी दौरान घरेलू निवेशकों ने 6.7 लाख करोड़ रुपए निवेश किए। एनएसई में सूचीबद्ध कंपनियों में घरेलू संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी दिसंबर 23 में 15.96 फीसदी तक बढ़ गई, जो दिसंबर 18 में 13.77 फीसदी थी। इसी दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी 19.66 फीसदी से घटकर 18.19 फीसदी पर आ गई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने मार्च में अब तक भारतीय शेयर बाजारों में 6,139 करोड़ रुपए डाले हैं। मजबूत आर्थिक वृद्धि, बाजार की मजबूती तथा अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट के चलते एफपीआई के बीच भारतीय शेयरों का आकर्षण बना हुआ है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार इससे पहले फरवरी में उन्होंने शेयरों में 1,539 करोड़ रुपए डाले थे। वहीं जनवरी में उन्होंने 25,743 करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे।

## अडाणी ने गुजरात में 1,000 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन शुरू किया

**नई दिल्ली ।** अडाणी ग्रीन एनर्जी (एजीईएल) ने सोमवार को कहा कि उसने गुजरात के खावड़ा आरई पार्क में 1,000 मेगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन शुरू किया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इसके साथ एजीईएल की कुल परिचालन क्षमता बढ़कर 9,478 मेगावाट हो गई है। कंपनी 2030 तक 45,000 मेगावाट क्षमता के अपने घोषित लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। बयान में कहा गया कि एजीईएल ने खावड़ा में काम शुरू करने के बाद 12 महीने से भी कम समय में 1,000 मेगावाट की उत्पादन क्षमता तैयार की।

# हॉट सीजन में पाएं साफ्ट स्कीन

धूप के कारण त्वचा में सांवलापन आ जाता है। गर्मियों में त्वचा संबंधित बिमारियों से बचाव के लिए दोपहर के समय जंहा तक हो धूप से बचना चाहिए। बाहर जाते समय चेहरे, हाथों आदि को ढक कर जाना चाहिए। कॉटन की ड्रेस पहननी चाहिए। ऐसे कपड़े जो पसीने को सोख सकें। बाहर जाते समय सनस्क्रीन का प्रयोग करना चाहिए। अच्छी कंपनी का स्क्रब हल्के हल्के प्रयोग करें। मुलतानी मिट्टी में नींबू और मलाई मिलाकर फेसपैक लगाएं।

**प्रोफेशनलः** गर्मियां में त्वचा में नमी डर्मिस इपिडर्मिस तक रुकावट होती है। इसमें भी त्वचा में दाने होते हैं। लेकिन त्वचा की अन्य बीमारी की तरह पस्ट्यूल्स नहीं बनते। घमोरियों होने पर।

सामान्यतः गर्मी वाले स्थानों से बचना चाहिए। ठंडे पानी से नहाना चाहिए।

बचाव का तरीका यही है कि खुद को ढांक कर रखा जाए लेकिन अगर इसका सामना करना पड़े तो गुलब जल में बर्फ की क्यूब्स डालकर हल्के हाथों से फिराने पर फायदा होता है।

## गर्मियों का विशेष फेसपैक

नीम के पत्ते, नींबू के छिलके, संतरे के छिलके, मौसंबी के छिलके और तुलसी के पत्तों को सूखा लें, 8 बादाम, 8-10 रेशा केसर, 1 चम्मच हल्दी पाउडर, 5 चम्मच मुलतानी मिट्टी, 1 चम्मच चंदन पाउडर,1 चम्मच सफेद चंदन पाउडर यह सभी को मिलाकर मिक्सर में चलाकर फेसपैक का मिश्रण बनाकर एक बाटल में भर कर रखें। सूखी त्वचा हो तो फेसपैक में बेबी आयल और दूध मिलाकर पेस्ट बनाएं और 5 मिनट तक गलाकर लगाएं व दस मिनट बाद धो लें। अगर त्वचा तैलीय हो तो फेसपैक में गुलाबजल मिलाकर पेस्ट बनाएं और 5 मिनट तक गलाकर लगाएं व दस मिनट बाद धों लें। इससे आपके कील, फुंसियां काले दाग, आंखों के काले घरे भी दूर हो जाएंगे। आपकी त्वचा गौरी, मुलायम और चमकदार बनकर निखरने लगेगी गर्मियों का विशेष फेसपैक है इसमें आप तपते मौसम में भी कूल रह सकते हैं।

## सेहत के साथ सौन्दर्य भी

कोहनियों पर लगा लें, इससे कालापन दूर हो जाएगा।

- गाजर का रस आधा गिलास खाली पेट सुबह शाम लेने से एक महीने में रंग निखरने लगता है।

- दही से सिर धोने से केश मुलायम, घने, काले और चमकदार तथा लंबे होते हैं।

- दो छोटे चम्मच बेसन में आधी छोटी चम्मच हल्दी मिलाकर फेंटें। फिर इस लेप में दस बूंद गुलाब जल व दस बूंद नींबू मिलाकर फेंटे। स्नान से पूर्व इस लेप को चेहरे पर मलें। आधे घंटे बाद चेहरा धो लें। आपका चेहरा खिला-खिला रहेगा और दाग-धब्बे भी मिट जाएंगे।

- हाथ पैर एवं चेहरे का सौंदर्य बढ़ाने में दही सर्वोत्तम है। दो बड़े चम्मच दही लेकर हाथ पैर एवं चेहरे पर मलें। दस मिनट उपरांत धो लें। आपकी त्वचा चिकनी एवं साफ हो जाएगी। यह प्रयोग तीन हफ्ते तक करने के बाद अपने चेहरे का निखार आप खुद महसूस करने लगेंगे।

- रोजाना सुबह शाम खाना खाने के बाद थोड़ी माता में सौंफ खाने से खून साफ होने लगता है और त्वचा की रंगत बदलने लगती है।

यदि आप अपनी सांवली रंगत से परेशान हैं और तरह-तरह के कॉस्मेटिक का उपयोग करने, नुस्खे अपनाने के बाद भी लाभ नहीं हो रहा है तो आप इन घरेलू तथा सस्ते नुस्खों को अपनाकर फायदा प्राप्त कर सकते हैं। सांवलापन दूर करने में ये नुस्खे काफी कारगर साबित होंगे। इतना ही ये नुस्खे आपकी सेहत के लिए भी मुफीद हैं।

- एक बाल्टी ठण्डे या गुनगुने पानी में दो नींबू का रस मिलाकर गर्मियों में कुछ महीने तक नहाने से त्वचा का रंग निखरने लगता है। इससे त्वचा संबंधी अन्य बीमारियों में भी लाभ होता है।

- रोज आंवले का मुरब्बा खाएं, दो या तीन महीनों में ही आपका रंग निखरने लगेगा।

- कोहनियों का कालापन साफ करने के लिए गुलाब जल व ग्लिसरीन में नींबू रस मिलाकर लोशन तैयार करें। इस लोशन को पांच मिनट तक धूप में रखें। फिर

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेंष** चू चे चो ला ली लू ले लो आ

योजना क्रियान्वयन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। आत्मचिंतन करे। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-5-7-9

**वृष** इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते है। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-4-6-8

**मिथुन** का की कू घ ड छ के को हा

लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-5-7-9

**कर्क** ही हू हे हो डा डी डू डे डो

सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-2-5-8

**सिंह** मा मी मू मे मो टा टी टू टे

अपने हितैषी ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-1-3-5

**कन्या** टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

बुरी संगति से बचे। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-3-5-7

**तुला** रा री रु रे रो ता ती तू ते

कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-8

**वृश्चिक** तो ना नी नू ने नो य यी यू

नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यसनों का त्याग करें. संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-6-7-8

**धनु** ये यो मा मी मू धा फा ढा मे

कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंग। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ होगा। शुभांक-1-4-6

**मकर** मे जा जी खी खू खे खो गा गी

भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-6-7

**कुंभ** गू गे गो सा सी सू से सो दा

जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-4-6

**मीन** दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-5-7-9

## काकुरो पहेली - 3119

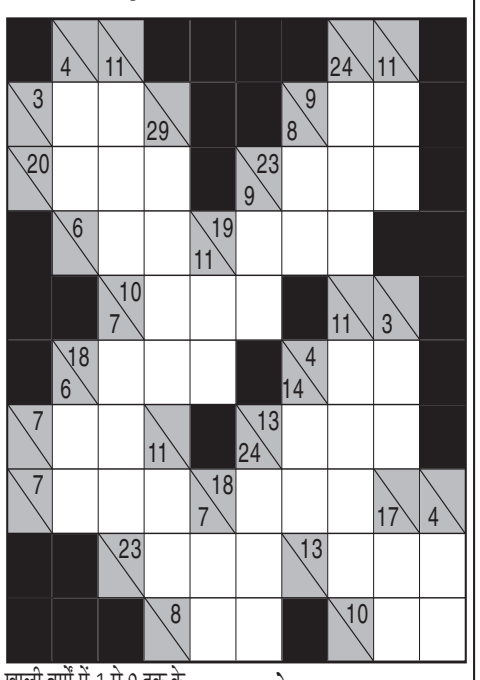

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

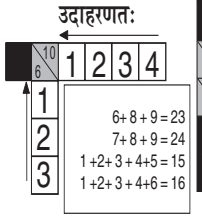


**काकुरो - 3118 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 11 | 6 | | | 14 | 29 | | | |
| 3 2 | 1 | | 17 | 8 | 9 | 11 | | |
| 17 9 | 2 | 6 | 13 23 | 6 | 5 | 2 | 11 | |
| | 20 | 3 | 8 | 9 | 18 14 | 8 | 9 | 1 | 4 |
| | | | 24 3 | 8 | 9 | 7 | 8 | 5 | 3 |
| | 9 | 12 10 | 1 | 6 | 5 | 11 | 3 15 | 2 | 1 |
| 6 | 1 | 3 | 2 | | 6 | 2 | 1 | 3 | |
| 14 | 8 | 6 | 3 | 17 | 17 | 9 | 8 | 4 | 11 |
| | 12 | 1 | 2 | 9 | | 18 | 6 | 3 | 9 |
| | | 9 | 1 | 8 | | 3 | 1 | 2 | |

## लॉफिंग ज़ोन

एक औरत का पति मर गया। वह बीमा कंपनी के ऑफिस जाकर मैनेजर से बोली- मैनेजर साहब, मेरे पति गुजर गए हैं। उनके बीमे का रुपया दिलवाइए।

मैनेजर बोला- इस घटना को सुनकर बहुत दुःख हुआ।

औरत बोली- जरूर हो रहा होगा। मर्दों का हर जगह यही हाल है। जब भी औरत को चार पैसे मिलने का मौका आता है, उन्हें बड़ा दुःख होता है।

□ □ □

नरेश की शादी एक अनपढ़ महिला से हो गई। शादी की पहली रात वह पति से बोली- आप तो बड़े ही अच्छे और दयालु इंसान हो जी। आपने तो मेरा उद्धार ही कर दिया।

इस पर नरेश ने कहा- ऐसी कोई बात नहीं है।

पत्नी बोली- मेरी भाभी और मेरी चाची हमेशा मुझे प्रताड़ित करती रहती थी और कहती थी कि तेरे जैसी मूर्ख से तो कोई गधा ही होगा जो शादी करके तेरा उद्धार करेगा।

□ □ □

एक बार मिस्टर चमन चित्र प्रदर्शनी देख रहा था।

एक जगह रुक कर उसने कहा- छिः!!! क्या इसे आप मॉडर्न आर्ट कहते हैं?

संचालक- जी नहीं श्रीमान, आप गलत समझ रहे है। इसे तो हम आईना कहते हैं।

## फिल्म वर्ग पहेली- 3119

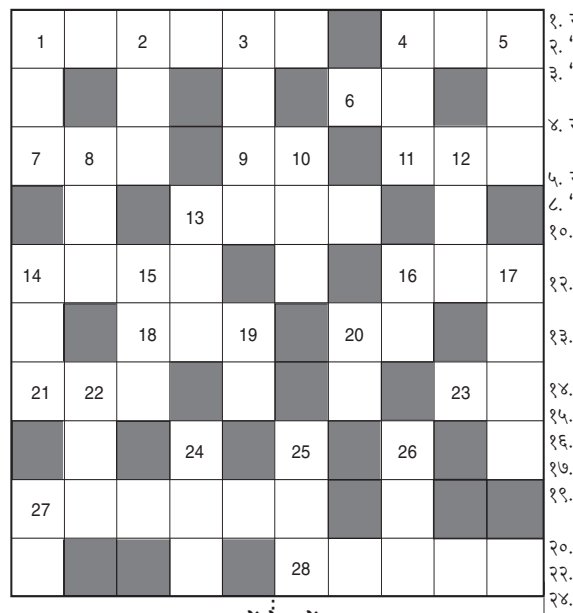

**बायें से दायें:-**

१. अभिषेक, सुनील, ऐश, शबाना की 'बहका दिया' गीत वाली फिल्म-४,२
४. 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली सुनील शेट्टी, सुष्मिता, नम्रता की फिल्म-३
६. 'छोड़ो मुझे' गीत वाली फिल्म 'जानू' में जैकी के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'दिल खुश है आज उनसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
९. फिल्म 'प्यार का साया' में राहुलराय के साथ नायिका कौन थी-२
११. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'गजगामिनी' में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला' की भूमिका किसने की है-३
१३. राजेंद्रकुमार, बबीता की 'रिमझिम के गीत सावन गाए' गीतवाली फिल्म-४
१४. 'रामजी की निकली सवारी' गीतवाली ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
१६. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२०. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'कभी शाम ढले तू मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमीं से मोहब्बत हमीं से' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२३. अनिलकपूर, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'फूल सा चेहरा चाँद सी' गीत वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-२,२,२
२८. देव आनंद, गिरीश, टीना मुनीम की 'आवाज सुरीली का' गीत वाली फिल्म-५

**ऊपर से नीचे:-**

१. सतीश, सुभाष घई, अर्चना की फिल्म-३
२. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरी चाहत में दीवाना हूँ' गीत वाली फरदीन खान, सेलिना की फिल्म-४
४. संजयदत्त, अतुल, रवीना, करिश्मा की 'काश तुम मुझसे एक' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, ऋषिकपूर, पूनम की फिल्म-३
८. 'तुम भी चलो हम' गीत वाली फिल्म-३
१०. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
१२. अक्षयकुमार, रवीना टण्डन की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
१३. फिल्म 'पुष्पक' में कमल हासन के साथ नायिका कौन थी-३
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१५. 'उड़ जा काले कावां' गीतवाली फिल्म-३
१६. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की फिल्म-२
१७. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
१९. अनिलकपूर, जैकी, अजय, मनीषा, माधुरी, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
२०. 'मेरा सेहरा तू है' गीत वाली फिल्म-२
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२४. 'चढ़ती जवानी मेरी चाल' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'अजूबा' में 'शहजादी हिना' की भूमिका किसने की थी-३
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली फिल्म-३
२७. फिल्म 'शर्मीली' में शशिकपूर के साथ नायिका कौन थी-२

**फिल्म वर्ग पहेली- 3118**

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क | ल | यु | ग | | जा | न | ए | म | न |
| भी | | वा | | दि | ल | | ला | | या |
| अ | क्स | | शि | वा | | खा | न | दा | न |
| ल | | ठि | का | ना | | मो | | | शा |
| वि | | | र | | आ | शी | वां | द | |
| दा | मि | नी | | भा | ई | | | ह | स्ती |
| ना | | ल | क्ष्य | | ना | ला | य | क | |
| क | स | म | | स | | ट | | | मं |
| ह | | | दौ | ड़ | | सा | थ | सा | थ |
| ना | स्ति | क | | क | री | ब | | | न |

## सूडोकु -3119

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 5 | | | 8 | | | 3 |
| | 7 | | | 3 | 5 | | | |
| 3 | | | | | | 6 | | |
| | | | | | | | 8 | 5 |
| | 6 | | | 7 | | | 1 | |
| 4 | 2 | | | | | | | |
| | | 1 | | | | | | 8 |
| | | | 7 | 4 | | | 3 | |
| 6 | | | 2 | | | 7 | | |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु -3118 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | 4 | 8 | 7 | 5 | 1 | 6 | 2 | 3 |
| 3 | 7 | 5 | 6 | 4 | 2 | 1 | 8 | 9 |
| 6 | 2 | 1 | 3 | 9 | 8 | 4 | 7 | 5 |
| 4 | 1 | 3 | 8 | 6 | 7 | 9 | 5 | 2 |
| 5 | 8 | 6 | 9 | 2 | 4 | 3 | 1 | 7 |
| 2 | 9 | 7 | 5 | 1 | 3 | 8 | 4 | 6 |
| 8 | 6 | 4 | 2 | 7 | 9 | 5 | 3 | 1 |
| 7 | 3 | 9 | 1 | 8 | 5 | 2 | 6 | 4 |
| 1 | 5 | 2 | 4 | 3 | 6 | 7 | 9 | 8 |

## शब्द पहेली - 3119

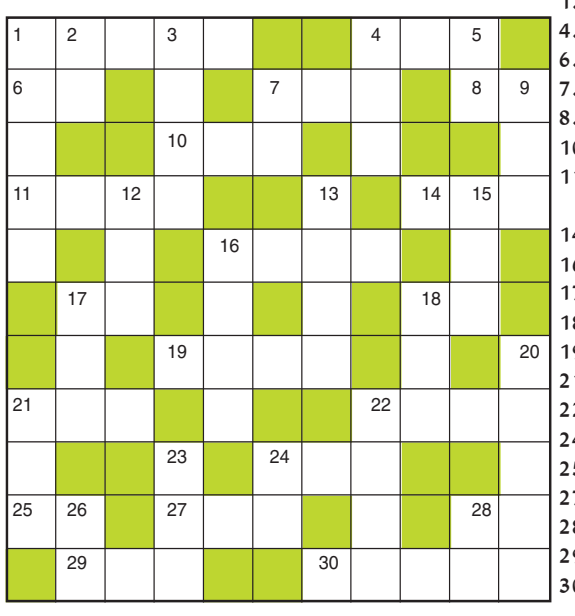

**बाएँ से दाएँ**

1. असह्य,नागवार-5
4. कली-3
6. पराया,पंख-2
7. समुद्र-3
8. पिता की बहन-2
10. चौकसी,सुरक्षा-3
11. कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14. छल,धोखा-3
16. पक्षी,उड़ने वाला-4
17. उम्मीद-2
18. दौरा,पहरेदारी-2
19. धारण करना-4
21. आफत,मुसीबत-3
22. विदिर्ण-2,2
24. प्रकाशित-3
25. बल,जान-2
27. रसदार-3
28. जगत,दुनिया-2
29. नग,मूल्यवान पत्थर-3
30. तृप्त होना-5

**ऊपर से नीचे**

1. जबरन उठा ले जाना-5
2. महोदय (अंग्रेजी-2)
3. नीलिमा-4
4. कुंती पुत्र,राधेय-3
5. वश,अधीन-2
7. संपूर्ण,पूर्ण-2
9. शिकार-3
12. असली,शुद्ध-3
13. हठ करना,रोना -4
15. हारा हुआ,पराजित-3
16. मशवरा,सलाह-4
17. विश्राम-3
18. अभिमान-3
20. भयभीत होना-2,3
21. संभवतः-3
22. टर्पेंटाइन, गंधा बिरोजा-4
23. तरना,स्वीमिंग-3
24. इसे मकड़ी बुनती है-2
26. जी,चित-2
28. संपत्ति-2

**शब्द पहेली -3118 का हल**

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | अ | ह | म | क | | जा | य | दा | द | |
| ल | | क | म | र | | न | म | न | | अ |
| ब | स | | ता | त | | का | ज | | हा | र |
| कु | ली | न | | ल | ह | र | | रा | ज | मा |
| श | ब | न | म | | म | | आ | स | मा | न |
| | | | | सा | फ | स | फा | ई | | | |
| अ | च | र | ज | | फ | | ना | ला | य | क |
| ब | म | न | | ह | र | म | | ल | की | र |
| ता | न | | स | जा | | हा | र | | न | त |
| र | | क | र | म | | ब | ज | न | | ब |
| | ग | फ | ल | त | | त | क | दी | र | |

## सात्विक और चिराग की जोड़ी ने दूसरी बार फ्रेंच ओपन बैडमिंटन खिताब जीता

**पेरिस ।**

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने फ्रेंच ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। सात्विकसाईराज और चिराग ने पुरुष युगल में चीनी ताइपे के ली झे-ह्यूई और यांग पो-हुआन की जोड़ी को सीधे गेम में 21-11, 21-17 से हरा दिया। इस जोड़ी ने दूसरी बार ये खिताब जीता है। इससे पहले इस जोड़ी ने साल 2022 भी ये खिताब जीता था। यह जोड़ी साल 2019 में भी फ्रेंच ओपन में उपविजेता रही थी। सात्विक और चिराग ने ली और यांग को आधे घंटे से अधिक चले मुकाबले में 21-11, 21-17 से हराकर सत्र का पहला खिताब जीता है। सात्विकसाईराज और चिराग की जोड़ी ने इससे पहले मलेशिया सुपर 1000, इंडिया सुपर 750 में दूसरे स्थान पर रही थी।

# मार्श और कैरी की शानदार बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलिया ने 2-0 से सीरीज जीती

### दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड को 3 विकेट से हराया

**क्राइस्टचर्च।**

मिचेल मार्श 80 और एलेक्स कैरी 98 की आक्रामक बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड को दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भी 3 विकेट से हराकर 2-0 से सीरीज जीत ली है। इस मैच में जीत के लिए मिले 279 रनों के लक्ष्य को ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में सात विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस मैच में न्यूजीलैंड की टीम ने पहली पारी में 162 जबकि दूसरी पारी में 372 रन बनाये थे। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 256 रन बनाये थे और इस प्रकार उसके पास 94 रनों की बढ़त थी।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इस मुकाबले में टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क ने मेजबान टीम को पहली पारी में 162 रनों पर ही समेट दिया। हेजलवुड ने 5 जबकि स्टार्क ने 3 विकेट लिए। कीवी टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज टॉम लेथम ने सबसे अधिक 38 रन बनाये।

इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने मार्नस लाबुशान के अर्धशतक 90 रन की सहायता से अपनी पहली पारी में 256 रन बनाये। इस प्रकार उसे पहली पारी के आधार पर 94 रनों की बढ़त मिली। मेजबान टीम की ओर से मैच

हेनरी ने 67 रन देकर सात विकेट लिए। दूसरी पारी में रचिन रविंद्र, टॉम लेथम और डेरेल मिचेल के अर्धशतकों से मेजबान टीम ने 372 रन बनाकर कंगारुओं को 279 रनों का लक्ष्य दिया। इस लक्ष्य को मेहमान टीम ने हासिल कर लिया।

मार्श ने 102 गेंद पर 10 चौके और 1 छक्के की मदद से 80 रन बनाये जबकि कैरी ने 123 गेंद पर 98 रन की नाबाद पारी खेली।

# बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला में हो सकती है शमी की वापसी : जय शाह

**धर्मशाला**

टखने की सर्जरी से उबर रहे भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी इस साल सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला के के दौरान वापसी कर सकते हैं। यह जानकारी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने दी। शमी इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला से बाहर रहे। पिछले महीने हुई टखने की सर्जरी के कारण वह बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 22 मार्च से शुरू हो रहे आगामी सत्र से भी बाहर रहेंगे। जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका की मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप में भी उनकी भागीदारी की संभावना नहीं है। शमी ने भारत के लिए अपना पिछला मैच एकदिवसीय विश्व कप में खेला था। भारत सितंबर में दो टेस्ट और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए बांग्लादेश की मेजबानी करेगा। शाह ने कहा, 'शमी की सर्जरी हो गई है, वह भारत वापस आ गए हैं। बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए शमी की वापसी की संभावना है। लोकेश राहुल को इंजेक्शन की जरूरत थी, उन्होंने रिहैब (चोट से उबरने की प्रक्रिया) शुरू कर दिया है और एनसीए (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) में हैं। राहुल दाहिने क्वाड्रिसेप्स (जांघ की मांसपेशियां) में दर्द की शिकायत के बाद इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के आखिरी चार मैच नहीं खेल पाए थे। लंदन में इलाज कराने के बाद उनके आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए खेलने की उम्मीद हैं। बीसीसीआई सचिव ने ऋषभ पंत पर की चोट से उबरने और खेल में वापसी पर भी जानकारी दी। उन्होंने कहा पंत आईपीएल में वापसी के लिए तैयार है। पंत दिसंबर 2022 में एक भीषण कार दुर्घटना के बाद से खेल से दूर है। शाह ने कहा, 'वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है, वह अच्छी कीपिंग कर रहा है। हम जल्द ही उसे फिट घोषित कर देंगे। अगर वह टी20 विश्व कप खेल सका तो यह हमारे लिए बहुत बड़ी बात होगी। वह हमारे लिए एक अहम खिलाड़ी है। शाह ने कहा, 'अगर वह कीपिंग कर सका तो वह विश्व कप खेल सकता है। देखते हैं कि वह आईपीएल में कैसा प्रदर्शन करता है। इंडियन प्रीमियर लीग में विदेशी निवेश के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यह संभव नहीं है क्योंकि बीसीसीआई कंपनी नहीं सोसाइटी है। उन्होंने कहा, 'बीसीसीआई सोसाइटी है और कोई इस में निवेश नहीं कर सकता है। पिछले साल खबर आई थी कि सऊदी अरब की नजर आईपीएल में अरबों डॉलर के निवेश पर है। भारत में पंजीकृत सोसायटी केंद्र सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक की मंजूरी के बिना विदेशी निवेश स्वीकार नहीं कर सकती है।

## बजरंग ओलंपिक से बाहर हुए , विनेश ने महिला वर्ग में नहीं होने दिये ट्रॉयल

**पटियाला ।**

अनुभवी पहलवान बजरंग पूनिया को पेरिस ओलिंपिक के लिए प्रवेश नहीं मिला है। बजरंग को इससे पहले टोक्यो ओलंपिक में कांस्य मिला था। वहीं महिला वर्ग में पहलवान विनेश फोगाट ने हंगामा मचाकर ट्रॉयल ही रोक दिये। वीनेश ने महिलाओं के 50 किलो और 53 किलो वर्ग में चयन ट्रायल शुरू नहीं होने दिए। वीनेश की मांग थी कि 53 किलो भारवर्ग के आखिरी ट्रायल ओलिंपिक से पहले होंगे और इसके लिए उन्होंने अधिकारिकयों से लिखित में आश्वासन मांगा जिसके लिए अधिकारियों ने इंकार कर दिया। विनेश 50 किलोवर्ग के ट्रायल के लिए यहां साई केंद्र पहुंची थीं। वह पहले 53 किलोवर्ग में उतरती थी पर उस वर्ग में अंतिम पंघाल को कोटा मिलने के कारण उन्होंने अपना भारवर्ग कम किया। विनेश ने इसके बाद लिखित आश्वासन की मांग करते हुए प्रतिस्पर्धा शुरू ही नहीं होने दी। उन्होंने 50 किलो और 53 किलो दोनों में भाग लेने की अनुमति मांगी, जिससे अधिकारी मुश्किल में पड़ गये। ऐसे में 50 किलो भारवर्ग में उतरे पहलवान शिकायत करने लगे। उन्होंने कहा, हम ढाई घंटे से इंतजार कर रहे हैं। वहीं आईओए द्वारा गठित तदर्थ समिति पहले ही कह चुकी थी कि 53 किलो वर्ग के लिए अंतिम ट्रायल होगा, जिसमें इस भारवर्ग के शीर्ष चार पहलवान उतरेंगे। ट्रायल के विजेता को पंघाल से मुकाबला करना होगा और उसमें विजयी रहने वाली पहलवान ही भारत की ओर से ओलंपिक में उतरेगी। विनेश और बजरंग पूनिया पर पहले भी ये आरोप लगे थे कि वे बिना ट्रायल के ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलना चाहते हैं। ट्रायल के दौरान मौजूद एक कोच ने कहा, विनेश सरकार से आश्वासन चाहती हैं। उन्हें डर है कि अगर कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के हाथ में फिर सत्ता आ गई तो चयन नीति बदल सकती है पर सरकार इस पर आश्वासन कैसे दे सकती है। सरकार चयन मामलों में हस्तक्षेप नहीं कर सकती।

## पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम का अभ्यास शिविर आज से

**नई दिल्ली ।**

हॉकी इंडिया ने आगामी पेरिस ओलंपिक 2024 की तैयारियों को देखते हुए पुरुष हॉकी टीम के लिए भुवनेश्वर में मंगलवार से एक अभ्यास शिविर का आयोजन किया है।

इसके लिए 28 सदस्यीय सीनियर खिलाड़ियों के कोर समूह की घोषणा कर दी गयी है। ये शिविर 30 मार्च तक चलेगा और इससे राष्ट्रीय टीम और बेहतर बनकर उभरेगी। इससे पहले भारतीय टीम ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग में बेहतर प्रदर्शन किया था। भुवनेश्वर और राउरकेला चरण में आठ मैचों में 15 अंक हासिल करने के बाद वर्तमान में भारतीय टीम तीसरे स्थान पर हैं। प्रो लीग लीग का अगला सत्र 22 मई को बेल्जियम के एंटवर्प में एक बार फिर शुरू होगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने आगामी शिविर को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इससे हमें टीम को सर्वश्रेष्ठ स्थिति में लाने में सहायता मिलेगी। उन्होंने साथ ही कहा कि ओडिशा में प्रो लीग मिनी-टूर्नामेंट एक शानदार परीक्षण मैदान साबित हुआ, लेकिन इसमें हमेशा सुधार की गुंजाइश होती है और हम प्रो लीग के अंतिम चरण तथा पेरिस 2024 ओलंपिक से पहले चीजों को ठीक करने की प्रयास करेंगे।

राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के मुख्य समूह में गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक, पीआर श्रीजेश, सूरज करकेरा और रक्षकों हरमनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित और अमीर अली को रखा गया है। वहीं शिविर में बुलाए गए मिडफील्डरों में मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, रबीचंद्र सिंह मोइरंगथेम, शमशेर सिंह, नीलकंठ शर्मा, राजकुमार पाल, विष्णुकांत सिंह आदि हैं। फॉरवर्ड की बात करें तो आकाशदीप सिंह, मंदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, गुरजंत सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन, बॉबी सिंह धामी और अरजीत सिंह हुंदल को रखा गया है।

# एंडरसन का रिकार्ड शायद ही कोई तेज गेंदबाज तोड़ पाये : ब्रॉड

**लंदन ।**

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने अपने साथी खिलाड़ी जेम्स एंडरसन की जमकर प्रशंसा की है। ब्रॉड ने कहा कि किसी को भी उनके समर्पण और कौशल पर संदेह नहीं करना चाहिए। 41 साल की उम्र में भी जिस प्रकार वह गेंदबाजी करते हैं उससे सभी को प्रेरणा मिलती है। एंडरसन 700 टेस्ट विकेट पूरे करने वाले पहले तेज गेंदबाज हैं। ब्रॉड ने कहा, यह एक अभूतपूर्व उपलब्धि है और मुझे नहीं लगता कि कोई अन्य तेज गेंदबाज इस रिकार्ड की बराबरी कर पायेगा। साथ ही कहा कि बिना समर्पण और मानसिक लचीलेपन के कोई भी 41 साल की उम्र तक नहीं खेल सकता। पिछले दो दशक में उन्होंने अलग-अलग हालातों में खेलते हुए ये सफलता हासिल की है। ब्रॉड ने कहा, उन्होंने शीर्ष स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने के तरीके ढूंढ लिए हैं और अभी भी बेहतर करने की कोशिश कर रहे हैं, जो कि जब आप इसके बारे में सोचते हैं तो यह असाधारण है। ब्रॉड ने कहा कि वह चाहते थे कि इस साल जुलाई से वेस्ट इंडीज और श्रीलंका के खिलाफ एंडरसन को अपना 700 वां विकेट लेते देखे पर ये उपलब्धि उन्होंने पहले ही हासिल कर ली। उन्होंने कहा कि ये तेज गेंदबाज इस साल 42 साल का हो जाएगा। ऐसे में वह कब तक टेस्ट गेंदबाज बने रहेंगे ये देखना होगा।

उन्होंने कहा, एंडरसन के संन्यास पर लोग सवाल पूछ रहे हैं पर ये कब होगा। इसका मुझे अंदाजा नहीं है। साथ ही कहा कि उसे पता चल जाएगा कि जाने का सही समय कब है, और केवल वह ही यह निर्णय ले सकता है। वहीं कप्तान बेन स्टोक्स और कोच ब्रेंडन मैकुलम चाहेंगे कि वह

ऑस्ट्रेलिया में एशेज को ध्यान में रखते हुए अगले 18-24 महीनों तक इसी प्रकार बेहतर प्रदर्शन करें पर एंडरसन तब तक 43 साल के हो जाएंगे और शायद वह इतना आगे के बारे में नहीं सोच रहे हैं।

## श्रेयस रणजी में भी विफल रहे

**नई दिल्ली ।** भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर हुए बल्लेबाज श्रेयस अय्यर अब रणजी ट्रॉफी में भी असफल रहे हैं। मुंबई की ओर से खेलते हुए श्रेयस विदर्भ के साथ हुए फाइनल में भी रन नहीं बना पाये हैं। श्रेयस पहली पारी में केवल सात रन ही बना पाये। इस बल्लेबाज को हाल ही में बीसीसीआई केन्द्रीय अनुबंध सूची से भी बाहर कर दिया गया था। इसके बाद वह रणजी ट्रॉफी खेलने को तैयार हो गये थे। फाइनल से पहले हुए सेमीफाइनल में भी अय्यर रन नहीं बना पाये थे। इस मैच में विदर्भ ने टॉस जीतकर मुंबई को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। अय्यर पहली पारी में पांचवे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे पर वह केवल 7 रन ही बना पाये। वहीं इससे पहले सेमीफाइनल में भी अय्यर केवल 3 रन बना पाये थे। इससे पहले वह इंग्लैंड के खिलाफ खेले पहले दोनो टेस्ट मैचों में भी रन नहीं बना पाये थे। इसके बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया था। श्रेयस खराब फिटनेस के कारण एकदिवसीय विश्वकप के बाद से ही टीम से बाहर थे। इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज से उन्हें वापसी का अवसर मिला था पर वह लाभ नहीं उठा पाये और बाहर हो गये।

## सचिन ने रणजी में मुंबई की बल्लेबाजी को साधारण बताया

**नई दिल्ली ।** महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने रणजी ट्रॉफी के फाइनल में मुम्बई की बल्लेबाजी को साधारण करार दिया है। सचिन ने कहा कि वह इस प्रकार के क्रिकेट से खुश नहं हैं। मुंबई के बल्लेबाज विदर्भ के खिलाफ अपनी पहली पारी में 224 रन ही बना पाये। तेंदुलकर ने कहा, अच्छी शुरुआत के बाद भी मुंबई के बल्लेबाजों ने साधारण क्रिकेट खेला। वहीं दूसरी ओर, विदर्भ ने चीजों को सरल रखा है और उसके गेंदबाज हावी रहे। साथ ही कहा कि जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ेगा। खेल में कई रोमांचक सत्र होंगे। विकेट पर घास है पर समय के साथ ही गेंद टर्न लेगी जिससे स्पिनरों को सहायता मिलेगी। पहली पारी में मुंबई की टीम 224 रन ही बना पायी। कप्तान अजिंक्य रहाणे और श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ी भी रन नहीं बना पाये। अय्यर पहली पारी में पांचवे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे थे पर वह सिर्फ 7 रन बनाकर आउट हो गए हालांकि, शार्दुल ठाकुर ने 8वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 75 रन बनाये। वहीं विदर्भ ने पहली पारी में 105 रन बनाए।

## संक्षिप्त समाचार

### नेत्रहीन क्रिकेटरों की प्रतिभा दिखाने पांच मैचों की सीरीज खेल रही भारत और श्रीलंका

**नई दिल्ली ।** भारतीय पुरुष नेत्रहीन क्रिकेट टीम श्रीलंका के खिलाफ में पांच मैचों की एक टी20 सीरीज खेलेगी। ये सीरीज करनैल सिंह स्टेडियम में शुरू होगी। हुंडई मोटर इंडिया फाउंडेशन द्वारा समर्थत ट्रस्ट फॉर द डिसेबल्ड और क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया के सहयोग से ये सीरीज हो रही है। इसका लक्ष्य इन क्रिकेटरों की प्रतिभा सभी के सामने लाना है। इसके साथ ही विकलांग लोगों के लिए जागरूकता बढ़ाने और समावेशिता को बढ़ावा देना भी है। नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए द्विपक्षीय क्रिकेट श्रृंखला से पहले एक समारोह भी होगा। डॉ महंतेश जी. किवदसन्नावर, अध्यक्ष क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया ने कहा, पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए दिल्ली में श्रीलंकाई ब्लाइंड क्रिकेट टीम की मेजबानी करना सम्मान की बात है। यह दोनों टीमों के लिए अपनी क्रिकेट प्रतिभा से हम सभी का मनोरंजन करने का एक अवसर है। पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में भारत की हालिया जीत के बाद टीम आत्मविश्वास से भरी हुई है। अब उसका लक्ष्य श्रीलंका के खिलाफ भी बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा।

### आईसीसी बैठक में बीसीसीआई पर चैम्पियंस ट्रॉफी में भाग लेने दबाव बनाएगा पीसीबी

**लाहौर ।** पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के नये प्रमुख मोहसिन नकवी अब चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम की भागीदारी के लिए प्रयास कर रहे हैं। चैम्पियंस ट्रॉफी अगले साल पाक में खेली जाएगी और पीसीबी चाहता है कि इसके लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अपनी टीम भेजे। वहीं भारतीय टीम मुम्बई में हुए आतंकी हमले के बाद से ही पाक दौरे पर नहीं जा रही। इसी कारण पीसीबी के नये प्रमुख मोहसिन नकवी अगले सप्ताह दुबई में होने वाली आईसीसी बैठक के दौरान चैम्पियंस ट्रॉफी में भाग लेने को लेकर बीसीसीआई से बात करेंगे। पीसीबी के नये प्रमख को उम्मीद है कि इस बैठक में वह बीसीसीआई सचिव जय शाह को वह मना लेंगे पर ये संभव नहीं लगता है। नकवी की योजना आईसीसी अधिकारियों के साथ ही बीसीसीआई सचिव शाह से भी बात करने की है हालांकि 2025 में फरवरी-मार्च में होने वाले टूर्नामेंट के लिए बीसीसीआई अभी से पाक यात्रा को लेकर कोई जबाव शायद ही दे पाये क्योंकि इसमें अभी तकरीबन एक साल का समय है। गौरतलब है कि चैम्पियंस ट्रॉफी के आईसीसी टूर्नामेंट होने के कारण भारतीय बोर्ड भी पूरी तरह इस टूर्नामेंट के लिए इंकार नहीं करेगा पर टीम भेजने पर अंतिम फैसला भारत सरकार की अनुमति के बाद ही लिया जा सकता है। वहीं पीसीबी का मानना है कि बीसीसीआई ने जिस प्रकार एशिया कप में अपने मुकाबले श्रीलंका में खेले थे। वैसा इस बार नहीं होगा। वहीं जब बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा , ''पाक में खेलने पर फैसला केवल भारत सरकार ही कर सकती है और बीसीसीआई को सरकार के आदेश का पालन करना होगा। इसके लिए अभी से अनुमति नहीं मांगी जा सकती है।

## इंग्लैंड टीम अपने खेल की समीक्षा करे : वॉन

### टीम संस्कृति को नहीं अपना पाये खिलाड़ी

**धर्मशाला ।**

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि इंग्लैंड टीम को भारतीय टीम के हाथों मिली करारी हार से सबक लेते हुए अपने खेल की समीक्षा करनी चाहिये। वॉन ने कहा कि खिलाड़ी टीम संस्कृति को पूरी तरह से नहीं अपना पाए हैं जिससे उन्हें नुकसान उठाना पड़ा है। वॉन ने कहा कि टीम को मैनचेस्टर सिटी फुटबॉल टीम के मैनेजर पेप गार्डियोला की रणनीति अपनानी चाहिये। वॉन ने कहा, 'भारत दौरे में मिली इस सीरीज हार की ईमानदारी से समीक्षा होनी चाहिये। उन्होंने साथ ही कहा, 'मुझे नहीं लगता कि उन्हें सब कुछ बदलने की जरुरत है। वे इस हार के बाद भी काफी अच्छे खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा, 'वे जो करने की कोशिश कर रहे हैं, मैं उसका सम्मान करता हूं और हर दिन जल्दी उठकर उन्हें देखता हूं क्योंकि उन्होंने अपनी आक्रामक रणनीति से प्रारूप को रोमांचक बनाया है। इससे हमेशा ऐसा लगता है कि मैच में कोई भी बदलाव आ सकता है। वॉन ने कहा, 'सबसे बड़ी निराशाजनक बात ये है कि बेहतर प्रतिभाएं होने के बाद भी वे दो बड़ी सीरीजों श्रृंखलाओं को जीतने में असफल रहे हैं। इस सीरीज में भी बल्लेबाज उम्मीद के अनुरुप नहीं खेल पाये। वॉन ने टीम प्रबंधन पर आरोप लगाया कि उसने खिलाड़ियों के प्रति बहुत नरम रवैया अपनाया है। शिविर में सकारात्मकता, मौज-मस्ती और हंसी-मजाक की भावना व्याप्त है पर इससे हमेशा ही अच्छे परिणाम नहीं आते हैं। उन्होंने कहा, 'हर साक्षात्कार में आप उत्साह, अवसर और मौज-मस्ती के बारे में वही बातें सुनते हैं, मैं पिछले कुछ वर्षों में उनमें से कई खिलाड़ियों और सहयोगी सदस्यों के साथ रहा हूं। उनकी भाषा प्रेरणादायक हो सकती है पर से हमेशा काम नहीं करती।

## रामलला के दर्शन करने अयोध्या पहुंचे स्पीकर ओम बिरला

अयोध्या। देश दुनिया के वीवीआईपी अयोध्या में रामलला के दर्शन करने पहुंच रहे हैं। सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी अपने परिवार सहित अयोध्या में भगवान के दर्शन करने पहुंचे। इससे पहले रामनगरी में अयोध्या स्टेशन पर उनका भव्य स्वागत किया गया। अयोध्या स्टेशन पर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, प्रदेश के मंत्री दयाशंकर सिंह और महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने उनका स्वागत किया। लोकसभा अध्यक्ष दो दिवसीय दौरे पर राम नगरी पहुंचे हैं। अपने प्रवास के दौरान लोकसभा अध्यक्ष परिवार समेत रामलला का दर्शन करेंगे। इसके साथ ही वे सोमवार की शाम होने वाली सरयू आरती में भी शामिल होंगे। इससे पहले वे माहेश्वरी समाज के धर्मशाला की भूमि पूजन में शामिल होंगे। जानकारी के मुताबिक शाम 4:30 बजे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला अपनी पत्नी डॉ अमिता बिरला के साथ श्रीराम मंदिर में रामलला के दर्शन करेंगे। शाम 5:30 बजे के बाद वे सरयू नदी के तट पर महाआरती में भी भाग लेंगे। अयोध्या दौरे के दूसरे दिन मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष सुबह 9:30 बजे फिर रामलला के दर्शन करेंगे। साथ ही सुबह 10:30 बजे हनुमान गढ़ी के दर्शन कर आश्रम भ्रमण करेंगे। मंगलवार को ही वह दोपहर 1:45 बजे हवाई मार्ग से दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

## सुभासपा की नेता नंदिनी राजभर की घर में घुसकर हत्या, ग्रामीणों ने दिया धरना

लखनऊ। सुभासपा की महिला नेत्री नंदिनी राजभर की घर में घुसकर दिन दहाड़े हत्या कर दी गई। आरोपी खलीलाबाद के डीघा स्थित उनके घर में घुसे और धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला करके हत्या कर दी। इस घटना के दौरान नंदिनी के पति मजदूरी करने गए थे और सास खेत पर काम कर रही थी। हत्या की खबर लगते ही ग्रामीणों में आक्रोश भड़क उठा। उन्होंने कार्रवाई की मांग को लेकर धरना दिया। ग्रामीणों और समर्थकों की पुलिस से झड़प भी हुई। देर रात आश्वासन पर लोग माने और शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा सका। उधर, कोतवाल को आईजी कार्यालय बस्ती से संबद्ध कर दिया गया है। पूरे घटनाक्रम की जांच एएसपी बस्ती करेंगे। आईजी आरके भारद्वाज ने अन्य पुलिसकर्मियों की भी भूमिका की जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही भूमि विवाद की जांच के लिए एसआईटी का गठन कर दिया गया है। खलीलाबाद कोतवाली स्थित डीघा मोहल्ला निवासी अच्छेलाल की पत्नी नंदिनी राजभर (30) सुभासपा महिला मंच की प्रदेश महासचिव थीं। रविवार को वह घर पर अकेली थीं। उनकी सास आरती खेत में काम करने गई थीं। पति अच्छे लाल मजदूरी करने गए थे। दोपहर बाद 3:30 बजे सास खेत से घर लौटीं तो देखा जमीन पर नंदिनी का खून में सना शव पड़ा था। नंदिनी के गले व जबड़े पर धारदार हथियार से प्रहार किया गया था। कार्रवाई की मांग पर ग्रामीणों ने देर रात तक प्रदर्शन किया। सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर से नंदिनी के परिजनों की बातचीत हुई। नंदिनी के हत्या की खबर के बाद मौके पर ग्रामीणों का कार्यकर्ताओं की भीड़ जुट गई। उसके ससुर की मौत के मामले में आरोपित फरार चल रहे लोगों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। शव को पुलिस अभी उठा नहीं पाई है। इस दौरान मौके पर सांसद, डीएम, आईजी रेंज बस्ती व एसपी मौके पर पहुंच स्थिति का जायजा लिया और सख्त से सख्त कार्रवाई करने की बात कही पर लोग नही माने। फिर सुभासपा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओपी राजभर से भी इस घटना के बारे में फोन पर बात हुई लेकिन परिजन मानने को तैयार नही हुए। प्रशासन के काफी मान-मनौवल के बाद रात करीब पौने ग्यारह बजे परिजन शव के पोस्टमार्टम के लिए माने। नंदिनी राजभर की हत्या को भूमि विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है। 29 फरवरी को उनके ससुर का शव रेलवे ट्रैक पर मिला था। एक मार्च को नंदिनी ने डीघा के लोगों के साथ कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर कुछ लोगों पर हत्या कर शव फेंकने का आरोप लगाया था। वह इस मामले में कार्रवाई के लिए पैरवी कर रही थीं। पुलिस ने एक को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। दो बाहर थी। उसके गिरफ्तारी की मांग हो रही थी। नंदनी के पति अच्छेलाल ने भूमि विवाद में हत्या होने का आरोप लगाया है।

## आम चुनाव से पहले जेएनयू छात्रसंघ चुनाव को लेकर दिल्ली में सियासी पारा गर्म

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से पहले दिल्ली में एक और सियासी जंग की घोषणा हो गई है। दिल्ली के जवाहर लाल यूनिवर्सिटी (जेएनयू) में इसी महीने चुनाव होने है। जेएनयू में 22 को स्टूडेंट यूनियन के लिए मतदान होगा और 24 मार्च को नतीजे घोषित किए जाएंगे। दरअसल जेएनयू में चार साल बाद छात्रसंघ का चुनाव होने वाले है। जेएनयू के छात्रसंघ चुनाव पर सिर्फ कैंपस नहीं बल्कि इससे बाहर के लोगों की भी खास दिलचस्पी रहती है। वामपंथ का गढ़ कहे जाने वाले जेएनयू में पिछले कुछ सालों में भाजपा के छात्र संगठन एबीवीपी की मजबूती के कारण यह मुकाबला रोचक हो गया है। पिछला जेएनयूएसयू चुनाव 2019 में हुआ था। कोरोना के समय से विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव स्थगित था। जेएनयू में 2019 के छात्रसंघ चुनाव में वामपंथी छात्र संगठनों एसएफआई, आईसा, एआईएसएफ और डीएसएफ के संयुक्त मोर्चे ने शानदार जीत दर्ज की थी। आइशी घोष एबीवीपी के प्रत्याशी को हराकर छात्रसंघ की अध्यक्ष बनी थीं। 15 मार्च को सुबह 9:30 से शाम 5 बजे तक नामांकन दाखिल किए जाएंगे। शनिवार को स्वीकार गिए गए नामांकन का प्रदर्शन होगा। उसी दिन 10 बजे से एक बजे तक नामांकन वापस लिए जा सकते हैं। शनिवार को तीन बजे उम्मीदवारों की फाइनल लिस्ट सामने आएगी।

## माले में डेरा डाले हुए है चीन का जासूसी जहाज....भारत पर नजर

नई दिल्ली। पड़ोसी देश चीन अपनी आदत से बाज नहीं आ रहा है। चीनी सैन्य अनुसंधान-सर्वेक्षण-निगरानी जहाज शियांग यांग होंग 3 वर्तमान में माले बंदरगाह पर रुका हुआ हैं। एक अन्य सहयोगी जहाज शियांग यांग होंग 01 भारत के पूर्वी समुद्री तट पर निगरानी के लिए बंगाल की खाड़ी की ओर बढ़ रहा है। हिंद महासागर क्षेत्र में दोनों निगरानी जहाजों को मालदीव में चीन समर्थक मुइज्जू सरकार के साथ दिखाती है जो जासूसी जहाज को माले में डॉक करने की अनुमति देती है। भले ही श्रीलंका ने पिछले 22 दिसंबर, 2023 को सर्वेक्षण जहाजों के खिलाफ एक साल की रोक की घोषणा की थी, लेकिन इनपुट से संकेत मिलता है कि जहाज डॉकिंग की अनुमति देने के दबाव में रानिल विक्रमसिंघे सरकार के साथ कोलंबो बंदरगाह पर डॉक कर सकता है। दोनों जहाजों की निगरानी भारतीय नौसेना द्वारा की जा रही है। समुद्री सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, इन जहाजों का प्रत्यक्ष उद्देश्य हाइड्रोग्राफी करना है। और आईओआर में भविष्य में पीएएल नौसेना की पनडुब्बी संचालन के लिए हाइड्रोलॉजिकल सर्वेक्षण, लेकिन भारत के पूर्वी समुद्र तट पर चीनी जासूसी जहाजों की मौजूदगी का उद्देश्य विशाखापत्तनम के पास स्थित पनडुब्बी ले जाने वाली भारतीय परमाणु बैलिस्टिक मिसाइल के हस्ताक्षर को चुनने के अलावा बालासोर परीक्षण रेंज से मिसाइल फायरिंग की निगरानी करना भी हो सकता है।

## अगले सप्ताह फिर बदलेगा मौसम का मिजाज...कहीं बारिश कही बर्फबारी के असर

नई दिल्ली। इन दिनों देश के मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले चार दिनों के दौरान जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद और हिमाचल प्रदेश में छिटपुट हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग ने 12 और 13 मार्च को इस क्षेत्र में छिटपुट आंधी और बिजली गिरने की भी भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग ने अगले 2 दिनों के दौरान रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, केरल और माहे में गर्म मौसम रहेगा। मौसम विभाग ने 13 मार्च को व्यापक रूप से हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी की भी भविष्यवाणी की है, साथ ही 12 और 13 मार्च को इस क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर आंधी और बिजली गिरने की संभावना है।

# परमाणु हमले की जिद पर अड़े थे पुतिन, पीएम मोदी के एक इशारे पर रुकी यूक्रेन की तबाही

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** रुस और यूक्रेन का युद्ध लंबे समय से चल रहा है। रुसी राष्ट्रपति पुतिन नहीं चाहते थे कि युद्ध लंबा चले। इसलिए वे परमाणु हमले की जिद लिए बैठे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे बात की तब पुतिन ने अपनी जिद छोड़ी। कल्पना कीजिए यदि परमाणु हमला होता तो यूक्रेन का नामो निशान मिट जाता और दुनिया के दूसरे देश भी इससे प्रभावित होते।

रिपोर्ट में अधिकारी के हवाले से कहा गया है, हमारा मानना है कि इस बारे में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को अपनी चिंता दिखाना, विशेष रूप से रूस और ग्लोबल साउथ के प्रति प्रमुख देशों की चिंता सहायक और प्रेरक कारक था। इससे यह समझ पैदा हुई कि इस सबकी कीमत क्या हो सकती है।साल 2022 में उज्बेकिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के मौके पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करते हुए पीएम मोदी ने संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान किया था और रूसी नेता से कहा कि यह युद्ध का युग नहीं है।पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन से कहा था कि लोकतंत्र, कूटनीति और संवाद ने दुनिया को एक साथ रखा है।जवाब में रूसी नेता ने कहा था कि वह भारत की चिंताओं को समझते हैं और उन्होंने पीएम मोदी से वादा किया कि वह संघर्ष को खत्म करने की कोशिश करेंगे, हालांकि उन्होंने इसे लंबा खींचने

के लिए यूक्रेन को दोषी ठहराया। वरिष्ठ अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि जैसे ही 2022 में शुरू हुआ रूस-यूक्रेन युद्ध बाद में तेज हो गया, अमेरिका ने कीव के खिलाफ मास्को द्वारा संभावित परमाणु हमले के लिए कठोरता से तैयारी शुरू कर दी। अधिकारियों ने कहा कि जो बाइडेन प्रशासन विशेष रूप से चिंतित था कि रूस युद्धक्षेत्र में परमाणु हथियार का उपयोग कर सकता है और यह 1945 में अमेरिका द्वारा हिरोशिमा और नागासाकी पर बम गिराए जाने के बाद पहला परमाणु हमला हो सकता है। तभी अमेरिका ने रूस को ऐसे हमले के प्रति हतोत्साहित करने के लिए भारत और चीन से मदद मांगी। रिपोर्ट में कहा गया है, अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि चीनी नेता शी जिनपिंग और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आउटरीच और सार्वजनिक बयानों ने संकट को टालने में मदद की।प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हमने जो चीजें कीं उनमें से एक न केवल उन्हें सीधे संदेश देना था, बल्कि दृढ़तापूर्वक आग्रह करना, दबाव डालना, अन्य देशों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करना था।

## कांग्रेस नेताओं के भाजपा में शामिल होने पर गहलोत का बयान, केंद्रीय एजेंसियों के डर से भाजपा में जा रहे

जयपुर। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस के कई दिग्गज नेताओं ने बीजेपी में शामिल होने पर पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि जिन नेताओं को कांग्रेस ने पहचान दी। वे केंद्रीय एजेंसियों के डर से भाजपा में जा रहे हैं। हालांकि सियासी घटनाक्रम पर अभी तक कांग्रेस प्रमुख डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष जूली, सचिन पायलट का बयान नहीं आया है।

दरअसल रविवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री और राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे लालचंद कटारिया, राजेंद्र यादव के साथ रिछपाल मिर्धा, विजयपाल मिर्धा, आलोक बेनीवाल, खिलाड़ी लाल बैरवा, रिजु झुनझुनवाला सहित कई नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ली थी। इसके बाद गहलोत ने कहा कि जिन नेताओं को कांग्रेस ने पहचान दी। वे केंद्रीय एजेंसियों के डर से भाजपा में जा रहे हैं। गहलोत ने लिखा कि हमें गांधी परिवार से प्रेरणा लेनी चाहिए, जिसमें राहुल गांधी और पूरे परिवार को कई-कई दिनों तक ईडी ने पूछताछ के बहाने परेशान किया। उनकी संसद सदस्यता रद्द कर घर तक खाली करवा दिया था लेकिन वे हर दबाव का मुकाबला मजबूती से कर रहे हैं। देशभर में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से अन्याय, महंगाई, नफरत और बेरोजगारी के खिलाफ यात्रा कर जनजागरण का काम कर रहे हैं। राजनीति में मुकाबला इस तरह डटकर किया जाता है। गहलोत सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा है कि कांग्रेस मुक्त भारत की बात करने वाली भाजपा अब कांग्रेस युक्त हो चुकी है। हार के डर से भाजपा कांग्रेस के नेताओं को भाजपा में शामिल कर रही है।

# लोकसभा चुनाव करीब तो लगी परियोजनाओं की झड़ी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** लोकसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लागू हो इसके पहले सरकार परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास की झड़ी लगा दी है। जिसके चलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले हफ्ते 2.3 लाख करोड़ रुपये की मेगा परियोजनाओं को हरी झंडी दिखाई। इन परियोजनाओं में राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे, सहायक बुनियादी ढांचे, बिजली उत्पादन एवं ट्रांसमिशन, हवाईअड्डे और केंद्र के स्वामित्व वाले बंदरगाहों का विकास भी शामिल हैं। इनमें से करीब 38,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं को मंजूरी दी जाएगी जबकि करीब 61,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास किया जाएगा। प्रधानमंत्री द्वारा घोषित की जाने वाली ज्यादातर परियोजनाओं के शुरुआत होने में ही काफी लंबा वक्त लगेगा जैसे कि राष्ट्रीय राजमार्ग, जल विद्युत परियोजना, बिजली ट्रांसमिशन और बंदरगाह आदि। सोमवार को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राजधानी में ही करीब 1 लाख करोड़ रुपये की राजमार्ग परियोजना को हरी झंडी दिखाएंगे जिसमें 19 किलोमीटर का द्वारका एक्सप्रेसवे शामिल है जिसे केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी मेगा परियोजना

भारतमाला योजना के तहत बनाया जाना है। पिछले अगस्त में केंद्र के लिए यह परियोजना विवाद का सबब बनी जब नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) ने परियोजना की लागत बढ़ने पर मंत्रालय की आलोचना की थी जिसे ऑडिटर के मुताबिक 250 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर के हिसाब से बनाया जा रहा है। पिछले हफ्ते मोदी ने आजमगढ़ में करीब 34,000 करोड़ रुपये, अरुणाचल प्रदेश में 65,000 करोड़ रुपये (पीएम उन्नति योजना सहित), असम में 17,500 करोड़रुपये, तेलंगाना में 62,800 करोड़ रुपये और कोलकाता से 15,000 करोड़ रुपये की विभिन्न रेल एवं शहरी परिवहन परियोजना को हरी झंडी दिखाई और शिलान्यास किया जिसमें दिल्ली-मेरठ क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) शामिल है। मोदी ने ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी तेल एवं गैस क्षेत्र की परियोजनाओं का उद्घाटन 2 मार्च को किया जिसकी लागत करीब 1।62 लाख करोड़ रुपये है। ये परियोजनाएं बिहार, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब और कर्नाटक से जुड़ी हैं। इनमें से प्रमुख प्रधानमंत्री द्वारा कच्चे तेल के पहले टैंकर को हरी झंडी दिखाना है जो ओएनजीसी के कृष्णा गोदावरी (केजी) बेसिन के ब्लॉक से मिली है। उत्पादन बढ़ने के साथ ही इस परियोजना से देश के तेल एवं गैस उत्पादन में 7 फीसदी की बढ़ोतरी होगी। इसी दिन मोदी ने आईओसीएल के बरौनी रिफाइनरी के विस्तार के लिए भी शिलान्यास किया जिसकी लागत 11,400 करोड़ रुपये से अधिक होगी। शनिवार को भी अपनी असम यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने गुवाहाटी प्राकृतिक गैस को ले जाने वाली पाइपलाइन का उद्घाटन किया। हालांकि चुनाव से पहले की जाने वाली महत्त्वपूर्ण घोषणा शुक्रवार को ही कर दी गई जब प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर रसोई गैस सिलिंडर की कीमतों में 100 रुपये की छूट की घोषणा की। बिजली के क्षेत्र में भी मोदी ने पिछले हफ्ते सोमवार को 32 परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

## अरुण गोयल के इस्तीफे पर असदुद्दीन ओवैसी ने कह दी बड़ी बात

**हैदराबाद (एजेंसी)।** एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी कहना है कि जब भारत का चुनाव आयोग 13 मार्च के बाद किसी भी दिन कार्यक्रम की घोषणा कर सकता है, ऐसी स्थिति में उससे ठीक पहले चुनाव आयुक्त अरुण गोयल का इस्तीफा देना कई सवाल खड़े करती है। ओवैसी ने कहा, मैंने संसद में कहा था कि सरकार सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ जाकर मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति का तरीका बदल रही है। इससे अगर इन्हें नियुक्त करने वाले तीन लोगों में से दो सरकार के हैं तो जाहिर सी बात है कि सरकार अपने लोगों को ही रखेगी। अरुण गोयल या सरकार को इसका कारण बताना चाहिए कि चुनाव से ठीक पहले ऐसा क्यों हुआ। नए सीईसी की नियुक्ति प्रक्रिया में कानून मंत्री के नेतृत्व वाली और दो केंद्रीय सचिवों सहित एक सर्च कमिटी शामिल होगी। ये पांच नामों को शॉर्टलिस्ट करेगी। इसके बाद प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली एक चयन समिति, जिसमें प्रधानमंत्री की ओर से नामित एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता या सबसे बड़े

विपक्षी दल के नेता शामिल होंगे वे अंतिम उम्मीदवार का चयन करेगी। इसके बाद राष्ट्रपति औपचारिक रूप से चुने हुए सीईसी या ईसी की नियुक्ति करेंगे। तीन सदस्यों वाले भारत के चुनाव आयोग में पहले से ही एक पद खाली चल रहा था और अब अरुण गोयल के इस्तीफे से चुनाव पैनल में सिर्फ श्री कुमार ही बचे हैं। अरुण गोयल पंजाब कैडर के 1985 बैच के आईएएस अधिकारी थे। वह नवंबर 2022 में चुनाव आयोग में शामिल हुए थे। सूत्रों के मुताबिक अगले हफ्ते लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होने की संभावना है। इससे ठीक पहले गोयल के अप्रत्याशित तरीके से जाने से अब तारीखों की घोषणा में कुछ देरी भी हो सकती है।

## चांद के बाद समुद्र के अध्ययन की तैयारी, लांच होगा मिशन मत्स्य 6000

**-6 किलोमीटर गहरे समुद्र का अध्ययन का प्लान**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** चांद पर मिशन को सफलतापूर्वक कराने के बाद अब भारत गहरे समुद्र के अध्ययन करने की योजना तैयार कर रहा है। पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरन रिजिजू ने कहा है कि भारत को साल 2025 के अंत तक अपने समुद्रयान में सतह के नीचे 6 किलोमीटर गहरे समुद्र का अध्ययन करने के लिए अपने वैज्ञानिकों को भेजने में सक्षम होना चाहिए। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि पनडुब्बी मत्स्य 6000 की मदद से इंसान समुद्र के नीचे 6,000 मीटर की गहराई तक जा सकता है। इस साल के अंत तक इसका टेस्ट होगा।

रिजिजू ने कहा कि जब आप समुद्रयान की बात करते हैं, तब आप समुद्र के अंदर 6 किलोमीटर की गहराई तक जाने के हमारे मिशन के बारे में बात कर रहे हैं, जहां प्रकाश भी नहीं पहुंच सकता है। मैं कह सकता हूं कि जहां तक हमारे मत्स्य का सवाल है, यह मशीन मनुष्यों को अंदर ले जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने परियोजना की समीक्षा कर वैज्ञानिकों को इस साल के अंत तक पहला उथले पानी का परीक्षण करने में सक्षम होना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि लेकिन मोटे तौर पर मुझे विश्वास है कि 2025 के अंत तक, इसका मतलब है कि अगले साल, हमें अपने मानव चालक दल को 6,000 मीटर से अधिक गहरे समुद्र में भेजने में सक्षम होना चाहिए। समुद्रयान, या गहरे महासागर मिशन, 2021 में शुरू किया गया था। मिशन में मत्स्य 6000 का उपयोग करके मध्य हिंद महासागर में समुद्र तल तक 6,000 मीटर की गहराई तक पहुंचने के लिए एक चालक दल का अभियान शुरू करना है, जिसे तीन सदस्यों के चालक दल को समायोजित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

पनडुब्बी वैज्ञानिक सेंसर और उपकरणों के एक समूह से लैस होगी, और इसमें 12 घंटे की परिचालन क्षमता होगी, जिसे आपातकालीन स्थिति में 96 घंटे तक बढ़ाया जा सकता है। अब तक, अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और जापान जैसे देशों ने गहरे समुद्र में सफल चालक दल मिशनों को अंजाम दिया है। भारत इस तरह के मिशनों के लिए विशेषज्ञता और क्षमता का प्रदर्शन करके इन देशों के रैंक में शामिल होने के लिए तैयार है।

# सुप्रीम कोर्ट से ममता सरकार को झटका, संदेशखाली मामले की सीबीआई जांच पर रोक लगाने से इनकार

**कलकत्ता (एजेंसी)।** ममता सरकार को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। संदेशखाली में ईडी अधिकारियों के हमले की जांच को सीबीआई को सौंपे जाने के कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले में कोई दखल देने से इनकार किया है। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी अधिकारियों पर हमले से संबंधित संदेशखाली मामले में सीबीआई जांच का निर्देश देने वाले कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। हालाँकि, सुप्रीम कोर्ट ने राज्य पुलिस और सरकार के खिलाफ हाईकोर्ट द्वारा की गई टिप्पणियों को हटा दिया। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ पश्चिम बंगाल राज्य द्वारा दायर एक विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई कर रही थी। कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा मामले को स्थानांतरित करने और मुख्य आरोपी शाहजहाँ शेख की हिरासत को केंद्रीय एजेंसी को सौंपने का निर्देश देने के बाद याचिका तत्काल दायर की गई थी।

उच्च न्यायालय का निर्णय राज्य पुलिस के मामले को संभालने के तरीके और आरोपी शाहजहाँ शेख के कथित राजनीतिक प्रभाव पर चिंताओं पर आधारित था। उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा कि राज्य पुलिस पूरी तरह से पक्षपाती है और 50 दिनों से अधिक समय से फरार आरोपी को बचाने के लिए जांच में देरी करने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। आज सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और जयदीप गुप्ता ने पश्चिम

बंगाल राज्य का प्रतिनिधित्व किया। वरिष्ठ वकील ने राज्य पुलिस सदस्यों के साथ एक विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन को रद्द करने और इसके बजाय मामले को सीबीआई को स्थानांतरित करने के फैसले पर सवाल उठाया।

जब अदालत ने पूछा कि मुख्य आरोपी शाहजहां शेख को कई दिनों तक गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया, तो गुप्ता ने जांच पर रोक का हवाला दिया। उन्होंने राज्य पुलिस की मिलीभगत का आरोप लगाते हुए उच्च न्यायालय की टिप्पणी को भी चुनौती दी। ईडी अधिकारियों पर हमले की घटनाओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तारी से बचने में मदद की थी। राजू ने यह भी तर्क दिया कि राज्य पुलिस द्वारा मामले को संभालने में अन्य कमियां थीं, जिसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 307 के तहत आरोप जोड़ने में देरी भी शामिल थी।

# जातीय संघर्ष के बाद भी मणिपुर विकास में पीछे नहीं रहेगा: सीएम बीरेन सिंह

**इंफाल (एजेंसी)।** मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने दावा किया है कि भले ही मणिपुर जातीय हिंसा का शिकार रहा हो लेकिन यहां के विकास कार्य प्रभावित नहीं होने चाहिए। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने विभिन्न क्षेत्रों में आबादी पर जातीय संघर्ष का प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की बात स्वीकार करते हुए कहा कि इसके बावजूद विकास पहल को आगे बढ़ाया जाना चाहिए। इंफाल पूर्वी जिले के लमलाई में एक प्राकृतिक घास फुटबॉल मैदान के निर्माण के शुभारंभ पर अपनी टिप्पणी में उन्होंने कहा, विकास कार्यों को जारी रखने की जरूरत है, हालांकि राज्य कठिन दौर से गुजर रहा है।

गृह विभाग संभालने वाले बीरेन सिंह ने विपरीत परिस्थितियों में युवाओं और महिलाओं के लचीलेपन की सराहना की। उन्होंने सभी क्षेत्रों में प्रगति हासिल करने में कड़ी मेहनत और समर्पण की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।सांप्रदायिक सद्भाव को बाधित करने की कोशिश करने वाली ताकतों के खिलाफ राज्य की मूल आबादी के बीच एकता को स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री ने नागरिकों से लंबे समय से चले आ रहे सह-अस्तित्व पर जोर देते हुए वाहनों और लोगों की आवाजाही को बाधित नहीं करने का आग्रह किया।फुटबॉल मैदान मणिपुर के लिए कई परियोजनाओं का हिस्सा है, जिनकी आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वर्चुअल तौर से रखी थी।ईटानगर में विकसित भारत विकसित पूर्वोत्तर कार्यक्रम के तहत पीएम ने मणिपुर सहित छह पूर्वोत्तर राज्यों के लिए 55,600 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का अनावरण किया। इनमें से कुल 3,500 करोड़ रुपये की परियोजनाएं मणिपुर के लिए थीं।बीरेन सिंह ने कहा, जिन महत्वपूर्ण परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई, उनमें लमलाई में प्राकृतिक घास वाले फुटबॉल मैदान का निर्माण भी शामिल था और इसलिए राज्य सरकार ने रविवार को निर्माण कार्य शुरू करने का फैसला किया है।राज्य में चल रहे संकट के कारणों और समाधान पर संसदीय चर्चा के लिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का आभार जताते हुए मुख्यमंत्री ने राज्य और इसके लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनी सरकार के अथक प्रयासों पर प्रकाश डाला।

## ऑस्ट्रेलिया में भारतीय महिला का शव कूड़ेदान में मिला

कैनबरा। विदेशों में रह रहे भारतीयों का हत्याएं ज्यादा हो रहीं है। अब तक कई देशों में इस तरह के मामले सामने आए हैं। आस्ट्रेलिया में भी एक भारतीय मूल की महिला का शव कूड़ेदान में मिला है। कहा जा रहा है कि कथित तौर पर उनके पति ने ही इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया है। फिलहाल, पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। खबर हैं कि महिला बीते कुछ दिनों से किसी के संपर्क में नहीं थी। पुलिस ने मृतका के करीबी पर ही हत्या का शक जताया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, महिला चैतन्या स्वेता मधागनी पिछले कुछ समय से वह अपने परिवार के साथ ऑस्ट्रेलिया में रह रही थी। वह हैदराबाद की रहने वाली थीं। उनका शव शनिवार को एक सुनसान सड़के के किनारे कूड़ेदान में पड़ा मिला। बताया जा रहा है कि स्वेता का पति अशोक राज अपने पांच साल के बेटे के साथ तकरीबन पांच मार्च को भारत गया था। इसके बाद से ही स्वेता गायब थीं और उनका संपर्क किसी नजदीकी या दोस्त से नहीं हुआ था। स्वेता के पति अशोक ने ऑस्ट्रेलिया में मौजूद अपने पड़ोसियों और कुछ करीबियों से फोन पर बातचीत कर स्वेता के बारे में जानकारी जुटाई थी। अशोक ने पुलिस से भी फोन पर बातचीत की है और उनके साथ जांच में पूरा सहयोग देने का भरोसा दिलाया है। पुलिस को हत्या के कुछ सुराग भी मिले हैं, उसका मानना है कि हत्यारा ऑस्ट्रेलिया से भाग चुका है।विधायक बंडारी लक्ष्मा रेड्डी ने बताया है कि महिला उनके क्षेत्र की थी और उन्होंने परिवार से भी

मुलाकात की है। रेड्डी ने कहा कि महिला के माता-पिता के अनुरोध पर उन्होंने महिला के शव को भारत लाने के लिए विदेश मंत्रालय को पत्र भी लिखा है। विधायक का कहना है कि उन्होंने केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी को भी इस संबंध में जानकारी दे दी है। उन्होंने कहा कि महिला के माता-पिता से मिली जानकारी के अनुसार, उनके दामाद ने ही बेटी को मारने की बात कबूली है।

## अंतरिक्ष नासा ढूंढ रही नए अंतरिक्ष यात्री

### -अगले साल तीन भारतीय जाएंगे अंतरिक्ष के सफर पर

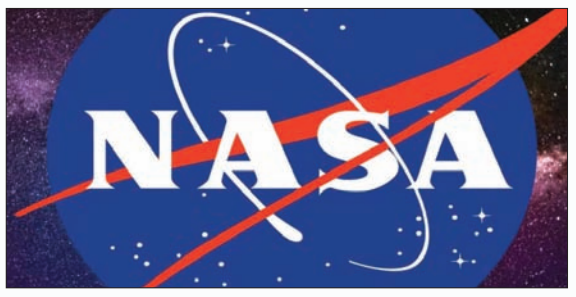


वॉशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा भी नए अंतरिक्ष यात्री ढूंढ रही है। इसके लिए आवेदन मांगे गए हैं।अगर आप भी अंतरिक्ष के सफर पर जाने की ख्वाहिश रखते हैं, तो इसके लिए आवेदन कर सकते हैं।लेकिन उससे पहले योग्यता भी जान लीजिए। ये भी जानिए कि अगर आपमें वह क्षमता है तो आवेदन कैसे करें? रिपोर्ट के मुताबिक, नासा लगभग 60 साल से अपने एस्ट्रोनॉट को स्पेस में भेज रही है।अब तक करीब 2000 अंतरिक्ष यात्री वहां भेजे जा चुके हैं। इनमें से कई तो वर्षों तक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर गुजारकर आए हैं।अब नासा 2030 तक मंगल ग्रह और चांद पर अंतरिक्ष यात्री भेजने की तैयारी कर रही है।आर्टेमिस कार्यक्रम के तहत चंद्रमा पर एक महिला और एक पुरुष एस्ट्रोनॉट भेजा जाएगा।इसी के लिए नासा ने आवेदन मांगे हैं। इच्छुक लोग 2 अप्रैल तक आवेदन कर सकते हैं। नासा ने बताया कि यह पूर्णकालिक पद होगा।इसके लिए हर साल 1.25 करोड़ रुपये सैलरी भी मिलेगी।आवेदन करने के लिए आपका पहले से एस्ट्रोनॉट होना जरूरी नहीं है। लेकिन नासा के चयन के मानदंड कड़े हैं। आवेदकों को इंजीनियरिंग, बॉयोलॉजिकल साइंस, फिजिकल साइंस, कंप्यूटर साइंस या मैथ्स में मास्टर डिग्री होनी चाहिए। लेकिन सबसे खास बात, उसे अमेरिकी नागरिक होना आवश्यक है।इन विषयों में अगर पीएचडी हैं तो फिर और बेहतर।मेडिसिन के क्षेत्र में काम करने वाले लोग, या पायलट भी इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा आवेदक को शरीरिक रूप से फिट होना चाहिए। उसकी दृष्टि बेहतर होनी चाहिए। ब्लड प्रेशर की दिक्कत नहीं होनी चाहिए।नासा के टेक्सास दफ्तर में उसे अंतरिक्ष यात्री बनने के लिए दो साल की ट्रेनिंग दी जाएगी। स्पेस में चलने और रोबोटिक्स का उपयोग करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा।इसके बाद वे एस्ट्रोनॉट की कोर टीम का हिस्सा बन जाएंगे।चयनित लोग आर्टेमिस कार्यक्रम के तहत चंद्रमा या मंगल ग्रह पर जाने के लिए चुने जा सकते हैं।लेकिन इससे पहले उन्हें अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भेजा जाएगा। बता दें कि अगले साल तीन भारतीय भी अंतरिक्ष के सफर पर जाने की तैयारी कर हैं।

## लेबनान के गांव पर इजरायली हमले में 3 की मौत

बेरूत। दक्षिणी लेबनान के हेब्बारिए गांव पर हुए इजरायली हवाई हमले में अल-फज्र सेना के तीन सदस्य मारे गए है। जबकि एक सदस्य घायल हो गया। इजरायली युद्धक विमानों ने एक वाहन पर चार मिसाइलें दागीं, इसकारण वाहन में मौजूद तीन लोगों की मौत हुई और चौथा घायल हो गया। नागरिक सुरक्षा इकाइयों और रेड क्रॉस के सदस्यों ने शवों और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। सुन्नी सशस्त्र समूह अल-फज्र सेना ने हाल ही में दक्षिणी लेबनान से इजरायली सेना के खिलाफ कई सैन्य अभियान चलाया है।

## रेडियोधर्मी मिलने के कारण 194 कैदियों को स्थानांतरित किया

लंदन। ब्रिटेन के प्रिंसटाउन शहर में एचएमपी डार्टमूर पुरुष जेल ने रेडॉन गैस नामक रेडियोधर्मी मिलने के कारण नवंबर से फरवरी के बीच 184 कोठरियों को बंद कर दिया और 194 कैदियों को स्थानांतरित किया। मीडिया ने जेल प्रवक्ता के हवाले से कहा कि नियमित जांच में रेडॉन गैस के सामान्य स्तर से ज्यादा मिलने के बाद एहतियात के तौर पर कई कैदियों को स्थानांतरित किया गया। रिपोर्ट में कहा गया कि इमारत में रेडॉन के स्तर को स्थायी रूप से कम करने के काम के बीच कैदियों का स्थानांतरण एक अस्थायी उपाय है।

## प्रिंस हैरी की पत्नी मेघना का खुलासा....गर्भावस्था के दौरान ऑनलाइन धमकियों और दुर्व्यवहार को साह

लंदन। ब्रिटेन के शाही परिवार की बहू ने गर्भावस्था के दौरान खराब बर्ताव का सामना करने की बात कही है। किंग चार्ल्स के बेटे प्रिंस हैरी की पत्नी मेघन ने कहा है कि उन्होंने क्रूर ऑनलाइन बदमाशी और दुर्व्यवहार का अनुभव किया है। ऐसा उनके साथ गर्भावस्था के दौरान हुआ। मेघन ने कहा कि मैं अपनी भलाई के लिए सोशल मीडिया से दूरी बनाकर रखती हूं। क्योंकि सोशल मीडिया और ऑनलाइन धमकियों और दुर्व्यवहार का अनुभव मुझे तब हुआ जब मैं आर्ची और लिली मेरे पेट में थे। मेघन ने कहा कि अगर आप किसी महिला के बारे में कुछ भयानक पढ़ रहे हैं, नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। मुझे लगता है कि डिजिटल स्पेस में हम अपनी मानवता के बारे में भूल गए हैं और बदलना होगा। मेघन ने प्रिंस हैरी से शादी के बाद 6 मई, 2019 को अपने पहले बच्चे आर्ची हैरिसन माउंटबेटन-विंडसर को जन्म दिया। इसके बाद जोड़े ने 4 जून, 2021 को लिलिबेट डायना का स्वागत किया। 42 वर्षीय पूर्व अभिनेत्री मेघन और प्रिंस हैरी शाही परिवार सार्वजनिक तौर पर ज्यादा सक्रिय नहीं है। वे कैलिफोर्निया में आर्कवेल फाउंडेशन के माध्यम से अपने समाजसेवा के कामों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। मेघन जानी मानी अमेरिकी अभिनेत्री रह चुकी हैं। तीन साल पहले भी मेघन ने इंटरव्यू में शाही परिवार पर गंभीर आरोप लगाए थे। मेगन ने बकिंघम पैलेस पर रंग के आधार पर भेदभाव करने का आरोप लगाकर कहा था कि राजपरिवार में रहने के दौरान उन्हें आत्महत्या के ख्याल आने लगे थे। शाही परिवार उनके बेटे आर्ची के रंग को लेकर परेशान था। उनके इन आरोपों ने शाही परिवार में तहलका मचा दिया था।

इंडोनेशिया में भारी बारिश और बाढ़ के कारण नाव से इधर-उधर जाते हुए लोग।

## भारतीय उच्चायुक्त प्रमुख से लंदन में मिले सीएम नीतीश कुमार

### -ब्रिटेन में बसे बिहार के लोगों से की मुलाकात

लंदन। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त प्रमुख विक्रम के. दोरईस्वामी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। मुख्यमंत्री कार्यालय ने इसकी जानकारी दी। बिहार में मुख्यमंत्री सचिवालय ने बताया, ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त दोरईस्वामी ने मुख्यमंत्री नीतीश से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच निर्माणाधीन डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम साइंस सिटी को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने कहा कि वे पटना में निर्माणाधीन साइंस सिटी को विश्वस्तरीय बनाना चाहते हैं, ताकि विज्ञान के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों खासकर ऐतिहासिक और समृद्धशाली अतीत को धारण करने वाली बिहार एवं पाटलिपुत्र की भूमिका को लोगों के सामने लाया जा सके। मुख्यमंत्री नीतीश ने साइंस म्यूजियम का दौरा करने के बाद अपने अनुभवों को भी साझा किया। भारतीय उच्चायुक्त ने खगोलीय गणना एवं गणितीय विश्लेषण के क्षेत्र में बिहार की प्रशंसा कर कहा कि बिहार ने पूरी दुनिया को इस क्षेत्र में ज्ञान की रोशनी दिखाई है। उन्होंने कहा कि बिहार में नई साइंस सिटी में इससे संबंधित जानकारियां और सामग्रियां लोगों को अपने गौरवशाली अतीत से रूबरू कराएगी। भारतीय उच्चायुक्त ने नीतीश को साइंस सिटी के निर्माण में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। वहीं, लंदन में सिखों की संस्था 'यूके सेवा दल के जत्थेदार बाबा मोहिंदर सिंह और ब्रिटेन में बसे बिहार के लोगों ने मुख्यमंत्री कुमार से मुलाकात की। बाबा मोहिंदर सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री को सम्मानित किया और छह साल पहले 350वें प्रकाश पर्व का आयोजन करके दुनिया भर के सिखों का दिल जीतने के लिए उनकी सराहना की।

## चीन और पाकिस्तान से तनाव के बीच दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक देश बना भारत! रूसी हथियारों पर निर्भरता कम की

**इस्लामाबाद (एजेंसी)।** एक महत्वपूर्ण भूराजनीतिक बदलाव के तहत, भारत रूसी हथियारों पर अपनी निर्भरता कम कर रहा है, पाकिस्तान और चीन के साथ बढ़ते तनाव का मुकाबला करने के लिए अपनी रक्षा खरीद में विविधता ला रहा है। 2014-18 और 2019-23 के बीच हथियारों के आयात में 4.7त्न की मामूली वृद्धि के बावजूद, भारत के आयात में रूसी हथियारों की हिस्सेदारी में भारी गिरावट आई है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट में कहा कि 2009-13 की अवधि में रूस की भारतीय हथियारों के आयात में हिस्सेदारी 76प्र. से घटकर नवीनतम पांच साल की अवधि में 36त्न हो गई है।

### दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक देश बना भारत

यह कदम 1960 के दशक के बाद पहली बार है कि भारत के आधे से भी कम हथियार आयात रूस से होते हैं। इसके बजाय, भारत अपनी बढ़ती रक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए फ्रांस और अमेरिका जैसे पश्चिमी देशों की ओर रुख कर रहा है, साथ ही अपने घरेलू हथियार उद्योग को भी बढ़ावा दे रहा है।

### पश्चिमी आपूर्तिकर्ताओं और घरेलू उद्योग को बढ़त हासिल हुई

भारत की रक्षा खरीद रणनीति में बदलाव उसके नए ऑर्डर और हथियार खरीद योजनाओं में स्पष्ट है, जिसमें अब रूसी विकल्पों को छोड़कर, पश्चिमी आपूर्तिकर्ताओं की भारी सुविधा है। यह परिवर्तन अपनी हथियार आपूर्ति श्रृंखला के विविधीकरण के माध्यम से अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में भारत की रणनीतिक धुरी को रेखांकित करता है।

लड़ाकू विमानों सहित महत्वपूर्ण सौदों के साथ फ्रांस विशेष रूप से एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता बन गया है, जो भारत और पश्चिमी देशों के बीच गहरे रक्षा संबंधों को रेखांकित करता है। एसआईपीआरआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि इसी तरह, संयुक्त राज्य अमेरिका भारत के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करते हुए एक प्रमुख हथियार आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरा है।

### क्षेत्रीय सुरक्षा गतिशीलता

यह रणनीतिक पुनर्गठन पड़ोसी पाकिस्तान और चीन के साथ बढ़े तनाव की पृष्ठभूमि में आया है। दुनिया के पांचवें सबसे बड़े हथियार आयातक पाकिस्तान में हथियारों के आयात में 43प्र. की वृद्धि देखी गई है, जिसमें चीन इसका प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। चीन-पाकिस्तान रक्षा साझेदारी के मजबूत होने से, पाकिस्तान के 82प्र. हथियार आयात चीन से होते हैं, जिससे क्षेत्रीय सुरक्षा जटिलताएँ बढ़ गई हैं।

उभरते सुरक्षा परिदृश्य के प्रति भारत की प्रतिक्रिया में विविध हथियारों के आयात और स्वदेशी सैन्य विकास के माध्यम से अपनी रक्षा स्थिति को मजबूत करना शामिल है। रूसी से पश्चिमी हथियार आपूर्तिकर्ताओं की ओर बदलाव क्षेत्र में बदलती भू-राजनीतिक गतिशीलता और सुरक्षा चुनौतियों के जवाब में भारत की विदेश नीति और रक्षा रणनीति में व्यापक बदलाव का प्रतीक है।

### वैश्विक हथियार व्यापार में बदलाव

संयुक्त राज्य अमेरिका और पश्चिमी यूरोप सामूहिक रूप से 2019-23 की अवधि में सभी हथियारों के निर्यात के 72प्र. के लिए जिम्मेदार थे, जो पिछले पांच साल की अवधि में 62त्न से वृद्धि दर्शाता है। एसआईपीआरआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि अकेले अमेरिका ने अपने वैश्विक हथियार निर्यात में 17प्र. की वृद्धि की, जिससे वैश्विक स्तर पर अग्रणी हथियार आपूर्तिकर्ता के रूप में अपनी स्थिति मजबूत हुई। फ्रांस एक उल्लेखनीय खिलाड़ी के रूप में उभरा, जिसने अपने हथियारों के निर्यात में 47प्र. की वृद्धि देखी और खुद को रूस से आगे रखा। फ्रांसीसी हथियारों के निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि, विशेष रूप से भारत, कतर और मिस्र जैसे देशों में लड़ाकू विमानों में उल्लेखनीय वृद्धि, इसके हथियार उद्योग के लिए रणनीतिक बढ़ावा का प्रतीक है।

इसके विपरीत, दोनों अवधियों के बीच रूस के हथियारों के निर्यात में 53प्र. की गिरावट आई। इस तीव्र कमी के परिणामस्वरूप रूस पहली बार फ्रांस से पीछे रहकर तीसरा सबसे बड़ा हथियार निर्यातक बन गया।

### यूरोपीय हथियार आयातः एक नई ऊंचाई

यूरोपीय राज्यों ने हाल के पांच वर्षों की अवधि में अपने हथियारों के आयात में 94प्र. की वृद्धि की है, जिसमें एक महत्वपूर्ण हिस्सा (55प्र.) संयुक्त राज्य अमेरिका से आया है। यह वृद्धि यूरोप की पर्याप्त सैन्य-औद्योगिक क्षमता और ट्रांस-अटलांटिक संबंधों को बनाए रखने के महत्व को दर्शाती है। यूक्रेन, विशेष रूप से, रूस के साथ संघर्ष के कारण सबसे बड़ा यूरोपीय हथियार आयातक और विश्व स्तर पर चौथा सबसे बड़ा देश बन गया है।

## चीन फिर कर रहा हिमाकत, मालदीव और हिंद महासागर में सर्विलांस जहाज के जरिए क्या है मंशा?

**बीजिंग (एजेंसी)।** चीनी सैन्य अनुसंधान-सर्वेक्षण-सर्विलांस जहाज जियांग यांग होंग 3 ने वर्तमान में माले बंदरगाह पर लंगर डाल रखा है। वहीं अब एक अन्य सहयोगी जहाज जियांग यांग होंग 01 भारत के पूर्वी समुद्री तट पर निगरानी के लिए बंगाल की खाड़ी की ओर बढ़ रहा है। समुद्री यातायात वेबसाइट हिंद महासागर क्षेत्र में दोनों सर्विलांस जहाजों को मालदीव में चीन समर्थक मुइज्जू सरकार के साथ कनेक्ट करके देख रही है जो जासूसी जहाज को माले में डॉक करने की अनुमति देती है। चूंकि 01 जहाज का कोई सूचीबद्ध गंतव्य नहीं है, इसलिए खुफिया इनपुट से संकेत मिलता है कि जासूसी जहाज ऑपरेशनल टर्नअराउंड (ओटीआर) के लिए श्रीलंकाई बंदरगाह की ओर रुख करेगा।

भले ही श्रीलंका ने पिछले 22 दिसंबर, 2023 को सर्वेक्षण जहाजों के खिलाफ एक साल की रोक की घोषणा की थी, लेकिन इनपुट से संकेत मिलता है कि जहाज डॉकिंग की अनुमति देने के दबाव में रानिल विक्रमसिंघे सरकार के साथ कोलंबो बंदरगाह पर डॉक कर सकता है। दोनों जहाजों की निगरानी भारतीय नौसेना द्वारा की जा रही है। समुद्री सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, इन जहाजों का प्रत्यक्ष उद्देश्य आईओआर में भविष्य में पीएलए नौसेना के पनडुब्बी संचालन के लिए हाइड्रोग्राफी और हाइड्रोलॉजिकल सर्वेक्षण करना है।

भारत के पूर्वी समुद्र तट पर चीनी जासूसी जहाजों की मौजूदगी बालासोर परीक्षण पर मिसाइल फायरिंग की निगरानी करना भी हो सकता है। विशाखापत्तनम के पास स्थित पनडुब्बी ले जाने वाली भारतीय परमाणु बैलिस्टिक मिसाइल के हस्ताक्षर चुनने के अलावा रेंज। भारत के पास वर्तमान में तीन परमाणु-संचालित बैलिस्टिक मिसाइल ले जाने वाली पनडुब्बियां हैं और तीसरी वर्तमान में गहरे समुद्र में परीक्षण कर रही है।

## खुशी इतनी की बिना कपड़ों के मंच पर पहुंच गए जॉन सीना

**वाशिंगटन (एजेंसी)।** ऑस्कर अवार्ड समारोह में कुछ न कुछ आश्चर्यजनक होता ही रहा है। फिर इस बार का समारोह बिना चौंकाए कैसे पूरा हो सकता है। इस बार रेस्लर और हॉलीवुड एक्टर जॉन सीना ने एक हरकत करके पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। उन्होंने बिना कपड़ो के स्टेज पर आकर सुर्खियां बटोरी है। इससे पहले विल स्मिथ द्वारा थप्पड़ मारने वाली घटना भी काफी चर्चा हुई थी। बता दें कि ऑस्कर कहा जाने वाला एकेडमी अवॉर्ड्स एक ऐसा फिल्म पुरस्कार समारोह है जो सिर्फ विजेताओं नहीं बल्कि अन्य कारणों से भी चर्चा में रहता है। जॉन सीना, जो अपने हास्यबोध के लिए जाने जाते हैं, पुरस्कार समारोह में मेजबान जिमी किमेल के साथ एक प्लेकार्ड के साथ में मजाकिया अंदाज में शामिल हुए। सभी को आश्चर्यचकित करते हुए, सीना ने अपरंपरागत तरीके से सर्वश्रेष्ठ पोशाक डिजाइन के लिए

नामांकित व्यक्तियों की घोषणा करके मजाक को अगले स्तर पर ले लिया। वह मंच पर बिना कुछ पहने पहुंचे, जिससे दर्शक के साथ-साथ बड़े-बड़े स्टार्स हैरान रह गए। प्लेकार्ड के पीछे छिपे जॉन सीना ने दर्शकों के लिए एक यादगार और मनोरंजक क्षण पेश करते हुए विनोदपूर्वक पुरस्कार प्रदान किया। अप्रत्याशित स्टंट ने ऑस्कर समारोह में एक हल्का-फुल्का स्पर्श जोड़ दिया और सीना और किमेल के बीच मजाक के साथ-साथ दर्शकों को हंसने पर मजबूर कर दिया।

## पाकिस्तान में हाल में हुई बारिश के कारण दिलीप कुमार का पैतृक आवास क्षतिग्रस्त

**पेशावर (एजेंसी)।** पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में स्थित दिवंगत अभिनेता दिलीप कुमार का पैतृक आवास हाल में हुई बारिशों के चलते गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त होने के बाद लगभग ढहने के कगार पर है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मूसलाधार बारिश ने घर के पुनर्वास और नवीनीकरण के बारे में खैबर पख्तूनख्वा के पुरालेख विभाग के बड़े-बड़े दावों की पूरी तरह से पोल खोल दी है। दिलीप कुमार का जन्म 1922 में पेशावर शहर के ऐतिहासिक किस्सा ख्वानी बाजार के पीछे मुहल्ला खुदादाद में स्थित इस घर में हुआ था और 1932 में भारत जाने से पहले उन्होंने अपने शुरुआती 12 साल यहीं बिताए थे।

पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने 13 जुलाई 2014 को इस घर को पाकिस्तान का

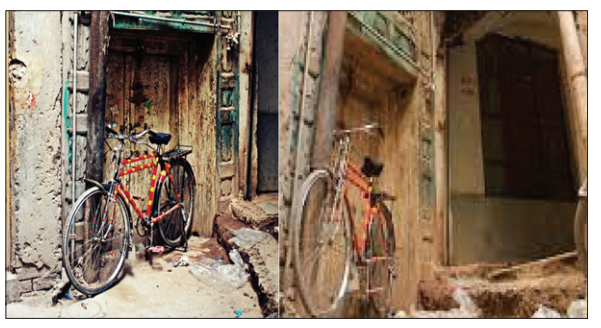

राष्ट्रीय विरासत स्मारक घोषित किया था। कुमार एक बार अपने घर आए थे और उन्होंने भावुक होकर वहां की मिट्टी को चूम लिया था। खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत की विरासत परिषद के सचिव शकील वहीदुल्ला खान ने कहा कि पेशावर में हाल में हुई बारिश ने कुमार के घर को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है।

वर्ष 1880 में बनी इस संपत्ति के बारे में उन्होंने कहा कि खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत की पिछली सरकार ने काफी सारे अनुदान देने का वादा किया था, इसके बावजूद इस राष्ट्रीय विरासत की सुरक्षा व संरक्षण के लिए एक पैसा भी खर्च नहीं किया गया है। दुनिया भर से यहां आने वाले पर्यटक ऐतिहासिक संपत्ति की जर्जर हालत देखकर निराश हो जाते हैं। पुरालेख विभाग द्वारा घर का अधिग्रहण करने से पहले इसकी देखभाल करने वाले मुहम्मद अली मीर ने कहा कि वह बहुत सावधानी से इसकी उचित तरीके देखभाल कर रहे थे।

अली ने कहा कि पुरालेख विभाग द्वारा अधिग्रहण के बाद घर की हालत खराब होने लगी और इसके पुनर्वास व नवीनीकरण की प्रक्रिया बयानों तक सिमट कर रह गई। कुमार का मकान अब वीरान पड़ा हुआ है। अली ने कहा, ÷कुमार के मन में पेशावर के लोगों के प्रति बहुत प्यार और सम्मान था और दुर्भाग्यवश, हमारा विभाग उनके घर को ढहने से बचाने के लिए कुछ नहीं कर सका।÷ अभिनेता का 7 जुलाई, 2021 को 98 वर्ष की आयु में मुंबई में निधन हो गया था। उन्होंने हमेशा पेशावर शहर को अपने दिल के करीब बताया और वह अपने बचपन की बातें याद करते थे। उन्हें 1997 में पाकिस्तान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'निशान-ए-इम्तियाज' से सम्मानित किया गया था।

## पाकिस्तान बना मोहरा, कैसे चीन ने दाने-दाने को तरसते मुल्क को बुरी तरह फंसा दिया

**इस्लामाबाद। (एजेंसी)।** पाकिस्तान के चुनाव में चालबाजी हुई। धांधली की खबरों से पूरी दुनिया में पाकिस्तान ने जग हंसाई करा ली। पाकिस्तान में सरकार बनाने की पैंतरेबाज़ी से अब चीन को भी चक्कर आ रहे हैं। लेकिन आखिरकार चीन इस मेड इन चाइना का ठप्पा सरकार में लगाने में कामयाब हो ही गया है। इससे पहले लगातार यह खबरें आ रही थी कि भारत विरोधी मुहिम चलाने के लिए चीन को पाकिस्तान जैसे चेहरे की ज़रूरत अक्सर पड़ती रहती है। इसलिए जिन पिक के चेहरे पर एक खास सुकून देखने को मिल रहा है। मिस्टर 10त्न आसिफ अली जरदारी भी अब राष्ट्रपति बन गए हैं। वो चीन के पुराने चाटुकार रहे हैं और इससे पहले पाकिस्तान के नए पीएम शाहबाज शरीफ ने एक बार फिर तिकड़मबाजी से गद्दी हासिल कर ली है। वहीं पाकिस्तान के पिट्ठू जनरल आसिम मुनीर भी पहले से ही चीन के चेले बने हुए हैं।

पाकिस्तान में राष्ट्रपति चुनाव में आसिफ अली जरदारी की जीत के बाद चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बाछें खिल गई। मिस्टर 10 पर्सेंट के नाम से कुख्यात जरदारी को उन्होंने ऐसी मुबारकबाद पेश की जिससे लगा कि पाकिस्तान में मेड इन चाइना राष्ट्रपति की ताजपोशी हुई है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनफिंग ने पाकिस्तान का राष्ट्रपति चुने जाने पर आसिफ अली जरदारी को बधाई देते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच फौलाद जैसी मित्रता इतिहास की पसंद है और विश्व में मौजूदा बदलाव के मद्देनजर इन संबंधों का रणनीतिक महत्व और बढ़ गया है।

लेकिन चीन दोस्ती के नाम पर पाकिस्तान का केवल इस्तेमाल ही करता है। पाकिस्तान की मीडिया में इस बात की चर्चा जोरों पर है कि हिंदुस्तान की सैन्य तैयारियों से चीन के माथे पर बल पड़ गए हैं। इससे शी जिनपिंग टेंशन में है। पाकिस्तान के लोगों को भी इस बात का अहसास हो गया है कि भारत के खिलाफ चीन केवल पाकिस्तान को मोहरा बना रहा है।

THE PHOTON NEWS

# परिवार पर फोकस्ड हैं सेलिना जेटली

फिलहाल अपने परिवार पर फोकस्ड सेलिना जेटली भारतीय सिनेमा की जानी- मानी एक्ट्रेस रही हैं और उन्होंने 2 दर्जन से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। अभिनय के अलावा वे अपनी खूबसूरती के लिए भी जानी जाती हैं। उन्होंने फेमिना मिस इंडिया 2001 का खिताब जीता और मिस यूनिवर्स 2001 में चौथी रनर-अप बनीं। उन्होंने 2003 की थ्रिलर जानशीं से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। अभिनेत्री ने हाल ही में एक पोस्ट शेयर की है जिसके जरिए वे यूजर्स का अटेंशन ले रही हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में एक पोस्ट के जरिए हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। लेटेस्ट तस्वीर में जेलिना अपने जुड़वा बच्चों के साथ देखी जा सकती हैं। इस तस्वीर को शेयर कर उन्होंने एक लंबा कैप्शन लिखा और इसी में उन्होंने महिलाओं से संबधित लोगों की विचारधाराओं को भी उजागर किया है। अभिनेत्री ने लिखा, एक उर्दू कविता है जो कहती है औरत बिकी तो तवायफ हुई, मर्द बाइक तो दुल्हें बन गए। उनके इस पोस्ट पर हजारों कमेंट्स आ रहे हैं। तस्वीर तब की है जब उन्होंने अपने जुड़वां बच्चों संग तस्वीर डाली थी और इसमें वे बिकिनी पहने हुए अपने एक बेटे को दूध पिलातीं दिख रही थीं। अभिनेत्री ने लिखा, जब यह पहली बार पोस्ट किया गया था तो यह इंटरनेट पर मेरे एक महीने के फ्रजुड़वां लड़कों के साथ मुझे खूब ट्रोल किया गया था। जबकि फ्रबिकिनी का ट्रोलिंग से बहुत लेना-देना था, मुझे याद है कि मेरे एक लव केक (बेबी विंस्टन) को अपने बगल में रखने और उसे अपनी बाहों में न पकड़ने के लिए मुझ पर अटैक किया गया था। अभिनेत्री ने कहा, बिकिनी में अपने ही बच्चों को दूध पिलाने के लिए मुझे डायन होने से लेकर दुष्ट होने जैसी न जाने क्या-क्या मेरे लिए लिखा गया था। वे कहती हैं, पर्दे के पीछे जो चल रहा था वो यह था कि बच्चे हमेशा गोद में नहीं रहना चाहते। उन्हें पैर पटकना और स्वतंत्र महसूस करना पसंद है। जब आपके जुड़वां बच्चे होते हैं तो आप हमेशा उनकी जरूरतों के अनुसार बच्चों के बीच बदलाव करते रहते हैं। मेरी गोद में बैठा विराज अभी-अभी दूध पी रहा था और विंस्टन घूमना-फिरना और धूप का आनंद लेना चाहता था और विटामिन डी लेना चाहता था। बकौल जेलिना मुझे स्विमसूट पहनने के लिए जज किया गया, ट्रोल किया गया, बुरा-भला कहा गया। मेरे पति उस समय वहां मौजूद थे, जब हमारे मित्र लेबनानी फोटोग्राफर महा नसरा एडे ने हमारे लिए ये खूबसूरत यादें बनाईं। किसी ने एक बार भी लिहाज दिखाने की नहीं सोची। मुझे एक इंसान होने के लिए शर्मिंदा किया जा रहा था, सिर्फ इसलिए कि मैं एक मां बन गई थी इसलिए मैंने अपनी पहचान नहीं खोई, क्योंकि मां बनने के बाद मैंने अपनी पुरानी पहचान खोई थी, कारण था कि वो उस वक्त मेरे लिए सही नहीं था। फिर भी मुझे शर्मिंदा किया जा रहा था। मेरे पति ने उस दिन बहुत पावरफुल बात कही थी। उन्होंने कहा कि मुझे शेम के कल्चर में अपनी शक्ति और साहस को फिर से अचीव करने पर फोकस करना चाहिए। जब भी मुझे मेरे फ्लो के अपोजिट जाने के लिए आंका जाता है तो मैंने इसे हमेशा अपने दिमाग में रखा है। मैं केवल एक ही बात कहना चाहूंग- अगर लोग आपको नीचे गिराने की कोशिश कर रहे हैं, तो इसका मतलब केवल यह है कि आप उनसे ऊपर हैं, किसी को भी आपको अपने प्रामाणिक आत्म को कम करने के लिए कहने न दें।

## नयनतारा परिवार के साथ सउदी अरब पहुंची



साउथ सुपरस्टार नयनतारा अपने परिवार के साथ सउदी अरब पहुंची हैं। नयनतारा अपने पति विग्नेश शिवन और बच्चे, उइर और उलाग के साथ रेसिंग कार्यक्रम में शामिल होने सउदी अरब पहुंची। इवेंट से पहले नयनतारा और विग्नेश शिवन ने एक साथ कुछ क्वालिटी टाइम बिताया। इससे पहले नयनतारा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें साझा की थीं, जिसमें वो अपने पति के प्रति अपना आभार प्रकट करती हुई नजर आ रही थीं। अपने पति विग्नेश को टैग करते हुए अभिनेत्री ने लिखा- आज मैं जिस तरह की महिला हूं, वैसी महिला बनाने के लिए आपका दिल से शुक्रिया। इसके अलावा उन्होंने अपने पति से अलग होने को लेकर उठी सभी अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि उनके और उनके पति के बीच सबकुछ ठीक है। इससे पहले एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक संदेश साझा किया था, जिसे पढ़ने के बाद उसके प्रशंसक घबरा गए थे।

## महाभारत में द्रौपदी के रोल के लिए पहली पसंद थीं जूही

इंडस्ट्री की वो जानी मानी एक्ट्रेस जूही ने 1984 में मिस इंडिया खिताब अपने नाम करने के बाद 1986 में डेब्यू किया। करियर की पहली ही फिल्म फ्लॉप साबित हुई। बीआर चोपड़ा की महाभारत में ये ही एक्ट्रेस द्रौपदी के रोल के लिए पहली पसंद थीं, जिसे बाद में रूपा गांगूली ने निभाया था। साल 1993 में आई फिल्म आइना में जैकी श्रॉफ संग और फिल्म डर में सनी देओल संग नजर आ चुकीं जूही ने अपने करियर की शुरुआत साल 1986 में नसीरउद्दीन शाह की फिल्म सल्तनत से की थी। हालांकि उनके करियर की ये पहली ही फिल्म फ्लॉप साबित हुई थी। इस फिल्म के रिलीज होने से पहले जूही को एक साउथ के प्रोड्यूसर ने फोटो लेकर बीआर चोपड़ा के पास भेजा था जब वह महाभारत की कास्ट की तलाश कर रहे थे। जूही चावला ने अपने इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने पहली बार में जूही को द्रौपदी के रोल के लिए साइन कर लिया था। लेकिन उसी वक्त जूही की फिल्म भी रिलीज होने वाली थी, इस फिल्म की वजह से जूही को द्रौपदी का रोल छोड़ना पड़ा था। जूही की पहली फिल्म भले ही फ्लॉप साबित रही हो। लेकिन आमिर खान के साथ फिल्म कयामत से कयामत में जूही ने अपने रोल से सभी को चौंका दिया था। उनकी ये फिल्म हिट साबित हुई थी। आमिर खान के साथ उनकी केमिस्ट्री भी काफी पसंद की गई थी।

इस फिल्म के बाद जूही ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा इसके बाद उन्होंने 'हम हैं राही प्यार के', 'दीवाना मस्ताना', 'यस बॉस, 'लुटेरे', 'आईना', 'डर', इश्क'जैसी कई ऐसी फिल्मों में काम किया, जिसके बाद तो उनका नाम इंडस्ट्री की हाइएस्ट पेड एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शामिल हो गया था। फिर एक दौर एक्ट्रेस की लाइफ में ऐसा भी आया जब उनकी फिल्में सिल्वर स्क्रीन पर फ्लॉप साबित होने लगीं।।

दरअसल साल 1997 में उनसे एक ऐसी गलती हो गई कि देखते ही देखते उनका पूरा करियर डूबने लगा था। कहा जाता है कि यश चोपड़ा की फिल्म' दिल तो पागल है'रिजेक्ट करने के बाद से ही उनका करियर ठप होने लगा था।

## श्रॉफ और अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' का बेसब्री से इंतजार

टाइगर श्रॉफ और अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' का बेसब्री से इंतजार है। ऐसे में सोशल मीडिया पर दोनों का एक मजेदार वीडियो भी इन दिनों काफी वायरल हो रहा है, जिसमें अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ दोनों एक दूसरे को टक्कर देते नजर आ रहे हैं। टाइगर श्रॉफ ने ये वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की है। सामने आई इस वीडियो में दोनों स्टंटमैन एक साथ नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर ये वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, फैंस इस वीडियो पर जमकर कमेंट कर रहे हैं। अक्षय इस वीडियो में टाइगर कुछ हिसाब बराबर करने वाली बात करते नजर आ रहे हैं। इस दिलचस्प वीडियो पर फिल्म इंडस्ट्री के कई सेलेब्स और फैंस भी रिएक्शन कर रहे हैं। टाइगर ने जो वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है इसमें वह अक्षय से पूछते हैं कि बड़े एक रेस हो जाए क्या वहा पूल के आखिर तक? अक्षय टाइगर के इस चैलेंज को क्यों एक्सेप्ट नहीं करते। बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार तो जाने ही अपनी फिटनेस के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने टाइगर के साथ मिलकर पूल में छलांग लगा दीस जबकि टाइगर चीटिंग करते हुए जल्दी से आखिर में पहुंच जाते हैं और विनर घोषित कर देते हैं। टाइगर की इस हरकत को देख अक्षय कुमार काफी कनफ्यूज हो जाते हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए टाइगर ने कैप्शन में लिखा, हिसाब बराबर बड़े अक्षय कुमार। अक्षय कहां पीछे हटने वाले थे उन्होंने करारा जवाब देते हुए लिखा, हिसाब बराबर नहीं छोटे, हिसाब यूंही चलता रहेगा। एक्टर का ये वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। फैंस के साथ इस पर राहुल देव और दर्शन कुमार जैसे कई सेलेब्स भी कमेंट कर रहे हैं।

बता दें कि अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की बड़े मियां छोटे मियां इसी साल ईद के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। दोनों स्टंटमैन की ये फिल्म ,अमिताभ बच्चन, गोविंदा और माधुरी दीक्षित की सुपरहिट फिल्म का रीमेक है।

## साड़ी में बला की खूबसूरत दिख रही जाह्नवी

हाल ही में एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर का साउथ इंडियन लुक देखने को मिला। एक्ट्रेस तस्वीरों में रेड एंड पर्पल साड़ी में बला की खूबसूरत दिख रही हैं। उन्होंने अपनी साड़ी को ओरेंज कलर के ब्लाउज के साथ टीमअप किया है। इसके साथ ही उन्होंने पर्पल लहंगा पेयर किया है। उन्होंने न्यूड मेकअप किया है, जो उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है। माथे पर बिंदी, सोने के ईयरिंग्स, ब्राउन लिपस्टिक जाह्नवी के लुक को परफेक्ट बना रहे हैं। हेयरस्टाइल की बात करें तो जाह्नवी ने बालों को हाफ बांध रखा है जिस पर बैंगनी कलर का फूल लगाया है। पार्क में बैठ जाह्नवी स्टाइलिश अंदाज में पोज दे रही हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। इन तस्वीरों को शेयर कर जाह्नवी ने बर्थडे विश के लिए लोगों को शुक्रिया कहा है। जाह्नवी ने लिखा-जन्मदिन के प्यार के लिए धन्यवाद। फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो जाह्नवी कपूर के पास कई एक्साइटिंग प्रोजेक्ट्स हैं। जाह्नवी जल्द ही स्पोर्ट्स ड्रामा मिस्टर एंड मिसेज माही में नजर आएंगीं। इस फिल्म में एक्ट्रेस राजकुमार राव के साथ स्क्रीन शेयर करते देखा जा सकेगा। इसके अलावा जाह्नवी देशभक्ति थ्रिलर उलझ में नजआ आएंगी। इतना ही नहीं जाह्ननी फिल्म देवारा से तेलगू डेब्यू भी करने जा रही हैं। फिल्म में उनके साथ जूनियर एनटीआर और सैफ अली खान हैं। बता दें कि जाह्नवी फिल्मों के साथ-साथ अपने फैशन सेंस को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टा अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर किए हैं। इन तस्वीरों में धड़क गर्ल

# 'पुष्पा 2' की रिलीज का बेसब्री से इंतजार

दर्शकों को अब 'पुष्पा 2' की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना ने मुख्य नायिका की भूमिका निभाई थी, जो पुष्पा-2 में भी हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक रश्मिका ने 'पुष्पा 2' बारे में बात की और वादा किया कि सुकुमार निर्देशित फिल्म पहले से कहीं ज्यादा बड़ी होगी। रश्मिका ने कहा, यह बहुत अच्छी चल रही है। हमें फिल्म बनाने में लगभग 50 से ज्यादा दिन हो चुके हैं और अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है, लेकिन जैसा कि मैं हमेशा अपने दर्शकों से वादा करती रहती हूं कि यह पहले से कहीं ज्यादा बड़ी होने वाली है। इसमें बहुत मेहनत की गई है और डिटेल्स पर काफी ध्यान दिया गया है। हर किरदार पर बहुत ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है और यह सरप्राइजिंग है।卐वैसे इससे पहले भी रश्मिका ने 'पुष्पा 2' पर अपडेट शेयर किया था। एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने खुलासा किया था कि उन्होंने पुष्पा 2 के लिए एक गाने की शूटिंग पूरी कर ली है। उन्होंने कहा था, हमने पहली फिल्म में कुछ पागलपन दिखाया, पार्ट 2 में, हम जानते हैं कि हमारी एक ज़िम्मेदारी है क्योंकि लोगों को फिल्म से बहुत उम्मीदें हैं।हम लगातार और एक्टिवली इसे डिलीवर करने की कोशिश कर रहे हैं। मैंने अभी-अभी पुष्पा 2 के लिए एक गाने की शूटिंग की और मैंने कहा, आप लोग इस बारे में कैसे सोच रहे हैं? हर कोई एक अच्छी फिल्म बनाने के लिए इंस्पायर होता है। हम सभी बाहर गए हैं और इस प्रोसेस को एंजॉय कर रहे हैं। यह एक ऐसी कहानी है जिसका कोई एंड नहीं है, आप इसे किसी भी निर्देशन में ले जा सकते हैं। यह मजेदार है।' पुष्पा- द राइज़' साल 2021 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म को भी सुकुमार ने लिखा था और डायरेक्ट भी किया था। ये फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। तभी से फैंस पुष्पा 2- द रूल को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। खबरें हैं कि 'पुष्पा 2' की शूटिंग का अब फाइनल शेड्यूल चल रहा है। 'पुष्पा 2' से अल्लू अर्जुन का फर्स्ट लुक रिवील हो चुका है। पोस्टर में वह साड़ी पहने हुए नजर आए थे और उनका चेहरा नीले और लाल रंग से रंगा हुआ था। दर्शकों को अब रश्मिका मंदाना के फर्स्ट लुक पोस्टर का इंतजार है। ये फिल्म सिनेमाघरों में 15 अगस्त 2024 को दस्तक देगी। बता दें कि दक्षिण भारत के सुपर सितारे अल्लू अर्जुन के करियर में वर्ष 2021 में प्रदर्शित हुई लेखक निर्देशक सुकुमार की पुष्पा ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस फिल्म की अप्रत्याशित पैन इंडिया सफलता ने अल्लू अर्जुन को राष्ट्रीय सितारे की हैसियत प्रदान की। इस फिल्म का फीवर दर्शकों के सिर चढ़कर बोला था और इसी के साथ 'पुष्पा' ने देश और दुनिया में रिकॉर्ड तोड़ कमाई भी की थी।